शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 192 | गुवाहाटी | शनिवार, 4 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

केंद्रीय रेल मंत्री ने की मीडिया से चर्चा पेज 3
मोदी को कमजोर और बीमार पश्चिम बंगाल की ज्यादा परवाह : दिलीप घोष पेज 4
गुरु रविदास की जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर में सेवाभाव का अद्भुत नजारा, पंडाल गुलजार पेज 5
पंजाब में पेट्रोल-डीजल महंगा भगवंत मान सरकार ने लगाया टैक्स पेज 8

बाल विवाह मामले में 52 काजी-पुजारी समेत 1800 गिरफ्तार

सरकार अपने संकल्प पर दृढ़ : सीएम

गुवाहाटी। असम पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ व्यापक मुहिम के तहत शुक्रवार को अब तक 1,800 लोगों को गिरफ्तार किया हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों को बताया कि राज्य भर में शुक्रवार सुबह से मुहिम शुरू की गई और यह अगले तीन से चार दिन तक जारी रहेगी। जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों में 52 काजी और पुजारी भी शामिल हैं। राज्य मंत्रिमंडल ने 23 जनवरी को यह फैसला किया था कि बाल विवाह के दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा और साथ ही व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। इस घोषणा के एक पखवाड़े से भी कम समय में पुलिस ने बाल विवाह के 4,004 मामले दर्ज किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुहिम जारी है और गिरफ्तारी के संदर्भ में शाम तक स्पष्ट तस्वीर सामने आ जाएगी और उन जिलों का भी पता चला जाएगा जहां ऐसे मामले हुए हैं। अब तक सबसे अधिक 136 गिरफ्तारियां धुबड़ी से हुई हैं जहां सबसे अधिक 370 मामले दर्ज हुए हैं। इसके बाद बरपेटा में 110 और नगांव में 100 गिरफ्तारियां हुई हैं। 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत मामला दर्ज किया जाएगा और 14-18 साल की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ बाल विवाह रोकथाम अधिनियम, 2006 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा और विवाह को अवैध

घोषित किया जाएगा। अगर लड़के की उम्र भी 14 साल से कम होगी तो उसे सुधार गृह भेजा जाएगा क्योंकि नाबालिगों को अदालत में पेश नहीं किया जा सकता। शर्मा ने इससे पहले कहा था कि ऐसे विवाह में शामिल पुजारी, काजी और परिवार के सदस्यों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि असम सरकार राज्य में बाल विवाह को खत्म करने के अपने संकल्प के लिए दृढ़ है। असम पुलिस ने राज्य भर में अब तक 4,004 मामले (बाल विवाह के) दर्ज किए हैं और आगामी दिनों में पुलिस की और कार्रवाई होने की उम्मीद है। मैं सभी से सहयोग का अनुरोध करता हूं। शर्मा ने राज्यव्यापी पुलिस कार्रवाई पर पुलिस महानिदेशक जी पी सिंह की मौजूदगी में सभी पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ डिजिटल बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने लोगों से इस कुरीति से मुक्ति के लिए सहयोग और समर्थन की अपील की। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार, असम में मातृ और शिशु मृत्यु दर सर्वाधिक है और बाल विवाह इसका प्रमुख कारण रहा है। राज्य में दर्ज विवाह में से 31 प्रतिशत मामले निषिद्ध आयुवर्ग के हैं। हाल में दर्ज बाल विवाह के 4,004 मामलों में सबसे अधिक धुबड़ी (370) में दर्ज किए गए हैं। इसके बाद ऐसे मामले होजाई (255), उदालगुरी (235), मोरीगांव (224) और कोकराझार (204) में दर्ज किए गए हैं। बराक घाटी के हैलाकांदी जिले में बाल विवाह का सिर्फ एक मामला दर्ज किया गया जबकि डीमा हसाउ में 24 और कछार में 35 मामले दर्ज किए गए। उधर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि आज सुबह 8 बजे तक 18 सौ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिलेवार मिले आंकड़ों के अनुसार गुवाहाटी में बाल विवाह के सिलसिले में 53 लोग गिरफ्तार किए गए। दो लोग दिसपुर में गिरफ्तार किए गए, जबकि हातीगांव पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार किया। वशिष्ठ पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। सोनापुर पुलिस ने नौ लोगों पकड़ा और एक व्यक्ति को खेत्री पुलिस ने पकड़ा है। इसी तरह विश्वनाथ जिला में बाल विवाह के मामले में 129 गिरफ्तार किए गए। विश्वनाथ चारायाली पुलिस स्टेशन में 22, सतिया में 22, जिंजिया पुलिस स्टेशन में 20, बिहाली में 25, हलीम पुलिस स्टेशन में 4 और गहपुर पुलिस स्टेशन में 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रूपहीहाट पुलिस ने केरल जा रहे एक ट्रेवेलर वाहन को जब्त किया है। वाहन में सवार 58 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। संदेह है कि इन लोगों ने गिरफ्तारी से बचने के डर से दूसरे राज्यों में भागने की कोशिश की थी। दूसरी ओर, बाल विवाह में कथित संलिप्तता के लिए धुबड़ी जिला से कुल 128 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से धुबड़ी से 24, गौरीपुर से 17, बिलासीपारा से 32, सापटग्राम से 3, आगमनी से 9, चापर से 9, गोलकगंज से 26 और तमारहाट से 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दक्षिण सालमारा-मानकचार जिला से 38 लोगों को गिरफ्तार किया है। हाजो पुलिस की छापेमारी में 12 लोगों को पकड़ा गया है। इनमें से 4 बाल विवाह करने वाले दूल्हा, 4 दूल्हों के पिता, दो ससुर, दो भाई हैं। इन लोगों को हाजो के हिराजेनी, -शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 का दूसरा दिन : अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 95 प्रतिनिधि ने लिया भाग

गुवाहाटी (हि.स.)। जी-20 शिखर सम्मेलन के सतत वित्त कार्य समूह की गुवाहाटी में पहली बैठक का आज दूसरा दिन है। इस बीच होटल रेडिसन ब्लू में दूसरे दिन की बैठक में जी-20 के सदस्य देशों, 10 आमंत्रित देशों और 14 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 95 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। दूसरे दिन की बैठक चार-चार सत्रों में होगी। जी-20 शिखर सम्मेलन के गुवाहाटी में आयोजित बैठक के दूसरे दिन का पहला सत्र *सतत वित्तीय क्षमता निर्माण के सबसे आवश्यक क्षेत्रों की पहचान : मांग, व्यवस्था और क्षमता निर्माण में अंतर* विषय पर हुई। इसके बाद *टिकाऊ वित्त से संबंधित क्षमता निर्माण सेवाओं में सुधार, पूरक और पैमाने* पर दूसरा सत्र होगा। तीसरे सत्र में *स्थिरता-रेखांकित निवेश के लिए डेटा से संबंधित बाधाओं को दूर करने के लिए प्रासंगिक टीए डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए* विषय पर होगा। इसके बाद सतत विकास के वित्तपोषण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का क्षमता निर्माण पर चौथा सत्र होगा। सततत वित्त कार्य समूह की इस बैठक में कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने त्रिपुरा की तकदीर और तस्वीर बदली : नड्डा

अगरतला। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने पूरी तरह से कमर कस ली है। जीत के लिए भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को मैदान में उतारना शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत शुक्रवार को हो गई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज अगरतला में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि डबल -शेष पृष्ठ दो पर

পূর্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

टेंशन की जरूरत नहीं, बैंकिंग सिस्टम मजबूत : आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अडानी ग्रुप के मामले पर एक बड़ा बयान दिया है। आरबीआई का कहना है कि देश का बैंकिंग सेक्टर मजबूत और स्थिर है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि कैपिटल एडिक्वेसी, एसेट क्वालिटी, लिक्विडिटी, प्रोविजन कवरेज और प्रॉफिटिबिलिटी हेल्थ के मापदंडों पर बैंकिंग व्यवस्था की हालत स्थिर है। उसने कहा कि बैंक लार्ज एक्सपोजर फ्रेमवर्क (एलईएफ) की गाइडलाइंस का भी पालन करता है। आरबीआई ने कहा कि केंद्रीय बैंक सतर्क बना हुआ है और सेक्टर की स्थिरता पर नजर रखे हुए है। आपको बता दें कि ये पहली बार है जब देश के केंद्रीय बैंक ने अडानी ग्रुप के मामले पर कोई बात कही है। इससे पहले उसने अडानी ग्रुप और उसके मौजूदा संकट को लेकर कोई बात नहीं की। लेकिन आज आरबीआई की प्रेस रिलीज सीधे तौर पर अडानी ग्रुप के मामले की ओर इशारा कर रही है। आरबीआई ने अपनी प्रेस रिलीज की शुरुआत में कहा कि भारतीय बैंकों के एक कारोबारी -शेष पृष्ठ दो पर

पिछड़ गए वंचितों के लिए काम करना सरकार की पहली प्राथमिकता : मोदी

बरपेटा / नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर की अर्थव्यवस्था और प्रगति में पर्यटन की भूमिका को अहम बताया और कहा कि विकास की दौड़ में पिछड़ गए वंचितों के लिए काम करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से असम के बरपेटा में कृष्णगुरु सेवाश्रम में विश्व शांति के लिए आयोजित कृष्णगुरु एकनाम अखंड कीर्तन में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि कृष्ण गुरु द्वारा प्रचारित ज्ञान, सेवा और मानवता के संदेश से भारतीय परंपरा और भी मजबूत होती जा रही है। प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि बीते 8-9 वर्षों में देश ने सबके साथ और सबके विकास के लिए समर्पण भाव से काम किया है। आज विकास की दौड़ में जो जितना पीछे है, देश के लिए वो उतनी ही पहली प्राथमिकता है। यानी जो वंचित है, उसे देश आज वरीयता दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज हम पूर्वोत्तर और असम के विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं। पर्यटन इस क्षेत्र की -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

एससी में पांच नए जजों की नियुक्ति जल्द

नई दिल्ली। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कोलेजियम द्वारा दिसंबर में सिफारिश की गई पांच नामों को जल्द ही मंजूरी दी जाएगी और उनकी नियुक्ति के लिए मुहर जल्द ही लग जाएगी। सूत्रों ने कहा कि सूची में तीन उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों और दो उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के नाम शामिल हैं, जिनकी उच्चतम न्यायालय में पदोन्नति के लिए सिफारिश की गई है। पिछले साल 13 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति संजय करोल, मुख्य न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति पी वी संजय कुमार, -शेष पृष्ठ दो पर

एनआईए को मिली मुंबई में आतंकी हमले की धमकी

मुंबई। मुंबई में एनआईए को आतंकी हमले की धमकी दी है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को मिली एक *ई-मेल* में दावा किया गया है कि तालिबान से संबद्ध एक व्यक्ति मुंबई में *हमला* करने वाला है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि जांच एजेंसी के मुंबई कार्यालय को बृहस्पतिवार को यह धमकी भरा ई-मेल मिला, जिसके बाद महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटूएस) -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी 22 देशों के दिग्गजों में सबसे पॉपुलर नेता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। एक बार फिर से दुनिया के टॉप नेताओं की रेटिंग में पीएम मोदी सबसे आगे है। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, फ्रांस के प्रेसिडेंट इमानुएल मैंक्रो और ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक को भी पछाड़ते हुए दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बनकर उभरे हैं। बता दें कि पीएम मोदी ने लोकप्रियता के मामले में 22 देशों के दिग्गज नेताओं को पीछे छोड़ -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दूध पीने के लिए गाय का बछड़ा अपनी माँ के थनों पर प्रहार करता है।

\- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

वैष्णो देवी मंदिर में आग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पर्वत की चोटी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर से करीब एक किलोमीटर दूर एक अस्थायी शेड में शुक्रवार को मामूली आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया और इस घटना का तीर्थयात्रा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, जो सुचारू रूप से जारी है। अधिकारियों ने कहा कि भैरवघाटी के रास्ते में कुछ मजदूर घोड़ा स्टैंड के पास अस्थायी शेड में ठहरे हुए थे और दोपहर करीब 1.30 बजे उनके कुछ सामान में आग लग गई।

अडानी मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा संसद सोमवार के लिए स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। विपक्ष के भारी हंगामे के चलते संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक लिए स्थगित कर दी गई है। बजट सत्र के चौथे दिन आज जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरु हुई विपक्षी सांसद अडानी मुद्दे पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग को लेकर हल्ला करने लगे। जिसके बाद सदन की कार्यवाही पहले दोपहर दो बजे तक लिए स्थगित करनी बड़ी बाद में फिर हंगामा होने के कारण सोमवार को 11 बजे तक लिए लोकसभा की कार्यवाही स्थगित की गई। वहीं राज्यसभा में भी विपक्ष के हंगामा जारी रखने से कार्यवाही को पहले ढाई बजे तक के लिए स्थगित किया गया बाद में पुनः हंगामा को देखते हुए राज्यसभा को सोमवार सुबह 11 बजे तक लिए स्थगित किया गया। आज कई विपक्षी दलों के नेताओं ने संसद के दोनों सदनों में स्थगन नोटिस प्रस्तुत कर अडानी समूह और चीन के साथ सीमा की स्थिति पर तत्काल चर्चा की मांग की थी। विपक्षी कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि सत्ता के सर्वोच्च स्तरों से संरक्षण प्राप्त अडानी महाघोटाले को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

मां के खाना नहीं देने पर नाबालिग ने की पुलिस में शिकायत

शिवपुरी। शिवपुरी जिले में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत का अनोखा मामला सामने आया है। जिले के सोन्हर गांव में रहने वाले एक 14 वर्षीय नाबालिग बेटे ने अपनी मां की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज कराई है। सोन्हर गांव में रहने वाले 14 वर्षीय बेटे ने सीएम हेल्प लाइन 181 पर फोन करके कहा कि मेरी मां मुझे खाना नहीं देती है। नाबालिक के पिता की मृत्यु हो चुकी है, इसलिए मुझे वह भूखा रखना चाहती है। जब पुलिस घर पहुंची तो उन्हें कुछ समझ में नहीं आया। पुलिस को देखकर महिला घबरा गई, उसके बाद जब पुलिस ने मां के सामने इस पूरी घटना को बताया, तब खुलासा हुआ। वहीं, अमोलपठा चौकी प्रभारी एएसआई हरीश सोलंकी ने अपने आने की वजह बताई और पूछा कि आप अपने बेटे को खाना क्यों -शेष पृष्ठ दो पर

बेटे ने सीएम हेल्पलाइन पर मां द्वारा खाना न देने की शिकायत दर्ज कराई और लिखा वह मुझे भूखा रखना चाहती है। सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत मिलने के बाद पुलिस घर पहुंची और मां और नाबालिग बेटे को समझाइश देकर शिकायत का निराकरण कराया। जानकारी के अनुसार

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होकर लौटे एनसीसी कैडेटों से मिले मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.) । मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को गणतंत्र दिवस की परेड में हिस्सा लेने के बाद दिल्ली से गुवाहाटी लौटे एनसीसी के कैडेटों के साथ होटल ताज विवांता में वार्ता की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि एक सपना लेकर चलने वाले प्रतिभाशाली और युवा पीढ़ी हमेशा मुझे आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि 2023 के गणतंत्र दिवस परेड में असम का प्रतिनिधित्व करने वाले एनएसएसीएन और एनएसएस के सदस्यों के साथ बातचीत करने के लिए मैं रोमांचित था। मुख्यमंत्री ने कैडेटों से बातचीत में, विभिन्न जानकारी की, जिसमें गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने के लिए उनका चयन कैसे किया गया, प्रशिक्षण अवधि के दौरान उन्हें प्राप्त सबक और परेड में भाग लेने का अनुभव कैसा था। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कैडेटों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर भी दिया और उन्हें सलाह दी कि प्रशिक्षण काल के दौरान प्राप्त अमूल्य शिक्षा को अपने जीवन में कार्य करने के साथ-साथ अपने हृदय के संदेश में जीवन का मार्ग चुनने और समाज और देश के लिए समर्पण के साथ कार्य पथ पर आगे बढ़ें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कैडेटों को स्मृति स्वरूप एक जोड़ी ट्रैकसूट भेंट किया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनिंदर सिंह, एनसीसी के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर दिनार दिघे, एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक दीपक कुमार, खेल एवं युवा कल्याण निदेशालय के निदेशक निवेदन दास पटवारी और शिक्षा के सलाहकार डॉ. ननिगोपाल महंत भी उपस्थित थे।

अमूल ने प्रति लीटर तीन रुपए बढ़ाए दूध के दाम

नई दिल्ली। गुजरात डेयरी को-ऑपरेटिव अमूल ने दूध के दाम में इजाफा करने का एलान कर दिया है। दूध के दाम में तीन रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। नए दाम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। बयान के मुताबिक, इस संशोधन के बाद अमूल गोल्ड की कीमत 66 रुपए प्रति लीटर, अमूल ताजा की कीमत 54 रुपए प्रति लीटर, अमूल गाय का दूध 56 रुपए प्रति लीटर और अमूल ए2 भैंस के दूध की कीमत अब 70 रुपए प्रति लीटर होगी। अमूल ने पिछले साल अक्तूबर में कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। कहा गया था कि कीमतों में यह वृद्धि दूध के संचालन और उत्पादन की कुल लागत में वृद्धि के कारण की जा रही है। पिछले वर्ष की तुलना में केवल पशुओं के चारे की लागत में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनपुट लागत में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए हमारे सदस्य संघों ने पिछले वर्ष की तुलना में किसानों की कीमतों में 8-9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, दिसंबर में मदर डेयरी ने दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में दूध की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने यह साफ किया कि दूध के दामों में बढ़ोतरी गुजरात में लागू नहीं होगी। नई दर्रे मुंबई, कोलकाता और दिल्ली समेत अन्य बाजारों के लिए हैं। जीसीएमएमएफ ने एक बयान में कहा कि नई कीमतें शुक्रवार सुबह से प्रभावी होंगी।

दस लाख के नकली सिक्के के साथ एक गिरफ्तार

मुंबई (हि.स.) । मुंबई के मालाड इलाके में मुंबई पुलिस और दिल्ली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 10 लाख रुपए के नकली सिक्कों के साथ आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान जिग्नेश गाला (42 वर्ष) के रूप में की गई है। सूत्रों के अनुसार दिल्ली पुलिस ने हरियाणा में छापा मार कर नकली सिक्के बनाने वाली कंपनी का पर्दाफाश किया था। इसकी छानबीन में पता चला कि मुंबई के मालाड इलाका स्थित पुष्पानगर में भी बड़े पैमाने पर नकली सिक्कों का धंधा किया जाता है। इसी जानकारी के आधार पर दिल्ली पुलिस और मुंबई पुलिस ने संयुक्त रूप से मालाड के पुष्पानगर स्थित वल्लभ सोसाइटी में छापा मारकर 9 लाख 46 हजार रुपए के नकली सिक्के बरामद कर आरोपित जिग्नेश गाला को गिरफ्तार किया। छानबीन में पता चला है कि नकली सिक्के धार्मिक स्थलों के पास चलाए जाते हैं।

रिक्तियों को तेजी से भरने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : कानून मंत्री

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में जजों की नियुक्तियों के संबंध में अपनाई जाने वाली कॉलेजियम प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के बीच तनातनी जारी है। इस बीच कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने रिक्तियों को भरने को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शुक्रवार को संसद में कहा कि केंद्र सरकार समयबद्ध तरीके से रिक्तियों को तेजी से भरने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान उन्होंने अदालतों में लंबित मामलों के पीछे के कारण भी गिनाए। इस दौरान उन्होंने संसद को यह भी बताया कि हाई कोर्ट में खाली पदों को भरना एक सतत, एकीकृत और सहयोगात्मक प्रक्रिया है, जिसके लिए विभिन्न संवैधानिक प्राधिकरणों से सलाह और अनुमोदन की जरूरत होती है। उन्होंने इसके कारण गिनाते हुए आगे कहा कि सेवानिवृत्ति, इस्तीफे या न्यायाधीशों की पदोन्नति के कारण रिक्तियां उत्पन्न होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का कारण केवल उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की कमी ही नहीं है। इसके कई अन्य कारण भी है जैसे राज्यों और केंद्रीय विधानों की संख्या में वृद्धि, प्रथम अपीलों का संचय, कुछ हाई कोर्ट में सामान्य सिविल क्षेत्राधिकार जारी रखना, हाई कोर्ट में जाने वाले अर्ध-न्यायिक मंचों के आदेशों के खिलाफ अपील, पुनरीक्षण/अपीलों की संख्या, बार-बार स्थगन, रिट क्षेत्राधिकार का अंधाधुंध उपयोग, सुनवाई के लिए मामलों की निगरानी, ट्रैकिंग और बंचिंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था की कमी, न्यायालयों की अवकाश अवधि, न्यायाधीशों को प्रशासनिक प्रकृति का कार्य सौंपना, आदि। कानून मंत्री ने आगे बताया कि हाई कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए संबंधित हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ राज्य सरकार की सहमति भी जरूरी होती है। क्योंकि उस हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अदालत के प्रशासन के लिए जिम्मेदार होते हैं वहीं, राज्य सरकार न्यायालय को बुनियादी सुविधाएं और न्यायाधीशों को वेतन आदि प्रदान करती है। किरेन रिजिजू ने यह भी कहा कि हाई कोर्ट के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या आठ सालों में बढ़ी है। यह संख्या साल 2014 में जहां 906 थी वहीं 2022 में बढ़कर 1108 हो गई है।

आम बजट पर टीपीएफ गुवाहाटी का सेमिनार कल

गुवाहाटी। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, गुवाहाटी यूनियन बजट 2023 पर एक सेमिनार क्या खोया क्या पाया का आयोजन 5 फरवरी को सुबह 10:00 से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में करने जा रहा है। इस सेमिनार में प्रमुख वक्ता सीए सुनील शर्मा (प्रत्यक्ष कर) एवं सीए मनोज नाहटा (अप्रत्यक्ष कर) होंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन व्यापारी एवं समाज बंधुओं के जीएसटी एवं आयकर में बजट के कारण होने वाले परिवर्तनों की जानकारी हेतु किया जा रहा है। इसमें वक्ताओं के द्वारा व्यापारी बंधुओं के जिज्ञासाओं का समुचित समाधान किया जाएगा। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, गुवाहाटी के अध्यक्ष सीए संतोष पुगलिया एवं मंत्री सीए पुखराज सेठिया ने सभी समाजबंधुओं से सेमिनार में समय पर पधारने का आह्वान किया है।

सांवरिया भक्त मंडल की भव्य निशान यात्रा 11 को

होजाई (होस) । सांवरिया भक्त मंडल, होजाई के बैनर तले धार्मिक कार्यक्रमों के तहत आगामी 11 फरवरी वार शनिवार को विशाल निशान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां प्रारंभ हो चुकी है। उक्त धार्मिक कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु मोहन मोर व प्रताप क्याल को संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त निशान यात्रा होजाई के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर से निकलेगी, जो विभिन्न शहरों, गांवों से होती हुई 12 फरवरी सायंको नगांव श्यामधाम पहुंचकर बाबा श्याम को निशान अर्पित किए जाएंगे। शनिवार को प्रात: 6:15 बजे विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात बाबा श्याम के जयकारों के साथ निशान यात्रा का शुभारंभ होगा। निशान यात्रा के लिए एक वाहन को सजाया जाएगा, जो यात्रा के दौरान साथ-साथ चलेगा। उक्त वाहन में बाबा श्याम की तस्वीर के सम्मुख ज्योत प्रज्वलित की जाएगी, जो निशान यात्रा के साथ चलती रहेगी। निशान यात्रा श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर से निकलकर शहर के जेके केडिया पथ, इस्लाम नगर, नीलबागान, डबका, जबड़ाखुवा होती हुई कठियातुली पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम होगा। 12 फरवरी को सुबह पूजा अर्चना के पश्चात फिर निशान यात्रा प्रारंभ होगी, जो सायं नगांव श्याम धाम पहुंचकर बाबा श्याम को अर्पित की जाएगी। निशान यात्रा में होजाई समेत लंका, डबका, कठियातूली, जमुनामुख व नगांव के श्याम भक्त भी निशान उठाएंगे। युवाओं हेतु कुर्ता-पायजामा व मातृशक्ति के लिए लाल-पीली साड़ी या सलवार सूट पहनने का अनुरोध किया गया है।

रिश्वत लेते दो लोकसेवक गिरफ्तार

उदालगुड़ी (हि.स.) । सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम ने धनसिरी वन प्रभाग, उदालगुड़ी के बीट अधिकारी लचित बोरा और उनके वन रक्षक को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता ने सतर्कता विभाग से शिकायत की थी कि वन संपत्ति की अवैध ढुलाई में लगे वाहनों को न रोकने के लिए रिश्वत के रूप में चार हजार रुपए की की मांग की थी। इस पर शुक्रवार को सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय, असम की एक टीम ने जाल बिछाकर उदालगुड़ी के धनसिरी वन प्रभाग के मंडल वन अधिकारी लचित बोरा को शिकायतकर्ता से रिश्वत के रूप में साढ़े तीन हजार रुपए दिए। इनमें से बोरा ने एक हजार रुपए सहयोगी वन रक्षक बिनेश दैमारी ने ली। तभी टीम ने दोनों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। सतर्कता टीम ने

भारत में दस लाख लोगों में से एक व्यक्ति करता है अंगदान

बीकानेर (हिंस) । पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी तथा मोहन फाउंडेशन, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में देहदान तथा अंगदान के लिए जागरूकता कार्यक्रम पशुचिकित्सा महाविद्यालय, बीकानेर के सभागार में शुक्रवार को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ. तनवीर मालावत ने इस अवसर पर अंगदान की महत्ता को बताया। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविरों की भांति अंगदान शिविरों के आयोजन की आवश्यकता है। अंगदान के लिए मात्र 0.16 प्रतिशत लोग ही अंगदान के लिए आगे आते है। अंगदान के लिए हमें सामाजिक संप्रदाय एवं धार्मिक मान्यताओं से उपर उठ कर लोगों को इस हेतु प्रेरित करने कि आवश्यकता है। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, बीकानेर के सचिव विजय खत्री ने बताया अंगदान को महादान क्यों कहा गया है? इसमें लीविंग या मृत डोनर जिसके परिवार की सहमति होती है वो व्यक्ति अपने लिवर, लंग्स, किडनी, लीवर, पेनक्रियाज, इन्टसटाईन, क्रॉनिया, स्कीन, जोईन्टस बानमेरो आदि अंग जरूरतमंद व्यक्ति को देते हैं और कोई भी जिसके यह अंग खराब होते हैं वह इन्हें प्राप्त कर पुन: अपना जीवन सुरक्षित जीने लगते है। उन्होंने बताया कि भारत में दस लाख लोगों में से एक व्यक्ति अंगदान करता है। प्रतिवर्ष भारत में 5 लाख लोगों की मृत्यु अंगों के अभाव में होती है। 2 लाख अन्धता पीड़ितों में से 50 हजार लोगों क्रॉनिया मिल पाता है। 20 लाख किडनी की जरूरत है परंतु करीब 1700 बीमार लोगों को ही उपलब्ध हो पाती है। हार्ट 147 लोगों में एक को और 70 बीमार में से एक व्यक्ति को ही लीवर मिल पाता है। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग की प्रो. डॉ. गरिमा खत्री ने शरीर दान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि पुराणों के अनुसार महर्षि दधीचि ने अपने जीवित अवस्था में रहते अपनी अस्थियों को शस्त्र बनाने के लिए दान देने की सहमति प्रदान कर उदाहरण पेश किया। सन् 1948 से एनाटॉमिक एक्ट बनने पर कानूनी प्रक्रिया अपनाकर मेडिकल कॉलेजों को बॉडी मिलनी प्रारम्भ हुई।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
Apollo HOSPITALS
नेफ्रोलॉजिस्ट
डॉ. जे. राजामहेश MBBS, MRCP (UK)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
14 फरवरी, 2023 को
जो मरीज हाई ब्लड प्रेसर, पेशाब में अनियमितता, ब्लैडूर समस्याएं, यूरिया एवं क्रीटिनाइन का उच्च स्तर, क्रोनिक रैनेल फेलियर, किडनी समस्याओं से पीड़ित हैं वे अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं।
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

सरकार अपने संकल्प...

एकादी, दा-वर्नी, मिलपारा और खेपनीकुची में छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया है। जागीरोड से बाल विवाह करने के आरोप में दो लोगों गिरफ्तार गया है। पुलिस ने माजुली से 23 लोगों को नाबालिग लड़कियों का विवाह आयोजित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। नगांव से कुल 132 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि मोरीगांव में 60 लोगों को पकड़ा गया है। इस बीच उदालगुड़ी से 31 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शिवसागर से बाल विवाह में शामिल होने के आरोप में 13 लोग गिरफ्तार किए गए। बाल विवाह से संबंधित मामले में होजाई में 91 लोगों को पकड़ा गया है। वहीं कोकराझार में 85, बरपेटा में 110, ग्वालपाड़ा में 30, बंगाईगांव में 83, चिरांग में 40, गोलाघाट में 4, उत्तर गुवाहाटी में एक व्यक्ति गिरफ्तार हुआ है। दरंग में बाल विवाह में कथित संलिप्तता के आरोप में 31 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। डिब्रूगढ़ में 7, करीमगंज में 79 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह अभियान अभी भी जारी है।

जी-20 का दूसरा ...

अलग अलग सत्रों में आभासी रूप से भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को जी-20 के पहले सतत वित्त कार्य समूह की बैठक के बाद बैठक में भाग लेने आए प्रतिनिधियों ने क्रूज पर ब्रह्मपुत्र नद की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लिया। ब्रह्मपुत्र की यात्रा के दौरान, नद के तट पर असम की समृद्ध संस्कृति और विरासत का एक शानदार प्रदर्शन आयोजित किया गया था।

भाजपा ने त्रिपुरा ...

इंजन की सरकार ने त्रिपुरा की तकदीर और तस्वीर बदल दी है। इस रैली में भारी संख्या में आपका जुटना ये संदेश दे रहा है कि त्रिपुरा विकास के पथ पर आगे बढ़ चुका है और अब ये नहीं रुकेगा। जेपी नड्डा ने कहा कि नौ साल पहले भारत कैसा था? घुटने टेकने वाला भारत था, फैसला नहीं लेने वाला भारत था, भ्रष्टाचारी देशों में शामिल था। आए दिन भ्रष्टाचार हुआ करते थे लेकिन पिछले नौ साल में ये आकांक्षाओं का भारत बन गया है। भारत अब दुनिया में खुद को स्थापित करते हुए मजबूत राष्ट्र दिखता है। जेपी नड्डा ने त्रिपुरा के गोमती में एक पार्टी कार्यकर्ता के आवास पर दोपहर का भोजन किया। बता दें कि शुक्रवार को भाजपा प्रदेशभर में करीब 31 जनसभाएं आयोजित कर रही है। दो रैलियों को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा संबोधित कर रहे हैं। इसके साथ ही आगामी दिनों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी त्रिपुरा आएंगे। शुक्रवार को ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा तीन, वरिष्ठ भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती तीन, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी दो, प्रतिमा भौमिक दो, बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु दो, केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर दो, सांसद रेवती त्रिपुरा दो, वरिष्ठ भाजपा नेता समीर ओरांग दो, बंगाल से भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी तीन, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद बिप्लव कुमार देव दो और बंगाल से भाजपा सांसद दीलिप घोष दो रैलियों को संबोधित करेंगे। इसके अलावा भी त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य भी रैलियों को संबोधित करेंगे। त्रिपुरा में विपक्षी लेफ्ट पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र में ढाई लाख नई नौकरियों का वादा किया गया है, साथ ही पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की बात भी कही गई है। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट फ्रंट ने शुक्रवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया। जिसमें उक्त घोषणाओं के साथ ही सरकारी कर्मचारियों को हर साल दो डीए बढ़ोतरी देने का वादा भी किया है। 15 पेज के अपने घोषणा पत्र में लेफ्ट फ्रंट ने 10,323 छंटनी शिक्षकों की बहाली, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने और आदिवासी परिषद को अधिक स्वायत्तता देने का वादा किया गया है। लेफ्ट फ्रंट के संयोजक नारायण कार ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए सत्ताधारी भाजपा पर त्रिपुरा में लोकतंत्र को कुचलने का आरोप लगाया। लेफ्ट ने वादा किया है कि 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को, जिनकी सालाना आय एक लाख रुपए से कम है, उन्हें लेफ्ट ने पेंशन देने का एलान भी किया है।

टेंशन की जरूरत...

समूह के एक्सपोजर को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स आई हैं। उसने कहा कि रेगुलेटर और सुपरवाइजर के तौर पर, आरबीआई बैंकिंग सेक्टर और बैंकों पर लगातार सतर्क रुख बरकरार रख रहा है। उसके मुताबिक, उसका लक्ष्य वित्तीय स्थिरता को बनाए रखना है। केंद्रीय बैंक ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा कि आरबीआई के पास सेंट्रल रिपॉजिटरी ऑफ इन्फोर्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिट (सीआरआईएलसी) डेटाबेस सिस्टम है। इसमें बैंक 5 करोड़ रुपए से ज्यादा के अपने एक्सपोजर की जानकारी देते हैं, जिसे निगरानी के लिए इस्तेमाल जाता है। इससे पहले आरबीआई ने सभी बैंकों से अडानी मामले में जवाब मांगा था। अडानी ग्रुप ने बैंकों से पूछा था कि उन्होंने अडानी ग्रुप कंपनियों को कितना कर्ज दिया है और उसका स्टेटस क्या है। वहीं, अडानी ग्रुप ने अडानी इंटरप्राइजेज के एफपीओ को कैंसल कर दिया था। अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी ग्रुप ने अडानी एंटरप्राइजेज के 20,000 करोड़ रुपए के एफपीओ वापस लेने के लिए खुद सामने आना पड़ा था।

पिछड़ गए वंचितों ...

अर्थव्यवस्था और प्रगति में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। इस बार आम बजट 2023-24 में पर्यटन से जुड़े अवसरों को बढ़ाने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। देश में 50 पर्यटन स्थलों को विशेष अभियान के तहत विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत की सबसे बड़ी अहमियत, सबसे बड़ा मूल्यवान खजाना हमारे नदी तटों पर ही है, क्योंकि हमारी पूरी संस्कृति की विकास यात्रा नदी तटों से जुड़ी हुई है। मोदी ने कहा कि आप सभी ने गंगा विलास रिवर क्रूज के बारे में सुना होगा और बड़े संख्या में विदेशी पर्यटक इस पर यात्रा कर रहे हैं। कुछ समय बाद यह क्रूज असम पहुंचेगा और राज्य के रिवर बेसिन से होकर गुजरेगा। इसके यात्री भारत की संस्कृति का अनुभव कर रहे हैं और उन स्थलों के बारे में जान रहे हैं जहां वे जा रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इस क्रूज पर यात्रियों के माध्यम से असम की सुंदरता और संस्कृति को दुनिया जानेगी। मोदी ने कहा कि बीते 8-9 वर्षों में देश में गोमोशा को लेकर आकर्षण बढ़ा है, तो उसकी मांग भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि जब असम के शिल्प की बात होती है तो यहां के *गोमोशा* का भी जिक्र अपने आप हो जाता है। मुझे खुद गोमोशा पहनना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आय उनके सशक्तिकरण का माध्यम बने इसके लिए 2023-24 के बजट में *महिला सम्मान बचत योजना* शुरू की गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को बचत पर विशेष रूप से अधिक ब्याज का फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की कल्याणकारी योजनाओं की प्राणवायु, समाज की शक्ति और जन भागीदारी है। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि कैसे देश ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया और फिर जन भागीदारी ने इसे सफल बना दिया। डिजिटल इंडिया अभियान की सफलता के पीछे भी सबसे बड़ी वजह जनभागीदारी ही है। उन्होंने कहा कि पारंपारिक तौर पर हाथ से किसी औजार की मदद से काम करने वाले कारीगरों को विश्वकर्मा कहा जाता है। देश ने पहली बार इन पारंपरिक कारीगरों के कौशल को बढ़ाने का संकल्प लिया है। इनके लिए पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना शुरू की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2023 में भारत की पहल पर पूरा विश्व मिलेट ईयर भी मना रहा है। मिलेट यानी मोटे अनाजों को अब एक नई पहचान दी गई है। ये पहचान श्री अन्न है यानि अन्न में जो सर्वश्रेष्ठ है, वो श्री अन्न है।

एससी में पांच नए ...

मुख्य न्यायाधीश, मणिपुर उच्च न्यायालय, पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के लिए सरकार से सिफारिश की। पांचों के शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के बाद इसकी कार्य संख्या 32 हो जाएगी। शीर्ष अदालत की स्वीकृत शक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश सहित 34 है। इसकी वर्तमान कार्य शक्ति 27 है। 31 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों के रूप में न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, मुख्य न्यायाधीश, गुजरात उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए दो और नामों की सिफारिश की।

मोदी 22 देशों ...

दिया है। ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक, पीएम मोदी को वयस्क आबादी में 78 फीसदी अप्रूवल रेटिंग मिली है। पीएम मोदी के बाद मेक्सिको के राष्ट्रपति लोपेज ओब्राडोर दूसरे नंबर पर है। उन्हें 68 फीसदी वयस्कों ने अपनी पहली पसंद बताया। इसके बाद तीसरे नंबर पर स्विटजरलैंड के राष्ट्रपति अलैन बेरसेट हैं। उन्हें 62 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है। अमेरिका की वैश्विक सर्वेक्षण कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट के मुताबिक इस सूची में ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज को 58 प्रतिशत रेटिंग के साथ चौथी और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा को 50 फीसदी रेटिंग के साथ पांचवां स्थान मिला है। इस तरह से टॉप 5 नेताओं की लिस्ट से सबसे विकासशील देश अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों भी बाहर हैं। वहीं कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो 9वां स्थान मिला है। उन्हें 40 फीसदी अप्रूवल रेटिंग मिली है। ऋषि सुनक को मात्र 30 प्रतिशत रेटिंग मिली है। सर्वे में करीब 76 फीसदी लोगों का कहना है कि पीएम मोदी देश को सही दिशा में ले जा रहे हैं। यह ताजा सर्वेक्षण 26 जनवरी से 31 जनवरी 2023 के बीच कराया गया था।

अडानी मुद्दे पर...

विपक्ष द्वारा जेपीसी की मांग के डर से मोदी सरकार ने संसद के दोनों सदनों को स्थगित कर दिया। इससे पहले विपक्षी दलों के सदन के नेताओं की बैठक विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के कक्ष में सुबह 10 बजे हुई। इसमें सदन के भीतर रणनीति पर विचार के लिए चर्चा की गई। जयराम रमेश ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि केवल एक स्वतंत्र जांच ही एलआईसी, एसबीआई और अन्य संस्थानों को प्रधानमंत्री द्वारा अडानी समूह में निवेश करने के लिए मजबूर करने से बचाएगी। बैठक से पूर्व मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि आगे कैसे बढ़ना है, इस पर विपक्षी दलों के फ्लोर नेताओं की बैठक बुलाई गई है। हम बैठक में आगे की कार्रवाई पर चर्चा करेंगे। हमने कल नोटिस दिया था लेकिन कोई चर्चा नहीं हुई थी।

मां के खाना नहीं ...

नहीं देती हो। बेटे की शिकायत से अनजान मां पुलिस के सवाल से घबरा गई। तब मां ने पुलिस को बताया कि ऐसा कभी नहीं हुआ है, मैं बस घर का काम बंटाने के लिए कहती हूं। क्योंकि पिता की मृत्यु के बाद उनके लिए कोई सहारा नहीं है, इसलिए मजाक मजाक में हुआ ऐसा बोलती रहती है। इस बात से नाराज होकर उसने शिकायत कर दी है। वहीं, जांच करने गए एएसआई हरीश सोलंकी ने बताया है कि नाबालिक बच्चे ने ही सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की थी उसकी मां उसे खाना नहीं देती है, उसकी जांच के लिए वह घर पर आए हुए थे। मां और बेटी को समझा कर उसका निराकरण करा दिया है। ऐसा कोई गंभीर मामला नहीं है। मां ने बताया कि वह मजाक में कभी कभार अपने बेटे को बोल देती है।

एनआईए को मिली...

और शहर की पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। पुलिस के अनुसार, सीआईए वाले ईमेल आईडी से भेजे गए इस संदेश में भेजने वाले ने दावा किया है कि तालिबान से संबद्ध एक व्यक्ति शहर में हमला करेगा। अधिकारी ने कहा कि भेजने वाले का आईपी (इंटरनेट प्रोटोकॉल) पता पाकिस्तान का है। उन्होंने बताया कि संघीय एजेंसी को ऐसा ई-मेल पिछले महीने भी भेजा गया था। हालांकि पुलिस की जांच में ई-मेल की बात झूठी साबित हुई थी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को इसके पीछे किसी शरारत के होने का संदेह है, क्योंकि पूर्व में भी एजेंसी को ऐसे ई-मेल कई बार भेजे गए हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(योगाभ्यास)

सुरति विखरि संसार में, तन्मय जगत स्वरुप।
सुरति निरोध स्वरुप में, शुद्ध प्रकाश अनूप ॥ 19॥

शब्दार्थ : (सुरति) आत्म-चेतना (विखरि) फैलकर (निरोध) संयम, रोकना (अनूप) उपमारहित।

भाष्य : आत्म-चेतना संसार में फैलकर जगत् का स्वरुप बन गई है। उसे अपने स्वरूप में निरोध करने पर अनुपम अपना शुद्ध स्वरूप प्रकट प्रकाशन प्राप्त होता है। सुरति को गुरु-प्रदेश में स्थिर करने पर अपने चेतन स्वरूप द्वारा ब्रह्मसत्ता का प्रकट अनुभव होता है इसलिए, सुरति को चारों ओर से बटोर करके गुरु-प्रदेश में स्थिर करें।

दृश्य रूप सुरति भई, परम पुरुष भय दूर।
सुरति बाँधि स्थिर करो, शब्द सदा भरपूर॥ 20॥

शब्दार्थ : (दृश्य रूप) जगत् रूप)(परम पुरुष) सत्पुरुष (शब्द) परब्रह्म (भरपूर) परिपूर्ण।

भाष्य : सुरति आत्मा की चेतना है। चेतना जगत् रूप हो गयी, इस कारण परम पुरुष मुझसे दूर हो गए इसलिए सुरति को पकड़ करके गुरु-प्रदेश में स्थिर करें, तब पूर्ण सत्पुरुष की प्राप्ति होगी। सुरति योग द्वारा अपने शुद्धस्वरूप में आती है और उसी शुद्धस्वरूप के स्थिर हो जो पर शब्द-परब्रह्म की प्राप्ति होती है।

पूसीरे के लिए रिकॉर्ड बजट आवंटन

केंद्रीय रेल मंत्री ने की मीडिया से चर्चा

गुवाहाटी (विभास)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेल बजट 2023-24 के संबंध में नई दिल्ली से वर्चुअली पूर्वोत्तर के संवाददाताओं के साथ बातचीत की। पू. सी. रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता और मुख्यालय के वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। समानान्तर कार्यक्रम पू. सी. रेल के सभी मंडलों में भी आयोजित किया गया, जहां मंडल रेल प्रबंधकों ने हिस्सा लिया। विभिन्न स्थानों के संवाददाता भी वर्चुअली जुड़े। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए, रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे के लिए 2.40 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान रखा गया है। इस वर्ष का आवंटन अब तक का सर्वाधिक परिव्यय है, जो 2013-14 में किए गए परिव्यय का लगभग 9 गुना और पिछले वर्ष की तुलना में 51त्न अधिक है। रेल मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में 59 स्टेशनों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। विरासत भी, विकास भी की विरासत परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने बताया कि यात्रियों के लिए बेहतर सवारी अनुभव और आरामदायक यात्रा के लिए पूर्वोत्तर में 310 पुराने ट्रेन कोचों को एलएचबी कोच में बदला जाएगा। पिछले वर्ष के दौरान, असम में 445 किलोमीटर रेल पटरियों को विद्युतीकृत किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पू. सी. रेल के सभी मंडलों में प्रति 15 स्टेशन विकसित किए जाएंगे। बातचीत के दौरान, मंत्री ने बताया कि सभी पूर्वोत्तर राज्यों में रेलवे के बुनियादी ढांचे के समग्र विकास के लिए पर्याप्त धन आवंटित किया गया है। पहली बार, 1.20 लाख करोड़ रुपए की योजना राशि के साथ पहाड़ी और सीमावर्ती क्षेत्रों को जोड़ने की परिकल्पना की गयी है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पू. सी. रेल के लिए सकल बजट आवंटन 10,988.80 करोड़ रुपए का है। यह पिछले वर्ष के आवंटन (9,660.14 करोड़ रुपए) से 13.75त्न अधिक है। पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 10,269 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है यानी पिछले साल से करीब 300 करोड़ रुपए अधिक। इस वर्ष का बजट आवंटन नई लाइन और दोहरीकरण परियोजनाओं, ट्रैक नवीनीकरण कार्यों, परिवहन सुविधाएं, सड़क सुरक्षा कार्यों, पुल कार्यों, सिगनलिंग, कारखाना आधुनिकीकरण और ग्राहक सुविधाओं आदि जैसे कई क्षेत्रों में अभूतपूर्व वृद्धि दर्शाता है। नई लाइनों के लिए लगभग 6591 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं जबकि रेल पटरियों के दोहरीकरण के लिए 1364 करोड़ रुपए है। रेल मंत्री ने बताया कि समग्र पूर्वोत्तर क्षेत्रों में 75,795 करोड़ रुपए की कुल रेलवे अवसंरचना परियोजनाएं चल रही है। चल रहे सभी कार्यों के शीघ्र निष्पादन के लिए पर्याप्त आवंटन किया गया है। डिमापुर-कोहिमा नई लाइन परियोजनाओं के लिए करीब 1100 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जबकि जिरिबाम-इम्फाल नई लाइन परियोजनाओं के निष्पादन के लिए 800 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में अन्य राजधानी संपर्क परियोजनाएं जैसे सिक्किम में सेवक-रंगपो नई लाइन परियोजनाओं के लिए 2350 करोड़ रुपए, मिजोरम में बइरबी-साईरंग नई लाइन परियोजनाओं के लिए 915 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। अन्य नई लाइन परियोजनाओं में भारत और बांग्लादेश के बीच अगरतला-अखौरा अंतर्राष्ट्रीय संपर्क परियोजना के लिए 200 करोड़ और अररिया-गलगलिया परियोजना के लिए लगभग 700 रुपए करोड़ आवंटित किए गए है। न्यू बंगाईगांव-रंगिया-कामाख्या और न्यू बंगाईगांव-गोवालपारा-कामाख्या में चल रहे रेल पटरियों के दोहरीकरण कार्यों के तेजी से निष्पादन के लिए क्रमशः 600 करोड़ रु. और 500 करोड़ रु. आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया अनुभागों के बीच दोहरीकरण कार्यों के लिए 115 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं ताकि पूर्वोत्तर के लिए ट्रेन कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाया जा सके। यह उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी के निकट आगियाठरी स्टेशन को 517 करोड़ रुपए की लागत से विश्व स्तर की सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जाएगा।

नगांव : बाल विवाह में शामिल 97 लोग गिरफ्तार

नगांव (निसं)। बाल विवाह में शामिल लोगों को गिरफतार करने के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा द्वारा बयान दिए जाने के बाद आज नगांव पुलिस हरकत में आते हुए खबर लिखने तक बाल विवाह को अंजाम देने वाले तकरीबन 97 लोगों को पुलिस ने आज गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि बाल विवाह के जुर्म में नगांव के पूरे जिले भर के थानों में 147 मामले दर्ज हैं। मुख्यमंत्री की कठोर आदेश के बाद पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बाल विवाह में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने मुहिम छेड़ दिया है। पुलिस अधीक्षक लीना दलै ने आज अपने कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन कर संवाददाताओं से कहा कि यह अभियान अगले सात दिनों तक चलता रहेगा और बाल विवाह करने और करवाने वाले के खिलाफ भी पुलिस सख्ती से पेश आएगी। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा गिरफ्तारी रहा थाने में हुई है। पुलिस अधीक्षक ने गिरफ्तारी की आकंड़े बताते हुए कहा कि नगांव सदर थाने में 21, रुपोही से 4, बटद्रवा में 6, धींग में 7, रोहा थाने में 26, कामपुर थाने में 13, कचूवा थाने में 14, उलोवनी में 4, सामागुड़ी में 16, जखलाबंधा में 8, कलियाबर में 4, जुरियां में 2 और लाऊखोवा थाने में 1 की गिरफ्तारी बाल विवाह के जुर्म में हुई है। संवाददाता सम्मेलन में लोगों से अपील करते हुए कहा कि कम उम्र की लड़कियों को विवाह करने के बजाय उसे पढ़ाने और उनके जीवन सुधारने के लिए अभिभावकों को जागरुक होना चाहिए, जिससे लड़कियों का भविष्य सुनहरा हो सके।

राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेकर लौटे एनएसएस के दल से की मुलाकात

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने के बाद लौटे उत्तर पूर्वी राज्यों के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 17 प्रतिभागियों के साथ शुक्रवार को यहां राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने वाले दल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेना अपने आप में एक प्रतिष्ठित और जीवनभर की उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य पथ पर परेड में भाग लेने से रोमांच पैदा होता है और देशभक्ति की तीव्र भावना जागृत होती है। प्रो. मुखी ने एनएसएस के उद्देश्य को रेखांकित करते हुए उनसे एनएसएस के आदर्श वाक्य नॉट मी बट यू को विकसित करने के लिए कहा। उन्होंने उनसे ईमानदारी, अनुशासन और सामुदायिक जुड़ाव जैसे मूल्यों को मन में बैठाकर उनके समग्र विकास के लिए काम करने को कहा। उन्होंने उनसे अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने और देश के विकास में योगदान देने और राष्ट्र को हर चीज से पहले रखने के लिए भी कहा।

राज्यपाल ने दल को पारंपरिक गामोछा देकर सम्मानित किया और उनके भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने शिविर के दौरान सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने पर उत्तर पूर्व के एनएसएस स्वयंसेवकों को भी बधाई दी। इस मौके पर एनएसएस उत्तर पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक दीपक कुमार भी राज्यपाल से मुलाकात करने पहुंचे थे। समारोह के दौरान आयुक्त और राज्यपाल के सचिव, एसएस मीनाक्षी सुंदरम और राजभवन के अधिकारी उपस्थित थे।

बाल विवाह : मोरीगांव में 60 से अधिक गिरफ्तार

मोरीगांव (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा द्वारा बाल विवाह को लेकर कड़े कदम उठाए जाने के निर्देश दिए जाने के बाद असम पुलिस राज्य के विभिन्न जिलों में लगातार लोगों को गिरफ्तार कर रही है। इसी कड़ी में मोरीगांव जिला में लगभग 60 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिला के पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार को बताया कि बाल विवाह में शामिल 60 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिला के 9 थानों में अलग-अलग विशेष टीमों का गठन किया गया है। टीम लगातार अभियान चला रही है। बाल विवाह में शामिल किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा। बाल विवाह के अलावा पोक्सो एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बाल विवाह में शामिल काजी, पंडित के अलावा अभिभावकों को भी नहीं बख्शा जाएगा।

बाल विवाह को लेकर होजाई में 99 लोगों को किया गया गिरफ्तार

होजाई (निसं)। बाल विवाह करने को लेकर असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा द्वारा कड़के रुख अपनाने का पुलिस प्रशासन को दिये निर्देश पर पूरे असम के विभिन्न जिलों के साथ साथ होजाई पुलिस थाने में भी नाबालिक लड़कियों के साथ बाल विवाह करने को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा किये गये कारवाई पर आज थाने के बाहर - भीतर शादीशुदा महिलायें अपने करीबी लोगों और बच्चों को साथ लेकर थाने में काफी हंगामा करती दिखी। ज्ञात हो कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा के कथन अनुसार आज तड़के सुबह से लोगों कि गिरफ्तरी शुरु हो गई जिसमें 255 लोगों में अब तक 99 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वही वर के न मिलने पर अभिभाव को भी गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी आज होजाई के पुलिस अधीक्षक बरुन पुरकास्थ्य ने एक संवाददाता सम्मेलन कर जानकारी दी है। साथ ही कहा कि जब तक दर्ज हुए लोगो को गिरफ्तार नही किया जाता तबतक अभियान चालू रहेगा साथ ही बालविवाह में जड़ित अभिवाहक पंडित, मौलबी, काजी, की संलिप्तता मिलने पर इन लोगो को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

जोरहाट के जेएमसीएच में नाबालिगों ने दिया 342 बच्चों को जन्म

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के निर्देश पर असम पुलिस ने शुक्रवार से राज्यभर में बाल विवाह के खिलाफ जोरदार अभियान शुरू किया है। यह अभियान उन लोगों के खिलाफ है जिनकी शादी 18 साल से कम उम्र की लड़की से हुई है। इस संबंध में पुलिस से मिले आंकड़ें और अन्य जानकारी में बेहद हैरान करने वाले तथ्य सामने आए हैं। जोरहाट में पुलिस ने बाल विवाह के 25 मामलों की सूचना दी है, लेकिन वास्तविक तस्वीर बहुत गंभीर है।जोरहाट मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जेएमसीएच) के 2022 के आंकड़ों के अनुसार, 15 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की 342 लड़कियां गर्भवती थीं और उन्होंने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इनमें से 17 साल की करीब 29 लड़कियां, 16 साल की उम्र की करीब 7 और 18 साल की 306 लड़कियां गर्भवती थीं और उन्हें पिछले साल इलाज के लिए जेएमसीएच में भर्ती कराया गया था। इनमें से ज्यादातर किशोरी जोरहाट जिला की रहने वाली थीं, कुठ माजुली जिला की भी लड़कियां इनमें शामिल हैं। असम के स्वास्थ्य विभाग के पास 18 साल से कम उम्र की गर्भधारण करने वाली किशोरियों का पूरा डेटा है। बाल विवाह के फलस्वरूप इनमें से अधिकांश किशोरियों को गर्भधारण कर मातृत्व का बोझ उठाना पड़ा है। लेकिन सरकार के पास काफी जानकारी होने के बावजूद अब सवाल उठने लगे हैं कि पुलिस की छापेमारी के लिए इन मामलों का स्रोत क्या है। क्या सरकार और पुलिस स्वास्थ्य विभाग के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर छापेमारी कर रही है।

गिरफ्तार वन माफिया न्यायिक हिरासत में

चराईदेव (हि.स.)। चराईदेव जिला के बरहाट इलाके में जयपुर आंचलिक वन विभाग की टीम ने अभियान चलाकर अवैध लकड़ी के कारोबार में शामिल एक वन माफिया को गिरफ्तार किया है। वन विभाग ने शुक्रवार को बताया कि तिनसुकिया जिला के कई अवैध कारोबारियों के निर्देश पर बरहाट टेयाकिया गांव के साकाय आरांगघाम (51) दिहिंग पाटकाई राष्ट्रीय उद्यान से बेशकीमती पेड़ काटकर बेचा करता था। जिसकी सूचना मिलते ही जयपुर आंचलिक वन विभाग और नामरूप खंड वन विभाग की टीम ने अवैध लकड़ी के कारोबार में शामिल साकाय आरांगघाम को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की निशानदेही पर पुलिस तिनसुकिया के तीन अवैध वन माफियाओं को पकड़ने के लिए अभियान चला रही है। गिरफ्तार आरोपित को आज न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायालय ने 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन 25 मार्च से

गुवाहाटी (नसं)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन का सोलहवां प्रांतीय अधिवेशन सम्मेलन की कामरूप शाखा के आतिथ्य में आगामी 25 और 26 मार्च को फैंसी बाजार स्थित तेरापंथ भवन में आयोजित किया जाएगा। प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल ने उक्त घोषणा करते हुए कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा द्वारा अधिवेशन आयोजित करवाने के लिए आतिथ्य शाखा का दायित्व ग्रहण करने संबंधी प्रस्ताव पर विचार करके शाखा के अनुरोध को स्वीकृति प्रदान की गई। इस विषय पर कामरूप शाखा के अध्यक्ष विनोद लोहिया की अध्यक्षता में कामरूप शाखा कोर कमेटी की एक विशेष बैठक आयोजित कर आगामी अधिवेशन पर चर्चा करते हुए शाखा के संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र को स्वागताध्यक्ष के रूप में चयन किया गया।इसके अलावा पूर्व शाखा अध्यक्ष पवन जाजोदिया को स्वागत मंत्री के रूप में तथा सीए संजय घिरिया को कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। इसके अलावा पूर्व शाखा अध्यक्ष निरंजन सिकरिया और पूर्व शाखा मंत्री मनोज काला को उप स्वागताध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।सम्मेलन की पूर्वोत्तर स्थित सभी मंडल के उपाध्यक्ष को उनकी सहमति से स्वागत अध्यक्ष बनाया जाने का प्रस्ताव भी लिया गया। यह अधिवेशन समरसता पर्व के नाम से आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उक्त नामकरण सम्मेलन की डिब्रूगढ शाखा के आतिथ्य में होने वाले अधिवेशन के लिए निश्चित किया गया था। मगर कोरोना संक्रमण काल के चलते यह अधिवेशन डिब्रूगढ़ में आयोजित नहीं हो सका था। अधिवेशन को सुचारू रूप से चलाने के लिए कई उप समितियों का गठन भी किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय मुखपत्र सम्मेलन समाचार को अधिवेशन विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ ने सात गायों को किया रेस्क्यू

करीमगंज (हि.स.)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत के करीमगंज जिले से लगने वाली उत्तर करीमगंज अंतर्राष्ट्रीय सीमा से एक बार फिर तस्करी कर बांग्लादेश भेजी जा रहीं सात गायों को बरामद किया है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि बीएसएफ की 16वीं वाहिनी के जवानों ने गुरुवार रात उत्तर करीमगंज के सेरूलभाग सीमा से गायों को रेस्क्यू किया। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक बचाए गए मवेशियों का बाजार मूल्य 2.10 लाख रुपए है। बताया गया है कि गुप्त सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर बीएसएफ के लक्ष्मीबाजार बीओपी के जवानों ने बीती रात सीमा क्षेत्र में छापेमारी की। उसके बाद देर रात सेरूलभाग की सीमा से मवेशियों को रेस्क्यू कर लिया गया। बाद में कानूनी कार्रवाई के लिए मवेशियों को बीएसएफ ने स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया।

बाल विवाह के खिलाफ पुलिस कार्रवाई में 12 गिरफ्तार

नगरबेड़ा (निसं)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्वशर्मा के निर्देश के बाद, पुलिस ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी शुरू की है। नगरबेड़ा पुलिस ने रात में क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर छापे मारे और चार-चार व्यक्तियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान जामलाई रूपहारा के ताजमल हक, कल्याणपुर के नूर हुसैन, पलाहरतरी के फखरुद्दीन और आवेद आली के रूप में हुई। गिरफ्तार किए गए सभी लोग पति के अभिभावक हैं। इसके अलावा वरपेटा जिले के आलोपति पुलिस थाने का अतंर्गत छोरहाब आली,नुरुल इस्लाम,आबू स्वाहा,रमिउल हक,आबु बक्कर सिद्दीक को यहां छापेमारी में पुलिस ने बाल विवाह के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो बच्चे की शादी करने वाले पति हैं, दो काजी हैं और एक अभिभावक है। उधर, कासुमारा थाने की पुलिस ने बाल विवाह के मामले में रात में छापेमारी कर चार-चार लोगों को गिरफ्तार किया। अभियान में पति समेत तीन अभिभावक को गिरफ्तार किया गया। हिरासत में लिए गए पति काशिमपुर के नबीर हुसैन और अभिभावक शिमुलबाड़ी के आहेर आली, अफजलुर्रहमान और आजीजुल हक हैं। पता चला कि गिरफ्तार किया जाने वाले सबको जेल में भेजा गया।

बिमला प्रसाद चलिहा महाविद्यालय नगरबेड़ा का तीन दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र नगरबेड़ा के अग्रणी उच्च शिक्षण संस्थान बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज का स्वर्ण जयंती समारोह 4 फरवरी कार्यक्रम के साथ शुरू होगा. कॉलेज अपनी 50वीं वर्ष पार कर चुका है ।स्वर्ण जयंती महोत्सव के समापन समारोह का द्वार उद्घाटन नगरबेड़ा आंचलिक मौजा कमेटी के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी 4फरवरी सुबह 8-45 बजे करेंगे. समारोह समिति के अध्यक्ष श्यामाचरण ठाकुरिया, प्राचार्य डॉ. कमलचंद्र पाठक एवं क्षेत्र के 50 गणमान्य व्यक्ति क्रमशः सुबह 9 बजे स्वर्ण जयंती महोत्सव का ध्वज व महाविद्यालय का 50 ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद पौधरोपण, शहीदों का तर्पण, महाविद्यालय के संस्थापकों को श्रद्धांजलि, सांस्कृतिक जुलूस, छात्रों और शिक्षकों और कर्मचारियों का जमावड़ा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर व्याख्यान और छात्रों की व्यावसायिक शिक्षा और 5.30बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। 5 फरवरी, दूसरे दिन सुबह 9 बजे पूर्व छात्रों और शिक्षकों और कर्मचारियों की आमने-सामने बैठक। दोपहर 3 बजे कवि सम्मेलन व शाम 5-30 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। अंतिम दिन 6 तारिख सुबह 9बजे इन्डर स्टेडियम का द्वार खुला जाएगा और स्वर्नजंयती समारोह आयोजन समिति के प्रमुख श्वामाचरण ठाकुरिया के अध्यक्षता में दोपहर में खुली बैठक होगा।सभा में असम सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ रोनुज पेगु, संसदीय परिक्रमा,जलसम्पद मंत्री पीयूष हजारिका,असम सरकार के शिक्षा विभाग के सलाहकार ननीगोपाल महंत,पलाश बारी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक हेमांग ठाकुरिया, वको निर्वाचन क्षेत्र के विधायिका नंदिता दास, पूर्व विधायक गोपिनाथ दास, ज्योति प्रसाद दास, कामरूप जिले की आयुक्त कीर्ति जल्ली, मणिमाला दास और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति अतिथि के रूप में मौजूद रहेगा। सभा में स्वर्ण जयंती समारोह उपलक्ष्य में प्रकाश पाये जाने वाले स्मृति ग्रंथ उन्मोचन करेंगे शिक्षा विभाग के सलाहकार ननी गोपाल महंत ने। सभा अंत में सान्निध्य भूंआ के संगीत अनुष्ठान होगा। स्वर्ण जयंती समारोह उत्सव सफल करने के लिए सर्वस्तर के जनगणन, छात्र-छात्रा, शिक्षक -कर्मचारी को मोजुदगी और सहायता सहयोग दिलसे मांग किया आयोजक समिति ने।

हो रही हैं गिरफ्तारियां मुसलमानों को सताने के लिए हैं : अजमल

गुवाहाटी (निसं)। आल इंडिया यूनाईटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने बाल विवाह के खिलाफ व्यापक मुहिम के तहत असम पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारियों के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा पर निशाना साधा और कहा कि यह कदम राज्य के मुसलमानों को सताने के लिए उठाया गया है। के साथ बातचीत में असम के धुबरी से सांसद अजमल ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री साहब कभी-कभी अचानक ख्वाब देखते हैं कि बहुत दिन हो गया मैंने मुसलमानों को नहीं सताया। तो वह नींद से उठते हैंज्और शुरु कर देते हैं कि किन-किन योजनाओं से मुसलमानों को सता सकते हैं। मालूम हो कि असम पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ व्यापक मुहिम के तहत शुक्रवार को अब तक 1,800 लोगों को गिरफ्तार किया है। अब तक सबसे अधिक 136 गिरफ्तारियां धुबरी से हुई हैं जहां सबसे अधिक 370 मामले दर्ज हुए हैं। इसके बाद बारपेटा में 110 और नागांव में 100 गिरफ्तारियां हुई हैं। अजमल ने कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत 2007 में ही बाल विवाह को दंडनीय अपराध बनाया गया था लेकिन सरकार (असम) ने इसे लेकर एक दिन के लिए भी कोई अभियान नहीं चलाया। उन्होंने कहा कि अब सरकार गिरफ्तारी कर रही है। पता चलेगा कि इसमें 90 प्रतिशत लड़के-लड़कियां मुसलमान होंगे। ये एक तरफा गिरफ्तारी करेंगे। ये हमें मालूम है। इनका मिजाज मुसलमान विरोधी है। भाजपा है आरएसएस है। इसलिए इनके ऊपर दबाव होगा। एआईयूडीएफ अध्यक्ष ने कहा कि इस तरीके से गिरफ्तारी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को कम से कम पूरे असम में 30-40 दिन तक अभियान चलाना चाहिए था, मीडिया के जरिए लोगों को बताना था और जागरूकता फैलाना था। उन्होंने कहा कि कम से कम लोगों को चेतावनी देते आप। उसके बाद फिर आप कार्रवाई करते। जिन लोगों की पहले शादियां हो चुकी हैं, उन लोगों का क्या करेंगे आप ऐसे पकड़ते रहेंगे तो लाखों की संख्या में लोग गिरफ्तार हो जाएंगे। ये तो गलत बात है। उन्होंने कहा कि एक तारीख तय करते। कोई वार्निंग नहीं, कोई अभियान नहींज सिर्फ इसलिए कि मुसलमानों को सताना है, वो करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी में एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों को बताया कि राज्य भर में शुक्रवार सुबह से मुहिम शुरू की गई और यह अगले तीन से चार दिन तक जारी रहेगी। राज्य मंत्रिमंडल ने 23 जनवरी को यह फैसला किया था कि बाल विवाह के दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा और साथ ही व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। इस घोषणा के एक पखवाड़े से भी कम समय में पुलिस ने बाल विवाह के 4,004 मामले दर्ज किए हैं। अजमल ने कहा कि कम उम्र में लड़कियों की शादी के वह स्वयं सख्त विरोधी हैं और अपने संसदीय क्षेत्र में इसे लेकर अभियान भी चलाते रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि इस मसले पर उनका आगे क्या रुख रहेगा, एआईयूडीएफ नेता ने कहा कि वह इस बारे में अपने लोगों से राय मश्विरा करने के बाद ही कुछ कदम उठाएंगे।

रंगिया : बाल विवाह के खिलाफ पुलिस का अभियान

रंगिया (निसं)। बाल विवाह के खिलाफ सरकार ने अब कड़ा रुख अपनाया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के कठोर निर्देश के तहत राज्य के अन्य क्षेत्रों के अलावा रंगिया तथा इसके आसपास के आंचलों में भी बाल विवाह के विरुद्ध पुलिस का अभियान जारी है। वहीं पुलिस ने इस क्षेत्रों से अबतक कुल 14 लोगों को पकड़ा है। जिसमें 5 अवैध पतियों के अलावा बाल विवाह से जड़ित परिवारों के सदस्य शामिल है। इनमें रंगिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत 10, डिमु डोबक पुलिस चौकी के अंतर्गत 2 और तुलसीबारी पुलिस चौकी इलाके के अंतर्गत 2 लोग शामिल है। वहीं पुलिस के अभियान की खबर पाकर अन्य 5 लोगों के मौके से फरार होने की जानकारी प्राप्त हुई है।

मोदी को कमजोर और बीमार पश्चिम बंगाल की ज्यादा परवाह: दिलीप घोष

कोलकाता, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कमजोर और बीमार पश्चिम बंगाल की अधिक खेलता है और वे इस राज्य की अधिक परवाह करते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से अन्य राजनीतिक दलों की ओर से भाजपा पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के मद्देनजर आवास योजना सहित अन्य केंद्रीय योजनाओं के लिए आवंटित राशि बढ़ाकर अल्पसंख्यकों को रिझाने की कोशिश कर रही है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व सांसद दिलीप घोष शुक्रवार सुबह की फ्लाइट से अगरतला के लिए रवाना हुए। इससे पहले हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बात करते हुए पश्चिम बंगाल से जुड़े कई मुद्दों पर टिप्पणियां की। उन्होंने अन्य राजनीतिक दलों की ओर से भाजपा पर अल्पसंख्यकों को सरकारी योजनाओं से रिझाने की कोशिशों के आरोप के विषय में कहा कि पश्चिम बंगाल की स्थिति दयनीय है। लेकिन इस्के बावजूद यहां के लोग टैक्स देते हैं। केंद्र सरकार सबकी सरकार है। सबका साथ, सबका विकास। पश्चिम बंगाल सभी लाभों से वंचित रहेगा क्योंकि उसने ममता को वोट दिया, यह मोदी की नीति नहीं है। जो बच्चा कमजोर होता

है, मां उसकी ज्यादा परवाह करती है। मोदी को कमजोर और बीमार पश्चिम बंगाल की ज्यादा परवाह है। भाजपा सांसद ने आगे कहा कि यह सोचने वाली बात है। इस राज्य में 30 प्रतिशत लोग अल्पसंख्यक हैं। आजादी के 75 सालों में उन्हें क्या मिला है? वे भी आज इस बारे में सोच रहे हैं। ये 30 प्रतिशत लोग पिछड़े रहेंगे तो राज्य कैसे आगे बढ़ेगा? देश भर में अल्पसंख्यकों के विकास के लिए मोदी जी कितनी योजनाएं बना रहे हैं। गरीब कल्याण योजना से सबसे ज्यादा लाभ गरीब अल्पसंख्यकों को मिला है। वे पश्चिम बंगाल में वंचित हैं। उन्हें यहां भाजपा के नाम से डराया जाता है। वे इतने लंबे समय तक शिक्षा और स्वास्थ्य से वंचित रहे। बम बंदूकें उन्हें जानबूझकर सौंपी गई हैं।

अब उन्हें सोचना है कि मोदी से लाभ लेना है या दीदी के साथ बेचारा जीवन जिएंगे। मालदा में मिड-डे मील में बच्चों को बासी सड़े चावल दिये जाने पर उन्होंने राज्य सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि यह घटना बेहद है दुर्भाग्यजनक है। बच्चे हमारा भविष्य हैं। केंद्र मिड-डे मील पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। ताकि गरीब बच्चे स्कूल में पढ़ने आएं। उन्हें बचा हुआ और सड़ा हुआ खाना खिलाया जा रहा है। वह किस तरह के लोग हैं जो छोटे बच्चों के साथ ऐसा करने से जरा भी नहीं हिचक रहे हैं। ऐसे में जब केंद्रीय दल इन आरोपों की जांच करने के लिए आता है तो उसका विरोध किया जाता है। वही लोग इसका विरोध कर रहे हैं जो बच्चों को सड़ा हुआ खाना खिलाते हैं। ऐसे ही असामाजिक तत्व आज तृणमूल नेता हैं। उनसे किसी तरह की इंसानियत या भलाई की उम्मीद नहीं की जा सकती। तो इस तरह की बात होती रहती है। अचानक यूनेस्को ने कोलकाता में मार्च निकाला। आरोप है कि इस मार्च में वाहनों में सौ दिन रोजगार के तहत काम करने वाली महिलाओं को लाया गया था। इस मामले में दिलीप घोष ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि बड़े-बड़े काम छल-कपट से नहीं होते। इन दिनों जहां भी तृणमूल मार्च होता है, इन सौ दिहाड़ी मजदूरों, मिड-डे मिलर्स या सिविक वॉलिंटियर को लाया जाता है। ये उनके अपने लोग हैं। उनका उपयोग किया जा रहा है। वे भी इसे समझ गए हैं। इसलिए वे अब सरकार पर नजर रखते हुए डीए व अन्य मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं। यूनेस्को एक जाल में फंस गया है। राज्य सरकार इस के नाम पर लोगों को बेवकूफ बना रही है।

शुभेंदु अधिकारी को हाई कोर्ट से राहत, चाइल्ड कमीशन की नोटिस पर रोक

कोलकाता, (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को कलकत्ता हाईकोर्ट से शुक्रवार को बड़ी राहत मिली है। अपने एक ट्वीट में "कोयला भतीजा" और उनके बेटे को लेकर गंभीर आरोप लगाए जाने के मामले में राज्य महिला आयोग की नोटिस पर उच्च न्यायालय ने तीन हफ्ते के लिए रोक लगा दी है।। न्यायाधीश न्यायमूर्ति की मौसुमी भट्टाचार्य ने कहा कि एक ट्वीट के आधार पर किसी को बाल सुरक्षा आयोग का नोटिस मिले यह ठीक नहीं है। कोर्ट सही समय पर उचित फैसला लेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले साल शुभेंदु अधिकारी ने एक ट्वीट किया था जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम लिए बगैर दावा किया था कि कोलकाता के एक फाइव स्टार होटल में

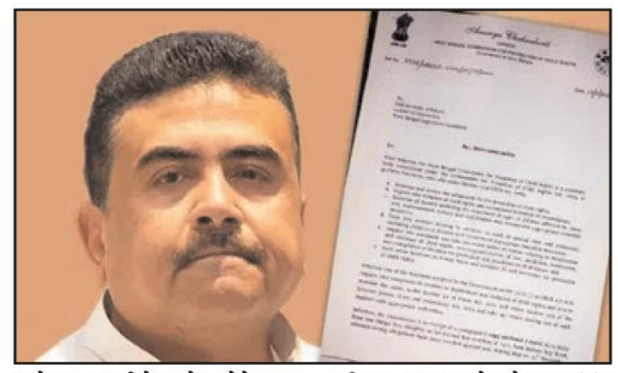

"कोयला भतीजे" के बेटे का जन्मदिन समारोह मनाया गया है। हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ था कि उस होटल में कोई ऐसा कार्यक्रम ही नहीं हुआ था। अभिषेक के जिस बेटे का जिक्र उन्होंने किया वह पांच साल से कम उम्र का है हालांकि शुभेंदु ने अपने ट्वीट में अभिषेक का नाम नहीं लिया था। बावजूद इसके राज्य बाल अधिकार रक्षा आयोग ने इस संबंध में उन्हें नोटिस भेज दिया था। इस पर शुभेंदु ने आयोग से पूछा था कि पहले अपने नोटिस में स्पष्ट करें कि मैंने कोयला भतीजा लिखा है तो इससे बाल सुरक्षा आयोग किस व्यक्ति के बेटे के बारे में समझ रहा है? बाद में शुभेंदु ने इस नोटिस को रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

भाजपा विधायक के संपर्क में थे आईएसएफ नेता नौशाद, वॉट्सऐप चैट आया सामने

कोलकाता, (हि.स.)। सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दफ्तर और कोलकाता में पुलिस पर हमले के आरोप में गिरफ्तार इंडियन सेकुलर फ्रंट (आईएसएफ) विधायक नौशाद सिद्दीकी का एक व्हाट्सएप चैट वायरल हुआ है। इसमें वह भाजपा विधायक एवं विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक मनोज टिग्गा से मैसेज में बात कर रहे हैं। इसमें रुपये के लेनदेन और कई अन्य बातों का जिक्र है जिसके आधार पर उन पर हवाला कारोबार में संलिप्तता के आरोप लग रहे हैं। भाजपा ने भी स्वीकार किया है कि मनोज टिग्गा और नौशाद सिद्दीकी के बीच बातचीत हुई है । वरिष्ठ भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि भाजपा नेता का किसी अन्य पार्टी के नेता से बात करने में कोई बुराई नहीं है। हालांकि उन्होंने किसी भी तरह के अवैध लेनदेन या षडयंत्र से इनकार किया है। इस संबंध में एक दिन पहले अलीपुर बॉडीगार्ड लेन में एक कार्यक्रम में पहुंचे कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने कहा कि जो

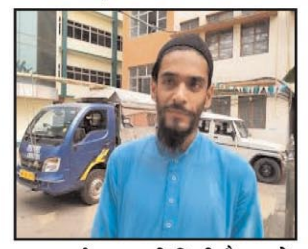

महत्वपूर्ण जानकारी मिली है, उसके आधार पर जांच की जा रही है। लालबाजार के सूत्रों के मुताबिक, 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले आईएसएफ नेता नौशाद सिद्दीकी ने भाजपा के एक शीर्ष नेता समेत कई नेताओं से बातचीत की। ऐसे भी संकेत हैं कि नौशाद को भाजपा के एक शीर्ष नेता ने चुनाव से पहले मतदान प्रक्रिया में शामिल राज्य के कुछ अधिकारियों के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा था। उस शिकायत के आधार पर भाजपा नेताओं ने वादा किया था कि वे दिल्ली जाकर मामला रखेंगे और चुनाव आयोग के माध्यम से चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस के लिए काम करने वाले पदाधिकारियों को हटाया जाएगा। नतीजतन, लालबाजार के जांच अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि चुनाव से पहले प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को हटाने के पीछे नौशाद की "सिफारिश" तो नहीं है। लालबाजार के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें इस बात के सबूत मिले हैं कि नौशाद ने कई राजनीतिक दलों के नेताओं से व्हाट्सएप पर चैट किये हैं। भाजपा के केंद्रीय नेता जो विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के प्रभारी थे, उनसे भी संदिग्ध बातचीत हुई है। उक्त अधिकारी का इशारा भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय की ओर था। चुनाव से पहले खुफिया पुलिस को हवाला के जरिए नौशाद और आईएसएफ के अन्य नेताओं के खातों में बड़ी धनराशि के लेन-देन के सबूत मिले हैं। यह पैसा विदेश से किसने भेजा इसकी जांच शुरू हो गई है। यहां तक कि कोलकाता पुलिस की खुफिया टीम इस बात की भी जांच कर रही है कि इसका संबंध भाजपा नेताओं से है या नहीं।

देश में 2021-22 के दौरान फ्लाइट में तकनीकी खराबी की 1090 घटनाएं हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में वर्ष 2021 और 2022 के दौरान विभिन्न विमानों में तकनीकी खराबी की कुल 1090 घटनाएं दर्ज की गई हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार अग्रणी वाहक इंडिगो के पास सबसे अधिक बाजार हिस्सेदारी है जिसमें तकनीकी खराबी के 394 मामले दर्ज किए गए जबकि स्पाइसजेट एयरलाइन में पिछले दो वर्षो के दौरान 313 ऐसे मामले आए। गौरतलब है कि इंडिगो के बेड़े में 300 विमान हैं जबकि स्पाइसजेट के बेड़े में करीब 100 विमान हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को लोकसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि विमानों के संचालन के दौरान तकनीकी खराबी का अनुभव होता है। ये विमान में फिट किए गए सिस्टम या उपकरण या घटकों के अनुचित कामकाज/खराबी के कारण हो सकते हैं। कुछ तकनीकी बाधाओं के लिए उड़ान के चालक दल को कार्रवाई

करने की जरूरत हो सकती है जैसे कि एयर टर्न बैक निरस्त टेक-ऑफ या ऑपरेशन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इधर-उधर जाना और आमतौर पर गंभीर घटनाओं/दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लिया जाता है। विमान के आगे संचालन से पहले निमार्ता द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन के आधार पर ऑपरेटर तकनीकी खराबी को ठीक करने के लिए कार्रवाई करते हैं। उत्तर में बताया गया है कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) यह सुनिश्चित करता है कि एयरलाइन और रखरखाव संगठन के खिलाफ नियामक आवश्यकताओं का पालन करना जारी रखें जिसे सर्विलांस ऑडिट स्पॉट चेक नाइट सर्विलांस आदि की एक प्रणाली के माध्यम से शुरू में अनुमोदित किया गया है और गैर-अनुपालन के मामले में डीजीसीए सुनिश्चित करता है कि सुधार एयरलाइंस या रखरखाव संगठन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय ने सूचित किया डजीसीए उल्लंघन पाए जाने पर संगठन/कार्मिकों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई शुरू करता है जिसमें वित्तीय जुमार्ना लगाने के अलावा चेतावनी निलंबन और निकालना शामिल हो सकता है।

78 मंत्रालयों में 10 लाख रिक्तियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने बताया कि केंद्र सरकार के 78 मंत्रालयों और विभागों में 9.79 लाख से अधिक रिक्तियां हैं। इनमें से रेलवे में 2.93 लाख रक्षा (सिविल) में 2.64 लाख और गृह मंत्रालय में 1.43 लाख रिक्तियां हैं। राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी के सदस्य सुशील कुमार मोदी की ओर से पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रोजगार देने के लिए सरकारी पहल पर रोजगार मेला कार्यक्रम जारी है तथा एक वर्ष की अवधि में यह 10 लाख युवाओं को लाभकारी सेवा के अवसर प्रदान करने के अलावा रोजगार और स्वरोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। सिंह ने कहा कि देश भर में रोजगार मेला कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और युवाओं को विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों विभागों केंद्रीय सार्वजनिक

क्षेत्र के उपक्रमों और स्वायत्त निकायों में नियुक्त किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि एक राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी का गठन किया गया है और उसने सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए केंद्र के साथ-साथ राज्यों में भर्ती प्रणालियों का विस्तृत अध्ययन किया है।

दिल्ली की हवा और तापमान में सुधार

- सुबह न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस, एक्यूआई 198

अजय कुमार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को आसमान मुख्य तौर पर साफ रहने के साथ ही अधिकतम तापमान के 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस अधिकारी के मुताबिक सुबह न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। महानगहर में

सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 83 फीसदी रही। सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 198 दर्ज किया गया। यह मध्यम श्रेणी में आता है।

581 करोड़ रुपए की हानि को दिखावटी लाभ में बदला गया : ईडी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। ईडी ने आबकारी नीति मामले में दायर अपने पूरक आरोपपत्र में दावा किया है कि दिल्ली सरकार ने निजी थोक विक्रेताओं (एल-1 लाइसेंस धारक) को 12 प्रतिशत का मार्जिन देकर करीब 581 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान किया है। चार्जशीट के मुताबिक आईएएस रवि धवन की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति की अनदेखी कर उन्हें यह 12 फीसदी कमीशन दिया गया। ईडी ने दावा किया कि नुकसान को आरोपी मैसर्स इंडो स्पिरिट्स सहित थोक विक्रेताओं के दिखावटी मुनाफे में बदल दिया गया था जिसका इस्तेमाल साउथ ग्रुप द्वारा अग्रिम रूप से भुगतान की गई रिश्वत की वसूली के लिए किया गया था। चार्जशीट में कहा गया है कि विजय नायर को किकबैक के निरंतर भुगतान के लिए निजी थोक विक्रेताओं को 12 प्रतिशत का मार्जिन दिया गया था जो तत्कालीन आबकारी आयुक्त रवि धवन की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के विपरीत था। चार्जशीट में कहा गया है कि इस तरह सरकार को 581

करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ जो सरकार द्वारा विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को स्वीकार किए जाने की स्थिति में प्राप्त हो सकता था मगर आप नेताओं के व्यक्तिगत खजाने को भरने के लिए निजी खिलाड़ियों को सौंपा गया था। ईडी ने चार्जशीट में यह भी दावा किया है कि साउथ ग्रुप प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से नौ रिटेल जोन को नियंत्रित करता है जिसमें सरथ रेड्डी के पांच रिटेल जोन शामिल हैं। कुछ मामलों में नियंत्रण प्रक्रिया के लिए ईएमडी (बयाना जमा) के वित्तपोषण प्रत्यक्ष निवेश रिश्तेदार-डमी-प्रॉक्सी के माध्यम से था। इंडो स्पिरिट्स के थोक व्यापार से प्राप्त होने वाले प्रत्यक्ष लाभ के अलावा साउथ ग्रुप द्वारा अग्रिम रूप से भुगतान किए गए किकबैक की वसूली के लिए कार्य प्रणाली इंडो स्पिरिट्स के थोक से खुदरा बिक्री तक बकाया के रूप में पैसा चार्जशीट में कहा गया है कि साउथ ग्रुप इस समझ के साथ कि बकाया की वसूली नहीं की जानी थी और खाते की किताबों में राशि को वसूली योग्य दिखाया जाएगा। ईडी ने दावा किया कि सरथ रेड्डी की नियंत्रित संस्थाओं पर इंडो स्पिरिट्स का 60 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है जिसे बकाया के रूप में दिखाया गया है लेकिन साजिश के तहत बरामद नहीं किया जाना था।

ईस्ट वेस्ट मेट्रो परियोजना के लिए आवंटित राशि में हुई बढ़ोतरी

कोलकाता, (हि.स.)। वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार की ओर से पेश किए गए बजट में कोलकाता मेट्रो रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड को अतिरिक्त एक हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि इससे मेट्रो रेल के विभिन्न परियोजनाओं के काम में तेजी आनी चाहिये। बावजूद इसके ईस्ट वेस्ट मेट्रो परियोजना काम पूरा होगा या नहीं, यह प्रश्न जस का तस बना हुआ है। ऐसा इस लिए क्योंकि साल्टलेक के सेक्टर पांच से सियालदह तक मेट्रो शुरू हो गया है, लेकिन हावड़ा मैदान से हावड़ा स्टेशन होते हुए धर्मतल्ला तक जाने वाली ईस्ट वेस्ट मेट्रो का काम 70 फीसदी ही हुआ है। बाकी का काम रेलवे इसी वर्ष समाप्त करना चाहता है, पर इस काम को पूरा करने के बीच बहुबाजार के मकानों में दरार की समस्या बाधक बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि 2022-23 में केंद्र सरकार ने ईस्ट-वेस्ट मेट्रो के आवंटन में एक हजार एक सौ करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की

थी। हावड़ा मैदान से सेक्टर पांच तक का पूरा प्रोजेक्ट दिसंबर 2022 माह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन बहुबाजार की वजह से ऐसा नहीं हो सका । चालू वित्त वर्ष में यह बढ़कर एक हजार करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, जोका-धर्मतला और न्यू गड़िया-एयरपोर्ट मेट्रो कॉरिडोर के लिए क्रमशः 1,350 करोड़ और 1,200 करोड़ रुपये बजट में आवंटित किए गए हैं लेकिन व्यक्तिगत रूप से कोलकाता मेट्रो परियोजना के लिए यह सबसे बड़ा आवंटन है। इस संबंध में मेट्रो रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कौशिक मित्रा ने कहा कि हमें उम्मीद है कि जितना आवंटित किया गया है, उससे पूरा काम पूरा हो जायेगा।

आतंकी हमले की धमकी मिलने के बाद मुंबई में पुलिस सतर्क

मुंबई, (हि. स.)। मुंबई में आतंकी हमले की धमकी मिलने के बाद पुलिस सतर्क हो गई है और शहर के मुख्य ठिकानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुंबई पुलिस आतंकी धमकी देने वालों की छानबीन कर रही है। सूत्रों के अनुसार नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की मेल आईडी पर आतंकी धमकी वाला ईमेल मिला था। इसके बाद एनआईए ने देश के सभी शहरों को अलर्ट कर दिया गया। एनआईए ने इस संबंध में मुंबई पुलिस के कंट्रोल रुम को गुरुवार को रात बारह बजे अलर्ट की सूचना भेज दिया था। एनआईए को मिले ईमेल करने वाले ने उल्लेख किया है कि वह तालिबान और तालिबान संगठन के मुख्य नेता सिराजुद्दीन हक्कानी के आदेश पर काम कर रहा है। ईमेल में

मुंबई सहित कई शहरों में आतंकी हमले की धमकी दी गई है। इस मेल के मिलने के बाद पूरा जांच तंत्र काम करने लगा है। पुलिस यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि यह मेल कहां से और किसने भेजी है, यह कोई शरारती किस्म के तत्व तो नहीं है। इसके अलावा मुंबई पुलिस ने सार्वजनिक जगहों, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन समेत कई स्थानों पर जांच के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। इससे पहले पिछले महीने भी एक शख्स ने मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को फोन किया था और शहर में अलग-अलग जगहों पर बम विस्फोट करने की धमकी दी थी। इसकी भी छानबीन मुंबई पुलिस ने की थी, लेकिन यह फोन फेक साबित हुआ था।

अमूल दूध हुआ महंगा, कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। अमूल दूध के मूल्य में वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने शुक्रवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि यह सरकार दूध के दाम तक को नियंत्रित नहीं कर पा रही है। सांसद चौधरी ने कहा कि लगातार दूध के दाम बढ़ाए जाने से लोग दुखी हैं। मोदी सरकार को देश के बच्चों की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर यह सरकार बच्चों के प्रति संवेदनशील होती तो बढ़ते दूध के दामों को नियंत्रित करने

के लिए कोई कदम जरूर उठाती। उल्लेखनीय है कि अमूल ने अमूल ने पाउच दूध (सभी वेरिएंट) की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है।

दुनिया के सबसे अमीरों की सूची में टॉप 20 से भी बाहर हुए गौतम अडाणी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज उद्योगपति गौतम अडानी के लिए साल 2023 काफी मुश्किलों भरा साबित हो रहा है। एक समय ऐसा भी था जब यह कयास लगाए जा रहे थे कि गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच सकते हैं। वहीं अब हाल यह है कि गौतम अडानी अमीरों की लिस्ट में टॉप 10 तो छोड़िए टॉप 20 में भी कहीं नहीं हैं। अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने गौतम अडानी को तगड़ा झटका दिया है। अडानी ने पिछले साल 44 अरब डॉलर की कमाई की थी लेकिन पिछले पांच दिनों में वह इससे ज्यादा रकम गंवा चुके हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक इस साल अडानी अब तक 48.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ गंवा चुके हैं। अडानी ग्रुप के सभी दस शेयरों में बीते दिनों भारी गिरावट भी देखने को मिली थी। इससे अडानी को एक ही दिन में 12.5 अरब डॉलर का फटका लगा था और उनकी नेटवर्थ 72.1 अरब डॉलर रह गई थी। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में लगातार नीचे खिसकते जा रहे हैं। इसी के साथ ही एशिया में भी उनकी बादशाहत छिन गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी एक बार फिर एशिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। अमेरिकी इनवेस्टमेंट रिसर्च फर्म और शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप के कई शेयर 60 फीसदी तक नीचे जा चुके हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के टॉप 10 अरबपतियों की लिस्ट में इसी वजह से गौतम अडानी सीधे 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस साल यानी 2023 की बात करें तो गौतम अडानी की संपत्ति 59.2 अरब डॉलर कम होकर 61.3 अरब डॉलर रह गई है। एक सप्ताह में ही अडानी को 52 अरब डॉलर का बड़ा झटका लगा है। पिछले साल की बात करें तो दुनिया के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में केवल दो भारतीयों की दौलत बढ़ी थी। इसमें गौतम अडानी और मुकेश अंबानी शामिल थे। अडानी कमाई के मामले में नंबर एक पर रहे थे। एलन मस्क और जेफ बेसोस समेत अमेरिकी अरबपतियों के लिए साल 2022 अच्छा साबित नहीं हुआ था। हालांकि अब इनके लिए अच्छे दिन शुरू हो गए हैं और गौतम अडानी के खराब दिन चल रहे हैं। साल 2023 की बात करें तो एलन मस्क ने अब तक 36.5 अरब डॉलर की कमाई की है। कमाई के मामले में पहले नंबर पर हैं। बर्नाॅर्ड अर्नाल्ट 30.7 अरब डॉलर और जेफ बेजोस 29.3 अरब डॉलर की नेटवर्थ बढ़ा चुके हैं। मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति भी 24.1 अरब डॉलर पिछले एक महीने में बढ़ी है। बर्नाॅर्ड अर्नाल्ट अब अमीरों की सूची में पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। हालांकि फोर्ब्स की सूची में गौतम अडानी को नेटवर्थ के मामले में 17वें स्थान पर दिखाया गया है। इस सूची के अनुसार गौतम अडानी की नेटवर्थ 64.2 बिलियन डॉलर बताई गई है। इधर गौतम अडानी समूह ने अपनी फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का 20 हजार करोड़ रुपये का एफपीओ भी वापस ले लिया है। अडानी ने खुद बयान जारी कर निवेशकों को ग्रुप में भरोसा बनाए रखने की अपील की है।

हरियाणा में कांग्रेस की सरकार आई तो की जाएगी पुरानी पेंशन योजना लागू: दीपेंद्र हुड्डा

-देशभर में पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग भी की

चंडीगढ़ (ईएमएस)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली के लिए राज्यसभा में नोटिस दिया। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बलों केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों की पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने की मांग को पूरा किया जाए। अर्धसैनिक बलों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का 11 जनवरी 2023 का आदेश पूरी तरह लागू हो। उन्होंने कहा कि हर राज्य में कर्मचारी लंबे समय से नई पेंशन योजना की बजाय पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार उनकी मांगों को अनसुना कर रही है। दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग की कि राजस्थान छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकारों की तर्ज पर देश भर के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू की जाए। दीपेन्द्र हुड्डा ने यह भी जोड़ा कि हरियाणा में कांग्रेस सरकार आने पर प्रदेश के सभी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन

योजना लागू की जाएगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने अपने नोटिस में कहा कि यह देश की रक्षा और सेवा में तैनात हर कर्मी और केंद्र व राज्य सरकार के तहत देश की सेवा कर रहे कर्मचारियों के हित से जुड़ा अति महत्वपूर्ण विषय है। दीपेन्द्र हुड्डा ने बताया कि अर्धसैनिक बलों की पुरानी पेंशन योजना लागू करने की इस पुरानी माँग के संबंध में हाल ही में 11 जनवरी 2023 को माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसला देते हुए सभी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को भारत संघ के सशस्त्र बल माना है और केन्द्र सरकार को दिशा-निर्देश दिया कि इन बलों में चाहे कोई आज भर्ती हुआ हो पहले कभी भर्ती हुआ हो या आने वाले समय में भर्ती होगा सभी जवान और अधिकारी पुरानी पेंशन योजना के दायरे में आने चाहिए। यही नहीं देश भर के केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों में नेशनल पेंशन सिस्टम को लेकर भारी रोष है। नई पेंशन नीति में जरूरत पड़ने पर कोई भी कर्मचारी अपना पैसा निकाल नहीं सकता जिसके कारण कठिन परिस्थितियों में उन्हें अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

पान मसाला फैक्ट्री लगी भीषण आग, एक मजदूर की मौत

कानपुर, (हि.स.)। पनकी थाना क्षेत्र में स्थित एक पान मसाला बनाने वाली फैक्ट्री में शुक्रवार की भोर पहर अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग विकराल रूप ले लिया और चपेट में आने एक मजदूर की जान चली गई। सूचना पर दमकल गाड़ियों के साथ पहुंचे अग्निशमन दल के लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। आग कैसे लगी यह जानकारी नहीं पायी है। एसीपी पनकी निशांक शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को भोर पहर सूचना मिली कि एस.एन.के पान मसाला प्लॉट नंबर वन इंडस्ट्रियल एरिया पनकी की फैक्ट्री में आग लग गई है। इस सूचना पर पुलिस बल द्वारा मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड को बुलाकर आग को बुझाया गया। आग की चपेट में आने से फैक्ट्री का एक कर्मचारी शीलू (25) पुत्र साहब लाल निवासी ग्राम बनपुरवा थाना साढ़ कानपुर नगर झुलस गया था। जिसे तत्काल उपचार के लिए हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार को सूचना दे दी गई है। परिवार के पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फायर अधिकारी के मुताबिक इस घटना में फैक्ट्री में कार्यरत एक कर्मचारी आग की चपेट में आने से मौत हो गई है। आग पर काबू पा लिया गया है। बताया कि फैक्ट्री के अंदर आग जैसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए किसी भी तरह की कोई व्यवस्था नहीं थी। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

गुरू रविदास की जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर में सेवाभाव का अद्भुत नजारा, पंडाल गुलजार

– मेला क्षेत्र में मिनी भारत का नजारा, गूंज रही अमृतवाणी, लंगर हाल में कतार

वाराणसी, (हि.स.)। संत शिरोमणि रविदास की जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर में सेवाभाव का चहुंओर नजारा दिख रहा है। गुरू की 646वीं जयंती समारोह में भाग लेने के लिए रविदासिया धर्म के अनुयायी लगातार पहुंच रहे हैं। पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, बिहार, उत्तर प्रदेश के श्रद्धालुओं से पंडालों में रौनक दिखने लगी है। जन्मस्थली पर पंडाल और लंगर हाल में व्यवस्था में जुटे सेवादारों के साथ श्रद्धालु भी पूरा सहयोग कर रहे है। ट्रस्टी केएल सरोये के अनुसार लाखों लोगों के खाने का समुचित इंतजाम लंगर में किया गया है। लंगर और रसोई की व्यवस्था के लिए सेवादार लगे हुए हैं। उधर, श्रद्धालुओं के चलते पूरे मेला क्षेत्र में मिनी भारत सा नजारा है। अमृतवाणी का पाठ गूंजने लगा है। सुबह शाम महिलाओं के जत्थे अपने-अपने शिविर में संकीर्तन कर रही है। मंदिर ट्रस्ट ने भीड़भाड़

को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर मंदिर परिसर में 24 और पंडालों के मुख्य मार्गों और उसके चारों तरफ सीसीटीवी कैमरे लगवाये है। सीसीटीवी कैमरे का कंट्रोल रूम रविदास मंदिर और पंडाल क्षेत्र में पुलिस कंट्रोल रूम में बनाया गया है। मंदिर के आसपास के इलाकों में मेले जैसा नजारा है। सड़क के दोनों ओर अस्थाई दुकानें सजने लगी है। श्रद्धालु महिलाएं चूड़ी, बिंदी से लेकर साड़ियों व अन्य घरेलू सामानों की खरीदारी भी कर रही है।

जयंती की पूर्व संन्ध्या पर शनिवार शाम रविदास पार्क में दीप प्रज्ज्वलन – संत रविदास की जयंती के पूर्व संन्ध्या पर शनिवार शाम रविदास पार्क में दीप प्रज्ज्वलन व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। श्री गुरु रविदास जन्मस्थान पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शनिवार को ही सच्चाखंड बल्ला धाम के गद्दीनशीन संत निरंजन दास पंडाल क्षेत्र मेला क्षेत्र सत्संग हॉल का भ्रमण कर संगत को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। पांच फरवरी रविवार को स्वर्ण पालकी में विराजमान संत गुरु रविदास का पारंपरिक पूजन-अर्चन होगा। संत निरंजन दास अमृतवाणी ग्रन्थ का पाठ कर मंदिर के पास स्थायी रुप से लगाये गये रविदासी पताका 'हरि' निशान साहब को फहराकर जयंती का शरूआत करेंगे। शाम को शहर के विभिन्न इलाकों से निकली झांकियां दोपहर में मैदागिन में एकत्र होकर जुलूस की शक्ल में सीर गोवर्धन पहुंचेगी।

शिक्षक एमएलसी सीट पर छठवीं बार राज बहादुर विजयी

कानपुर, (हि.स.)। शिक्षक एमएलसी सीट पर छठवीं बार राज बहादुर सिंह चंदेल 5229 मत से विजयी घोषित हुए। वहीं स्नातक निर्वाचन के लिए भाजपा के अरुण पाठक ने भारी मतों से विजय हासिल की। भाजपा ने तीसरी बार इस सीट पर अपना परचम लहराया है। हालांकि प्रशासन ने अभी परिणाम घोषित नहीं किया है। कानपुर–उन्नाव स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी की हार जीत के लिए मतगणना 22 घंटे चली। जिसके बाद परिणाम घोषित कर दिया गया है। शिक्षक एमएलसी के लिए अन्तिम वरीयता की भी मतगणना हुई। जिसमें राजबहादुर सिंह चंदेल को विजयी घोषित किया गया। स्नातक एमएलसी सीट पर भाजपा के अरुण पाठक ने भारी मतों से जीत हासिल की। इस सीट की मतगणना शुक्रवार सुबह छह बजे तक हुई। अरुण पाठक को 53285 मत मिले। डॉ. कमलेश यादव को आठ हजार वोट मिले थे। कोटे के 50 प्रतिशत से अधिक मत मिलने के कारण उन्हें विजयी घोषित कर दिया गया।

शिक्षक एमएलसी सीट के लिए कई वरीयता के मत गिने गए – शिक्षक एमएलसी के लिए सुबह 5 बजे तक अंतिम वरीयता के मतों की गणना की गई। प्रथम वरीयता की गिनती में किसी को भी कोटे का मत न मिलने के कारण द्वितीय वरीयता के मतों की गिनती देर रात एक बजे शुरू की गई थी। परिणाम न निकलने पर क्रमानुसार आगे की वरीयता के मत गिने गए। जिसमें राज बहादुर सिंह चंदेल 5229 मत से विजयी हुए। नीचे के क्रम से प्रत्याशियों के मतों को अधिक वरीयता के प्राप्त मतों में जोड़ते हुए गिनती हुई तो एक-एक कर सभी प्रत्याशी बाहर होते गए। शिक्षक सीट पर 888 अवैध माने गए। शिक्षक सीट पर प्रथम वरीयता की गणना पूरी हो चुकी है।

शिक्षक एमएलसी सीट पर भाजपा का नहीं चला जादू – शिक्षक सीट पर पहली बार चुनाव मैदान में उतरी भाजपा को प्रथम वरीयता की गणना के बाद तीसरे नंबर पर रहकर संतोष करना पड़ा। जबकि राज बहादुर सिंह चंदेल 6वीं बार एमएलसी विधायक बनने जा रहे हैं। दूसरी वरीयता के वोटों की गिनती शुरू हो चुकी है। तीसरी या चौथी वरीयता तक वोटों की गणना के बाद जीत तय होने की संभावना है।

समाजवादी पार्टी अब समाप्तवादी पार्टी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा का चरित्र हिन्दू विरोधी चरित्र है। राम विरोधी चरित्र है तो रामचरित मानस विरोधी चरित्र भी है। सपा की विकास विरोधी चरित्र की हार है और आगामी चुनाव में सपा हार का मुंह देखने के लिए तैयार रहे। कहा जाये तो समाजवादी पार्टी अब समाप्तवादी पार्टी है। शिक्षक स्नातक चुनाव परिणाम पर बोल रहे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने मीडिया से बातचीत में कहा कि शिक्षक स्नातक के समर्थन से हम पहली बार चुनाव लड़ रहे थे, जो भी समर्थन मिला है उसके लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। भाजपा कार्यकताओं का अभिनंदन है, जिन्होंने दिनरात काम किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी का सुपड़ा साफ हो गया है। सपा के अहंकार की हार हो गयी, गुंडागर्दी की हार हो गयी है। जातिवाद की हार हो गयी है, विकास विरोधी राजनीतिक की हार हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रति विशेष रुप से बुद्धिजीवी तबका, जो समाज का मार्गदर्शक है उनका अपार समर्थन मिला हैं। ऐसा वर्ग उसने अपना आशीर्वाद दिया है। ये 2024 चुनाव का आगाज है। निश्चित तौर पर स्नातक चुनाव का मतदाता वो बुद्धिजीवी है और वे सभी आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हैं।

सीआरएस स्पेशल ट्रेन से मुफ्तीगंज-जौनपुर रेल खण्ड का पूरे स्पीड से ट्रायल

– स्पेशल ट्रेन 130 किमी प्रतिघंटे की अधिकतम रफ्तार से दौड़ी

वाराणसी, (हि.स.)। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के औड़िहार-जौनपुर 59 किमी रेल खण्ड दोहरीकरण परियोजना अब अंतिम चरण में है। इस रेल खंड पर मुफ्तीगंज-जौनपुर 14.6 किमी विद्युतीकरण के साथ दोहरीकरण कार्य चल रहा है। रेलखंड के नवनिर्मित दूसरी लाइन एवं जौनपुर-मुफ्तीगंज के मध्य किमी 55 तक का संरक्षा परीक्षण रेल संरक्षा आयुक्त पूर्वोत्तर सर्किल मो. लतीफ खान और अन्य अफसरों ने किया। पूर्वोत्तर रेलवे के जनसम्पर्क अधिकारी ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेल संरक्षा आयुक्त ने सीआरएस स्पेशल ट्रेन से मुफ्तीगंज-जौनपुर रेल खण्ड का पूरे स्पीड से ट्रायल किया। इस दौरान सीआरएस स्पेशल ट्रेन 130 किमी प्रतिघंटे की अधिकतम रफ्तार से दौड़ी। रेल संरक्षा आयुक्त ने सबसे पहले मुफ्तीगंज रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने दोहरीकृत स्टेशन की पूर्ण ब्लॉक वर्किंग, सिगनलों की स्टैण्डर्ड इंटरलॉकिंग, कलर लाइट सिगनलिंग, स्टेशन पैनल वीडीयू प्रणाली के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ पॉइंट्स और सिगनलों के रूट सेटिंग, यार्ड प्लान, न्यूट्रल सेक्शन, पावर सब स्टेशन,स्टेशन वर्किंग रूल, पैदल उपरिगामी पुल, प्लेटफार्म क्लियरेंस, पॉइंट क्रासिंग, ओवर हेड ट्रैक्शन की ऊंचाई ,ब्लॉक ओवर लैप, फाउलिंग मार्क, सैंड हम्प, फीडर पावर सप्लाई वितरण प्रणाली तथा नियंत्रण फीडर आइसोलेशन आदि की संरक्षा परखी।

मोटर ट्राली से मुफ्तीगंज-जौनपुर ब्लॉक सेक्शन – जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार मुफ्तीगंज स्टेशन के निरीक्षण के बाद रेल संरक्षा आयुक्त मोटर ट्राली से मुफ्तीगंज-जौनपुर ब्लॉक सेक्शन के निरीक्षण के लिए रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने किमी सं-43/2-3 पर स्थित स्विच एक्सटेंशन जॉइंट सं 15, समपार फटक संख्या-29ए का भी संरक्षा निरीक्षण किया और गेट मैन से दोहरीकृत सह विद्युतीकृत खण्ड पर बरते जाने वाली सावधानियों एवं कार्यप्रणाली पर आधारित संरक्षा प्रश्न पूछा और यथोचित उत्तर पाकर संतुष्ट हुए। इसके अतिरिक्त उन्होंने नवनिर्मित लो-हाइट सब-वे का भी निरीक्षण किया। बताते चले जौनपुर-औड़िहार रेल खण्ड के दोहरीकरण से एक वैकल्पिक मार्ग से भीड़भाड़ वाले उत्तर रेलवे मार्ग पर दबाव कम हो जाएगा। निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एस सी श्रीवास्तव, वाराणसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय, मुख्य इंजीनियर (निर्माण) आशुतोष मिश्रा, मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर (प्लानिंग) आर के सिंह, मुख्य विद्युत डिजाइन इंजीनियर (निर्माण) ओ पी सिंह, उप रेल संरक्षा आयुक्त बलबीर यादव, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) राहुल श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक सहित अन्य अफसर मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी संविधान की अवहेलना न करें : मायावती

– तिरस्कार के मामले में सपा, कांग्रेस, भाजपा कोई कम नहीं

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर हमला बोला है। शुक्रवार को अपने ट्वीट में कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान की अवहेलना न करे। मायावती ने अपने ट्वीट में कहा कि देश में कमजोर व उपेक्षित वर्गों का रामचरितमानस व मनुस्मृति आदि ग्रंथ नहीं बल्कि भारतीय संविधान है, जिसमें बाबा साहेब डा. भीमराव आम्बेडकर ने इनको शूद्रों की नहीं बल्कि एससी-एसटी व ओबीसी की संज्ञा दी है। अतः इन्हें शूद्र कहकर सपा इनका अपमान न करे और न ही संविधान की अवहेलना करे। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, देश के अन्य राज्यों की तरह यूपी में भी दलितों, आदिवासियों व ओबीसी समाज के शोषण, अन्याय, नाइंसाफी तथा इन वर्गों में जन्मे महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों आदि की उपेक्षा एवं तिरस्कार के मामले में कांग्रेस, भाजपा व समाजवादी पार्टी भी कोई किसी से कम नहीं। गेस्ट हाउस कांड का याद दिलाते हुए मायावती ने कहा कि सपा प्रमुख को इनकी वकालत करने से पहले उन्हें लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस की घटना को भी याद कर अपने गिरेबान में जरूर झांककर देखना चाहिए। जब मुख्यमंत्री बनने जा रही एक दलित की बेटी पर सपा सरकार में जानलेवा हमला कराया गया था। वैसे भी यह जगजाहिर है कि देश में एससी-एसटी, ओबीसी, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों आदि के आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान की कद्र बसपा बीएसपी में ही हमेशा से निहित व सुरक्षित है। जबकि बाकी पार्टियां इनके वोटों के स्वार्थ की खातिर किस्म-किस्म की नाटकबाजी ही ज्यादा करती रहती हैं।

विश्व सेवा परिषद ने झारखंड सेवा रत्न अवार्ड के लिए आवेदन मांगे

रांची, (हि.स.)। विश्व सेवा परिषद ने झारखंड सेवा रत्न अवार्ड के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन 15 मार्च तक दिए जा सकते हैं। परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डॉ. बीबी राज ने बताया कि हर साल शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, सामाजिक-सांस्कृतिक और अन्य सेवाभावी क्षेत्रों के विकास में उल्लेखनीय योगदान करने वाले सरकारी और गैर सरकारी व्यक्तियों, संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। सरकारी कर्मचारी अपने वरिष्ठ अधिकारी से और अन्य लोग मुखिया, वार्ड पार्षद, मेयर, विधायक और सांसद में से किसी एक से अपने द्वारा किए गए विकास कार्यों की अनुशंसा करा कर आवेदन दे सकते हैं।

अमित शाह आज पहुंचेंगे देवघर

–करेंगे बाबा के दर्शन, नैनो खाद कारखाना की रखेंगे आधारशिला

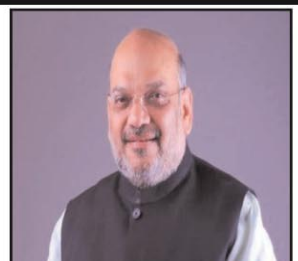

रांची, (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज देवघर पहुंच रहे हैं। वो सबसे पहले बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद संताल परगना को बड़ी सौगात देंगे। गृहमंत्री जसीडीह इंडस्ट्रियल एरिया में इफको के नैनो खाद कारखाना की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद शाह विजय संकल्प रैली के माध्यम से संथाल में भाजपा की जीत के लिए कार्यकताओं को संकल्प दिलायेंगे। शाह विशेष विमान से सुबह 11 बजे देवघर एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। वहां से सीधे बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। दोपहर डेढ़ बजे जसीडीह इंडस्ट्रियल एरिया पहुंचेंगे। वो इफको के नैनो फर्टिलाइन प्लांट का शिलान्यास करेंगे। अपराह्न 3:15 से शाम 4:45 बजे तक आरके मिशन विद्यापीठ के शताब्दी समारोह कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री शाह के देवघर दौरे के मद्देनजर भाजपा नेताओं का जमावड़ा शुरू हो गया है। देवघर विधायक नारायण दास और सारठ विधायक रणधीर सिंह तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी , राज्यसभा सांसद आदित्य साहू से लेकर तमाम नेता देवघर पहुंच चुके हैं। इफको के एमडी यूएस अवस्थी ने बताया कि शिलान्यास के 24 माह के अंदर नैनो फर्टिलाइजर प्लांट बनकर तैयार हो जाएगा। इससे क्षेत्र के 150-200 बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलेगा। प्लांट के लिए इफको को 20 एकड़ जमीन मिल गई है। यह कारखाना किसानों के लिए बड़ी सौगात है। उल्लेखनीय है आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए एक महीने के भीतर अमित शाह की झारखंड में ये दूसरी रैली होगी। पहली रैली सात जनवरी को चाईबासा में हुई थी।

रविदास जयंती पर सामूहिक श्री सत्यनारायण पूजन का होगा आयोजन

रांची, (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद माघ पूर्णिमा के अवसर पर पांच फरवरी को संत रविदास जयंती धूमधाम से मनाएगा। उस दिन सुबह दस बजे से श्री सत्यनारायण पूजन का सामूहिक आयोजन होगा, जिसमें रविदास समाज के बंधुओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। उन्हें सम्मानित किया जाएगा। संत रविदास के चित्र पर पूजन, माल्यार्पण कर विशेष भोग का वितरण किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख मिथिलेश्वर मिश्र ने बताया कि संत रविदास जयंती पर राज्य के सभी जिलों में पूजन, शोभा यात्रा, समरसता यज्ञ, भंडारा आदि किए जाएंगे।

बर्द्धमान स्टेशन पर पावर एवं ट्रैफिक ब्लॉक के कारण बिहार से गुजरने वाली 49 ट्रेनें रद्द

बेगूसराय, (हि.स.)। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश से बिहार बिहार के रास्ते पश्चिम बंगाल की चार से 11 फरवरी तक ट्रेन से यात्रा करने वाली यात्री अपने ट्रेन का स्टेटस चेक कर लें, उसके बाद ही यात्रा पर निकलें। पूर्व रेलवे के बर्द्धमान स्टेशन पर पावर एवं ट्रैफिक ब्लॉक लिए जाने के कारण 49 ट्रेनें अस्थाई रूप से रद्द कर दी गई है। जिसमें बरौनी जंक्शन से गुजरने वाली ट्रेनों को भी रद्द किया गया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि बर्द्धमान स्टेशन पर पावर एवं ट्रैफिक ब्लॉक लिए जाने के कारण पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार से खुलने अथवा गुजरने वाली 49 ट्रेनों का परिचालन अस्थाई रूप से रद्द किया गया है। चार फरवरी को रक्सौल से प्रस्थान करने वाली 13044 रक्सौल- हावड़ा एक्सप्रेस, नई दिल्ली से प्रस्थान करने वाली 12304 नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस एवं लालकुंआ से चार फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12354 लालकुंआ-हावड़ा एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। हावड़ा से नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13031 हावड़ा-जयनगर एक्सप्रेस, 13009 हावड़ा-देहरादून दून एक्सप्रेस, 12381 हावड़ा- नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस, 12023 हावड़ा-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस, 13021 हावड़ा-रक्सौल मिथिला एक्सप्रेस, 12339 हावड़ा-धनबाद कोलफिल्ड एक्सप्रेस, 13023 हावड़ा गया एक्सप्रेस, 12333 हावड़ा-प्रयागराज रामबाग विभूति एक्सप्रेस, 22912 हावड़ा-इंदौर शिप्रा एक्सप्रेस, 13005 हावड़ा-अमृतसर मेल तथा 12351 हावड़ा-राजेंद्रनगर टर्मिनल एक्सप्रेस को रद्द किया गया है। जयनगर से चार एवं दस फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13032 जयनगर-हावड़ा एक्सप्रेस, हावड़ा से छह एवं नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 22387 हावड़ा-धनबाद ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस, ब्लैक डायमंड से पांच एवं आठ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 22388 धनबाद-हावड़ा ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस, हावड़ा से छह एवं नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 11448 हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस तथा जबलपुर से चार एवं सात फरवरी को प्रस्थान करने वाली 11447 जबलपुर-हावड़ा शक्तिपुंज एक्सप्रेस को रद्द किया गया है। हावड़ा से चार से आठ फरवरी तक प्रस्थान करने वाली 13029 हावड़ा-मोकामा एक्सप्रेस, मोकामा से पांच से नौ तक प्रस्थान करने वाली 13030 मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस, नई दिल्ली से दस फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12382 नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस, पटना से नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12024 पटना-हावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस, रक्सौल से दस फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13022 रक्सौल-हावड़ा मिथिला एक्सप्रेस, धनबाद से दस फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12340 धनबाद-हावड़ा कोलफिल्ड एक्सप्रेस, इंदौर से सात फरवरी को प्रस्थान करने वाली 22911 इंदौर-हावड़ा शिप्रा एक्सप्रेस को रद्द किया गया है। अमृतसर से 11 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13006 अमृतसर-हावड़ा मेल, प्रयागराज रामबाग से दस फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12334 प्रयागराज रामबाग-हावड़ा विभूति एक्सप्रेस, गया से दस फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13024 गया-हावड़ा एक्सप्रेस, राजेंद्रनगर टर्मिनल से आठ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12352 राजेंद्रनगर टर्मिनल-हावड़ा एक्सप्रेस, देहरादून से 11 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13010 देहरादून-हावड़ा दून एक्सप्रेस एवं कोलकाता से नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12325 कोलकाता-नांगल डैम एक्सप्रेस को रद्द किया गया है। नांगल डैम से चार एवं 11 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12326 नांगल डैम-कोलकाता एक्सप्रेस, कोलकाता से नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13151 कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस, जम्मूतवी से 11 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13152 जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस, सियालदह से चार एवं नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13105 सियालदह-बलिया एक्सप्रेस, बलिया से पांच एवं दस फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13106 बलिया-सियालदह एक्सप्रेस, कोलकाता से चार को प्रस्थान करने वाली 13135 कोलकाता-जयनगर एक्सप्रेस तथा जयनगर से पांच फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13136 जयनगर-कोलकाता एक्सप्रेस को रद्द किया गया है। कोलकाता से छह एवं नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 15233 कोलकाता-दरभंगा एक्सप्रेस, दरभंगा से पांच एवं आठ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 15234 दरभंगा-कोलकाता एक्सप्रेस, कोलकाता से नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13167 कोलकाता-आगरा कैंट एक्सप्रेस, आगरा कैंट से 11 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13168 आगरा कैंट-कोलकाता एक्सप्रेस, कोलकाता से नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 15047 कोलकाता-गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस एवं गोरखपुर से आठ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 15048 गोरखपुर-कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। सियालदह से नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13185 सियालदह-जयनगर गंगासागर एक्सप्रेस, जयनगर से दस फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13186 जयनगर-सियालदह गंगासागर एक्सप्रेस, कोलकाता से नौ फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12359 कोलकाता-पटना गरीब रथ एक्सप्रेस तथा पटना से दस फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12360 पटना-कोलकाता गरीब रथ एक्सप्रेस को रद्द किया गया है।

डॉ जयपाल सिंह "व्यस्त" की हैट्रिक, तीसरी बार एमएलसी चुनाव जीते

– भाजपा प्रत्याशी डॉ जयपाल सिंह "व्यस्त" ने सपा प्रत्याशी शिव प्रताप सिंह यादव को 51,257 मतों से हराया

मुरादाबाद, (हि.स.)। बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी व मुरादाबाद निवासी विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह "व्यस्त" लगातार तीसरी बार एमएलसी चुनाव जीत गए। उन्होंने सपा प्रत्याशी शिव प्रताप सिंह यादव को 51,257 मतों से हराया। 30 जनवरी को बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य के लिए हुए चुनाव में भाजपा व सपा प्रत्याशी समेत कुल 10 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे थे। बरेली और मुरादाबाद मंडल के 09 जिलों में कुल 1,72,297 मतदाताओं में से 53.79 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया था। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. जयपाल सिंह "व्यस्त" को 66,179 मत मिले, जबकि समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी शिव प्रताप सिंह यादव को 14,922 मत प्राप्त हुए। डॉ. जयपाल सिंह "व्यस्त" ने शिव प्रताप सिंह यादव को 51,257 वोटों से हराया। वर्ष 2014 में पूर्व शिक्षा मंत्री व निवर्तमान विधान परिषद सदस्य डॉ. नेपाल सिंह के रामपुर लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के सिंबल पर चुनाव जीतने के कारण बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी सीट पर वर्ष 2014 में हुए उपचुनाव में हिंदू कॉलेज मुरादाबाद में तत्कालीन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जयपाल सिंह "व्यस्त" को पहली बार प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारा था। जिसमें जीतकर डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त पहली बार एमएलसी बने। इसके बाद वर्ष 2017 के चुनाव में भी उन्हें भारी मतों से जीत मिली थी।

मोतिहारी में मानवता हुई शर्मसार, कचड़े मे फेंका मिला नवजात

मोतिहारी, (हि.स.)। शहर में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। जहां नगर थाना क्षेत्र में एनएच 28बी पर स्थित टाटा मोटर्स के समीप डाले गए कचरे में फेके गए एक नवजात को बरामद किया गया है। जिसे देखने के लिए हजारो की भीड़ जमा हो गई। लेकिन उस भीड़ में से किसी ने भी नवजात को निकाल कर हॉस्पिटल पहुंचाना मुनासिब नही समझा, भीड़ में कोई वीडियो तो कोई फोटो खिंचता रहा। वही इसकी सूचना पर मौके पर पहुंचे बिहार नवयुवक सेना के संस्थापक अध्यक्ष अनिकेत रंजन ने कचड़े के ढ़ेर से नवजात को निकाला और उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने नवजात बच्ची को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद अनिकेत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमे अनिकेत ने कहा है, कि समाज के लोग जब तक अपनी मानसिकता नही बदलेगे तब तक ऐसी घटना सामने आती रहेगी। बेटी बचाओ बेटी पढाओ महज नारा बनकर रह जायेगी। अनिकेत ने कहा कि मोतिहारी शहर में ऐसी कई घटना पूर्व में भी सामने आया है। सदर अस्पताल के समीप फेकी गई कई नवजात बच्ची को बरामद किया गया था। जिस पर हमने आवाज उठाया तो जिला प्रशासन ने जांच कराया लेकिन जांच के बाद कारवाई न होने के कारण ऐसे कुकृत्य करने वालो का मनोबल बढा है। उन्होने कहा है, कि प्रशासन जिला स्तर पर यथाशीघ्र एक कमिटी गठित कर जांच कराये और दोषियो पर कारवाई करे, ताकि ऐसी शर्मसार करने वाली घटना पर रोक लग सके।

योगी ने उप्र विधान परिषद के चुनाव में विजयी सभी प्रत्याशियों को दी हार्दिक बधाई

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के चुनाव में विजयी सभी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई दी है। इससे पहले उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने बधाई दी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के चुनाव में विजयी सभी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई। राज्य विधान मण्डल के उच्च सदन के लिए हुए चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को मिली यह जीत आदरणीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के प्रति अथाह जन विश्वास की प्रतीक है। आगे कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रखने वाले कर्मठ सदस्यों की उपस्थिति उप्र विधान परिषद की गरिमा को बढ़ाएगी। नए सदस्यों के सार्वजनिक जीवन का सुदीर्घ अनुभव 'नए भारत के नए उत्तर प्रदेश' के निर्माण में सहयोगी सिद्ध होगा। आप सभी के उज्ज्वल भविष्य के प्रति मेरी शुभकामनाएं! इससे पहले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शिक्षक और स्नातक एमएलसी चुनाव 2023 में भाजपा उम्मीदवारों को जीत की हार्दिक बधाई दी थी। वहीं, उपमुख्यंत्री ब्रजेश पाठक ने भी शिक्षक और स्नातक एमएलसी चुनाव-2023 में भाजपा प्रत्याशियों को जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सभी कार्यकताओं एवं मतदाताओं का हार्दिक आभार। कहा कि यह जीत सुशासन, गांव, गरीब, किसान के कल्याण और धर्म की विजय है।

संपादकीय

सुरक्षा परिषद में सुधार की बात

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के बढ़ते प्रभाव का प्रमाण है कि वह जिन मुद्दों को उठाता है, उन पर बाकी सब देश भी गंभीरता से विमर्श प्रारंभ कर देते हैं। पर्यावरण से लेकर आतंकवाद तक के मुद्दों पर हमने देखा ही है कि भारत ने कैसे अंतरराष्ट्रीय विमर्श खड़ा कर दिया है। वहीं, अब संयुक्त राष्ट्र में अपेक्षित सुधारों का मुद्दा भी ज्वलंत हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर अंतरराष्ट्रीय मंचों से इस बारे में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। उनके नेतृत्व में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में संयुक्त राष्ट्र में सुधार का मुद्दा जोर-शोर और तार्किक ढंग से उठाया है, जिसका परिणाम है कि भारत के विचार के साथ अन्य देश भी खड़े होने लगे हैं। इस संदर्भ में महत्वपूर्ण घटना यह है कि भारत दौरे पर आए संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी ने भी गंभीरता से सुरक्षा परिषद में सुधार का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अपने वर्तमान रूप में कमजोर हो चुका है। याद हो कि कुछ ही दिनों पहले वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी कहा था कि संयुक्त राष्ट्र 1945 में बनाया गया एक 'फ्रोजेन मैकेनिज्म' बनकर रह गया है। दिक्कत यह रही कि भारत की ओर से उठाई जा रही इस मांग को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पाने की उसकी आकांक्षा से जोड़कर देखा जाता रहा है। नतीजा यह हुआ कि अलग-अलग मौकों पर विभिन्न देश संयुक्त राष्ट्र की स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत को समर्थन का आश्वासन देते रहे, लेकिन वे इस मसले पर गंभीर नहीं हुए। इसीलिए अलग-अलग मंचों से इस मुद्दे के उठने के बावजूद संयुक्त राष्ट्र महासभा में कभी इस आशय का कोई प्रस्ताव पारित नहीं हुआ। मगर यूक्रेन युद्ध ने इस अंतरराष्ट्रीय संस्था की बढ़ती अप्रासंगिकता को एक झटके में उजागर कर दिया। खुद संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष इस बात की पुष्टि करते हुए कहते हैं कि पूरी दुनिया साक्षी है कि कैसे सुरक्षा परिषद के एक स्थायी सदस्य (रूस) ने अपने पड़ोसी देश पर आक्रमण किया, उसकी क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन किया और सुरक्षा परिषद कोई फैसला नहीं कर सकी। कारण रहा उस सदस्य की वीटो पावर। साफ है कि जो वीटो पावर सुरक्षा परिषद के पांचों सदस्यों को इस मकसद से दी गई थी कि यह संस्था ज्यादा कारगर हो और दुनिया को युद्ध से बचाए, वही अब इस संस्था के पैरों की बेड़ी साबित हो रही है। अब इसमें जरा भी शक नहीं रह गया है कि संयुक्त राष्ट्र के मंच पर और उसके कामकाज में दुनिया की मौजूदा भू-राजनीति की हकीकत नहीं झलकती। लेकिन बाधा अब भी सबसे बड़ी वही है, सदस्य राष्ट्रों में एकमत का अभाव। जानकारों के अनुसार, अभी संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य राष्ट्रों के बीच पांच नेगोशिएटिंग ग्रुप सक्रिय हैं और वे सब एक-दूसरे की काट बने हुए हैं। सुरक्षा परिषद के सदस्यों पर सुधार का अजेंडा आगे बढ़ाने का वास्तविक दबाव तभी बनेगा, जब महासभा की ओर से उन्हें प्रस्ताव भेजा जाएगा। चूंकि यही नहीं हो रहा तो बात आगे नहीं बढ़ रही। बहरहाल, भारत जैसे देश का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का दावा काफी मजबूत है। वह सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था भी है। इसलिए उसे यह सदस्यता मिलनी चाहिए, लेकिन यह तभी हो पाएगा जब इसके लिए सुधार हों। संयुक्त राष्ट्र को अपने प्रभाव एवं प्रासंगिकता को बनाए रखना है तब उसे अविलंब सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए।

> भारत की ओर से उठाई जा रही इस मांग को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पाने की उसकी आकांक्षा से जोड़कर देखा जाता रहा है। नतीजा यह हुआ कि अलग-अलग मौकों पर विभिन्न देश संयुक्त राष्ट्र की स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत को समर्थन का आश्वासन देते रहे, लेकिन वे इस मसले पर गंभीर नहीं हुए। इसीलिए अलग-अलग मंचों से इस मुद्दे के उठने के बावजूद संयुक्त राष्ट्र महासभा में कभी इस आशय का कोई प्रस्ताव पारित नहीं हुआ। मगर यूक्रेन युद्ध ने इस अंतरराष्ट्रीय संस्था की बढ़ती अप्रासंगिकता को एक झटके में उजागर कर दिया। खुद संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष इस बात की पुष्टि करते हुए कहते हैं कि पूरी दुनिया साक्षी है कि कैसे सुरक्षा परिषद के एक स्थायी सदस्य (रूस) ने अपने पड़ोसी देश पर आक्रमण किया, उसकी क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन किया और सुरक्षा परिषद कोई फैसला नहीं कर सकी। कारण रहा उस सदस्य की वीटो पावर। साफ है कि जो वीटो पावर सुरक्षा परिषद के पांचों सदस्यों को इस मकसद से दी गई थी कि यह संस्था ज्यादा कारगर हो और दुनिया को युद्ध से बचाए, वही अब इस संस्था के पैरों की बेड़ी साबित हो रही है।

कुछ अलग

'विकसित भारत' कितनी दूर?

प्रधानमंत्री मोदी ने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया था। वह अभी अधूरा है। फिर 2022 में 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, लालकिले की प्राचीर से, 2047 में 'विकसित भारत' के संकल्प की घोषणा की थी। यानी लक्ष्य आज से करीब 25 साल बाद का है। तब तक जवाबदेही किसकी होगी? उस दौर में क्या राजनीतिक समीकरण होंगे? कौन देश का प्रधानमंत्री होगा? क्या तब की सत्ता आज के संकल्पों को स्वीकार करेगी? संभव है कि भारत को आज़ादी के 100 साल बाद ही 'विकसित' न होना पड़े और यह लक्ष्य पहले ही हासिल कर लिया जाए! लेकिन तब भी प्रधानमंत्री मोदी नहीं होंगे और पीढ़ी अलग तेवर, अलग सोच की हो सकती है! ये संभावनाएं ही नहीं हैं, बल्कि हकीकत के बेहद करीब हैं। फिलहाल आकलन किए जा रहे हैं कि 2027 तक भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हो सकता है और 2031-32 तक हमारी अर्थव्यवस्था 7.5 ट्रिलियन डॉलर की हो सकती है। जापान भारत के पीछे होगा और हम जर्मनी को भी पार कर लेंगे। इस तरह भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है! ये तमाम भविष्य की संभावनाएं हैं। फिलहाल बजट के मुताबिक, भारत का जीडीपी 286 लाख करोड़ रुपए का है। हम लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हैं। 2023-24 का प्रस्तावित बजट 45.03 लाख करोड़ रुपए का है। विभिन्न करों, उपकरों, अधिभारों, उत्पाद शुल्क आदि से हमारी कुल आय 27.2 लाख करोड़ रुपए की है। साफ है कि आने वाले वित्त वर्ष में हम 17 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा झेलेंगे। यानी भारत की अर्थव्यवस्था फिलहाल घाटे की है। भारत पर करीब 152 लाख करोड़ रुपए का कजर्.भी है। जीडीपी का करीब 20 फीसदी हर साल ब्याज के भुगतान में खर्च करना पड़ता है। ऐसे कजर्.सभी देश लेते हैं, क्योंकि देश की परियोजनाओं और सामाजिक कल्याण पर अतिरिक्त खर्च किए जाते हैं। ऐसे कजर्.का बजट में प्रावधान भी रखा जाता है, लिहाजा इसे 'रेवडियों' पर खर्च करार नहीं दिया जा सकता। बजट में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.97 लाख रुपए का दावा किया गया है, लेकिन 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करना है, तो यह आय औसतन 4.45 लाख रुपए होनी चाहिए। बजट में इसका कहीं भी उल्लेख नहीं है कि ऐसा कैसे होगा? 'विकसित भारत' में पेट्रोल, डीजल और कोयला आदि का इस्तेमाल 'ज़ीरो' करने की योजना भी होगी। यह कैसे संभव है, क्योंकि भारत में कोयला खदानों का अपना वैश्विक महत्त्व है। भारत दूसरे या तीसरे स्थान का कोयला उत्पादक देश है। भारत में पेट्रोलियम संसाधनों के 'स्वदेशीकरण' पर भी व्यापक काम जारी है। बेशक बजट में हरित ऊर्जा, हरित विकास, हरित पर्यावरण, हरित हाईड्रोजन आदि के उल्लेख हैं। पर्यावरण को लेकर भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं भी हैं, लेकिन 'शून्य कार्बन उत्सर्जन' का लक्ष्य 2070 तय किया गया है।

> जीडीपी का करीब 20 फीसदी हर साल ब्याज के भुगतान में खर्च करना पड़ता है। ऐसे कजर्.सभी देश लेते हैं, क्योंकि देश की परियोजनाओं और सामाजिक कल्याण पर अतिरिक्त खर्च किए जाते हैं। ऐसे कजर्.का बजट में प्रावधान भी रखा जाता है, लिहाजा इसे 'रेवडियों' पर खर्च करार नहीं दिया जा सकता। बजट में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.97 लाख रुपए का दावा किया गया है, लेकिन 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करना है, तो यह आय औसतन 4.45 लाख रुपए होनी चाहिए।

दर्शन शास्त्र में कश्मीरी उन्हीं के प्रतीकों से उनको उत्तर दे रहे थे

कश्मीरी देसी मुसलमानों की घेराबंदी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> कश्मीरी व्यक्ति मुसलमान तो बन गया था लेकिन उसका मानस कश्मीरी ही रहा। वह रहस्वयादी चेतना को अभिव्यक्त करने के लिए नए संकेतों का प्रयोग करने लगा था। अरबी-मध्य एशियाई कबीलों ने उनको भौतिक रूप से तो पराजित कर दिया था, लेकिन वे उनके मन की थाह पाने में कामयाब नहीं हो रहे थे। दर्शन शास्त्र में कश्मीरी उन्हीं के प्रतीकों से उनको उत्तर दे रहे थे। वे अभी भी कश्यप को अपना पूर्वज मान रहे थे।कश्मीरी मूल्यों को वे त्याग नहीं रहे थे। यानी मानसिक रूप से वे अपने आपको एटीएम की संस्कृति और तथाकथित ज्ञान से बेहतर मान रहे थे। वे शारदा पुत्र तो थे ही। ज्ञान की देवी शारदा का तो विनास स्थान ही कश्मीर को माना ही जाता था। वे सरस्वती यानी ज्ञान के उपासक थे। वे तर्क करते थे। प्रश्न पूछते थे। सैयदों के पास कश्मीरियों के इन प्रश्नों का कोई वजाब नहीं था।

मतांतरित होने के बावजूद मतान्तरित कश्मीरी अपनी विरासत को नहीं भूल रहे थे। वे भी भीतरी मन से अपनी पुरखों की परम्पराओं और आस्थाओं को नहीं छोड़ रहे थे। भूलने की बात तो दूर, वे बहुत सीमा तक अभी भी उसी से जुड़े हुए थे। उनमें से कश्मीरियत नहीं जा रही थी। वे इधर उधर घूम फिर कर फिर अपने जड़ों के आसपास सिमट जाते थे। नए हालात के अनुसार उन्होंने नए प्रतीक गढ़ लिए थे। नई शब्दावली का सृजन किया था। त्रिक दर्शन की व्याख्या के लिए नए मुहावरों की तलाश कर ली थी। कश्मीरी व्यक्ति मुसलमान तो बन गया था लेकिन उसका मानस कश्मीरी ही रहा। वह रहस्यवादी चेतना को अभिव्यक्त करने के लिए नए संकेतों का प्रयोग करने लगा था। अरबी-मध्य एशियाई कबीलों ने उनको भौतिक रूप से तो पराजित कर दिया था, लेकिन वे उनके मन की थाह पाने में कामयाब नहीं हो रहे थे। दर्शन शास्त्र में कश्मीरी उन्हीं के प्रतीकों से उनको उत्तर दे रहे थे। वे अभी भी कश्यप को अपना पूर्वज मान रहे थे। कश्मीरी मूल्यों को वे त्याग नहीं रहे थे। यानी मानसिक रूप से वे अपने आपको एटीएम की संस्कृति और तथाकथित ज्ञान से बेहतर मान रहे थे। वे शारदा पुत्र तो थे ही। ज्ञान की देवी शारदा का तो निवास स्थान ही कश्मीर को माना ही जाता था। वे सरस्वती यानी ज्ञान के उपासक थे। वे तर्क करते थे। प्रश्न पूछते थे। सैयदों के पास कश्मीरियों के इन प्रश्नों का कोई जवाब नहीं था। वे उस अरब भूमि से व मध्य एशिया से आए थे जहां प्रश्न पूछने की मनाही थी, आंखें बन्द करके केवल पीछे चलने का अधिकार था। कश्मीर में वे अपने इसी अधिकार की रक्षा शासक की तलवार से कर रहे थे। लेकिन कश्मीर, जिसके ज्ञान के पीछे मध्य एशिया चलता था, वे आंखें बन्द करके उन्हीं सैयदों व मध्य एशिया के तुर्कों के पीछे कैसे चल सकता था? उन्होंने ईश्वर का नाम अल्लाह को तो मान लिया था लेकिन वे शिव की उपासिका लल्ला को कैसे छोड़ सकते थे। कश्मीर की एक और परम्परा है। किसी भी गुणी और साधक का वे सम्मान करते हैं। वह साधु साधक या पीर किसी भी पूजा पद्धति को मानने वाला क्यों न हो। वे धरती को मां मानते हैं। मध्य एशिया या अरब से आए सैयदों से चाहे उनके लाख भेद रहे हों लेकिन जब ऐसे किसी साधक पीर की मृत्यु होती थी तो कश्मीर के लोग उसका सम्मान करते हुए और उसके प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए स्मारक बना देते थे। वैसे भी कश्मीर में माना जाता है कि मरने के बाद आदमी के सारे सांसारिक मतभेद समाप्त हो जाते हैं। एटीएम इस प्रकार के स्मारकों को अपनी भाषा में दरगाह कहता है और वह दरगाह में जाना और वहां जाकर मृतक साधक की स्मृति में कश्मीरी मुसलमानों द्वारा सिजदा करने को इस्लाम की तौहीन मानता है। सैयदों को लगता था कश्मीर में कश्मीरी इस्लाम को समझने की बजाय उसका कश्मीरीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन सबसे हैरानी की बात यह थी कि इन दरगाहों एवं कब्रों पर भी संगठनात्मक रूप से कब्जा सैयदों का ही रहा। इन दरगाहों के पुजारी भी सैयद, मुफ्ती, मुल्ला और पीरजादेह ही थे। ऐसा कैसे सम्भव हुआ? इसे समझने के लिए कश्मीरी देसी मुसलमानों की ऋषि परम्परा को गहराई से समझना होगा। शुरुआती दौर में जब सूफी सैयदों ने स्थानीय शासकों के साथ मिल कर कश्मीर का इस्लामीकरण शुरू किया था तो कश्मीरियों ने उसका मुकाबला करने के लिए अपनी ऋषि परम्परा शुरू कर दी थी। शाहमीरी वंश के बुतशिकन के राज्यकाल तक सैयदों व कश्मीरियों में सांस्कृतिक वर्चस्व का संघर्ष भी तेज़ हो गया था। इसको ललेश्वेरी व नुन्द ऋषि के प्रकरण से अच्छी तरह समझा जा सकता है। जोनराज की राजतरंगिनी में इस बात का जिक्र है कि नुन्द ऋषि को सुल्तान अली शाह के राज्यकाल में बन्दी बनाया गया था। (2) लल्लेश्वरी (1320-1392) और नुन्द ऋषि (1377-1438) और इरान से आए बाप-बेटा सैयद अली हमदानी (1341-1385) व सैयद महमूद हमदानी (1372-1450) समकालीन थे। लल्लेश्वरी का अन्तकाल और बुतशिकन (1389.-1413) का राज्यकाल एक साथ शुरू होते हैं। नुन्द ऋषि का कार्यकाल बुतशिकन और बडशाह (1420-1470) दोनों के राज्यकाल के भीतर सिमटा हुआ है। नुन्द ऋषि का नाम सहजानन्द भी था (3), लेकिन ललेश्वेरी का कार्यकाल शाहमीरी वंश के पहले छह शासकों के राज्यकाल तक फैला हुआ है। सैयद मोहम्मद हमदानी कश्मीर में 1393 में आए थे और बारह साल कश्मीर में रहे। कुछ लोग कहते हैं कि बाईस साल रहे। यदि बारह साल रहे तो उनके कश्मीर से जाने की तारीख़ 1405 है और यदि बाईस साल रहे तो जाने की तारीख़ 1415 है। ऋषि परम्परा की शुरुआत शिव की उपासिका लल्लेश्वरी (1320-1392) ने की थी। आज भी कश्मीर का देसी मुसलमान गाता है – ऊपर अल्लाह नीचे लल्ला (4), उस कालखंड में एटीएम के लिए ऋषि परम्परा से लोहा लेना लाभकारी नहीं था। मोहिबुल हसन ठीक कहते हैं कि ऋषि परम्परा कश्मीर में ज्यादा प्रभावी थी। लेकिन उसका चलते रहना ही कश्मीरियों के इस्लामीकरण में बाधक था। कुछ सैयदों ने ऋषियों की ही भाषा बोलनी शुरू कर दी और धीरे धीरे इस परम्परा के डेरों पर भी नियंत्रण कर लिया। उस परम्परा का नामकरण तो ऋषि ही रहने दिया, लेकिन यथार्थ में वे सैयदों के डेरे ही बन गए। इस प्रकार कश्मीर घाटी की तीनों संस्थाओं प्रथम मस्जिदों, द्वितीय दरगाहों और तीसरे ऋषि आश्रमों या डेरों पर एटीएम का ही कब्जा हो गया। दरगाहें और ऋषियों के डेरे बाद में एकरूप हो गए। इन तीनों संस्थाओं और उसके तन्त्र के नियंत्रण में से कश्मीरी मुसलमान और गुज्जर सिरे से ग़ायब थे। यह देसी मुस्लिम समाज पर दोहरा शिकंजा था। सैयद दोनों दिशाओं से कश्मीरी मुसलमान, गुज्जर और पहाड़ी राजपूत मुसलमानों को घेरे हुए थे। वह मस्जिद में जाता है तब भी वहां सैयद ही बैठा है और वहां से भाग कर अपनी दरगाह में पहुंचता है, वहां भी कब्जा सैयद का ही है। इसलिए एटीएम ने योजना का दूसरा चरण शुरू किया। पहला चरण था, कश्मीरियत से इस्लामीकरण और दूसरा चरण था इस्लामीकरण से अरबीकरण। एटीएम इस कार्य को बहुत जल्दी करना चाहता था। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए एटीएम ने कश्मीर में अलग अलग संगठन स्थापित किए। इनमें से चार का उल्लेख किया जा सकता है। इन चार संस्थाओं के समन्वित अध्ययन से कश्मीर घाटी में एटीएम की कार्यप्रणाली को बख़ूबी समझा जा सकता है। ये संस्थाएं हैं अंजुमन-ए-नुसरत-उल-इस्लाम, अंजुमन अहल-ए-हदीस/जमायत-ए-अहल-ए-हदीस, अंजुमन-ए-तबलीग-उल-इस्लाम और जमायत-ए- इस्लामी कश्मीर। देसी मुसलमान के मानस को बदलने व नियंत्रित करने का 1900 से शुरू हुआ यह अभियान शताब्दी के अंतिम दशकों में हिंसक हो गया।

अब नहीं होंगे अंतर महाविद्यालय खेल!

> जैसे जैसे शिक्षा में उत्कृष्टता की जरूरत महसूस हुई प्रदेश में प्रौद्योगिकी के लिए हमीरपुर में एनआईटी व मंडी में आईआईटी जैसे वश्विवद्यिालय समकक्ष संस्थान खुल गए तथा अन्य अभियंत्रिकी महावद्यिालय तथा तकनीकी शिक्षा के लिए हमीरपुर में हिमाचल प्रदेश तकनीकी वश्विवद्यिालय खोला गया है। चिकित्सा के लिए बिलासपुर में एम्स तथा अन्य चिकित्सा महावद्यिालयों के लिए मंडी के नेरचौक में अटल बिहारी वाजपेयी स्वास्थ्य व चिकित्सा वश्विवद्यिालय खोल है। देहरा व धर्मशाला में केन्द्रीय वश्विवद्यिालय खुल गया है।अब मंडी, कांगड़ा, चंबा, लाहौल-स्पीति व कुल्लू जिला के 140 महावद्यिालयों को व ल्लभभाई वश्विवद्यिालय मंडी के अंतर्गत कर दिया है। शेष सात जिलों के महावद्यिालयों को हिमाचल प्रदेश वश्विवद्यिालय शिमला के अंतर्गत ही रखा है।निजी वश्विवद्यिालय अलग से हिमाचल प्रदेश में शिक्षा दे रहे हैं। राज्य में इतने संस्थान व वश्विवद्यिालय होने के बावजूद खेलों का भला नहीं हो पा रहा है।हिमाचल प्रदेश वश्विवद्यिालय के अंतर्गत दो सौ से भी अधिक कालेज आते थे। पिछले सत्र में वश्विवद्यिालय की खेलें केवल औपचारिकता तक ही सीमित रह गई थी।

सन 2022-2023 में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का शारीरिक शिक्षा व अन्य गतिविधियों के निदेशालय ने अंतिम बार पूरे हिमाचल प्रदेश के महाविद्यालयों की खेलों का आयोजन विभिन्न महाविद्यालयों में कलैण्डर के अनुसार किया। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला व वल्लभ भाई पटेल राज्य विश्वविद्यालय मंडी इन दोनों विश्वविद्यालयों के लगभग सभी अंतर महाविद्यालय खेलों का संयुक्त रूप से आयोजन हुआ। अगले साल शायद अपने अपने यहां अलग आयोजन हो। हिमाचल प्रदेश में सत्तर के दशक में बना हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला अगले कई दशकों तक सभी विद्याओं में स्नातक डिग्री से लेकर पीएचडी तक शोध करवाता रहा है। जैसे जैसे शिक्षा में उत्कृष्टता की जरूरत महसूस हुई प्रदेश में प्रौद्योगिकी के लिए हमीरपुर में एनआईटी व मंडी में आईआईटी जैसे विश्वविद्यालय समकक्ष संस्थान खुल गए तथा अन्य अभियंत्रिकी महाविद्यालय तथा तकनीकी शिक्षा के लिए हमीरपुर में हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय खोला गया है। चिकित्सा के लिए बिलासपुर में एम्स तथा अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए मंडी के नेरचौक में अटल बिहारी वाजपेयी स्वास्थ्य व चिकित्सा विश्वविद्यालय खोल है। देहरा व धर्मशाला में केन्द्रीय विश्वविद्यालय खुल गया है। अब मंडी, कांगड़ा, चंबा, लाहौल-स्पीति व कुल्लू जिला के 140 महाविद्यालयों को वल्लभभाई विश्वविद्यालय मंडी के अंतर्गत कर दिया है। शेष सात जिलों के महाविद्यालयों को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के अंतर्गत ही रखा है। निजी विश्वविद्यालय अलग से हिमाचल प्रदेश में शिक्षा दे रहे हैं। राज्य में इतने संस्थान व विश्वविद्यालय होने के बावजूद खेलों का भला नहीं हो पा रहा है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अंतर्गत दो सौ से भी अधिक कालेज आते थे। पिछले सत्र में विश्वविद्यालय की खेलें केवल औपचारिकता तक ही सीमित रह गई थी। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पास अपना नियमित शारीरिक शिक्षा व अन्य गतिविधियों का निदेशक व प्रशिक्षक कैडर भी नहीं था। अभी कुछ महीने पहले ही नियुक्तियां की हैं। पिछले दो सालों से महाविद्यालय प्राचार्यों का रवैया असहयोग का ही रहा था। हमीरपुर का सरकारी कालेज जो एथलेटिक्स का गढ़ है, वहां पिछले साल विश्वविद्यालय प्रतियोगिता करवाने के लिए बिल्कुल इंकार किया था और इस साल भी आनाकानी में विश्वविद्यालय की एथलेटिक्स मीट आयोजित नहीं हो पाई है। इस बार राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला विश्वविद्यालय एथलेटिक्स का आयोजन कर रहा था, मगर ऐन मौके पर मना कर दिया गया। कुछ महाविद्यालय प्राचार्य लिखित में विश्वविद्यालय से अपने यहां खेल प्रतियोगिता आबंटित करने के लिए साफ मना करते रहे हैं। अब भी वही हाल है। क्या हिमाचल प्रदेश शिक्षा के कर्णधार शिक्षा की परिभाषा ही भूल गये हैं। शिक्षा का मतलब है मानव का सर्वांगीण विकास जो शारीरिक व मानसिक दोनों होता है। इस विषय पर सरकार व शिक्षा विभाग को सोच समझ कर निर्णय लेना होगा कि भविष्य में खेलों के साथ इस तरह खिलवाड़ न हो। ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले अधिकांश स्टार खिलाड़ी महाविद्यालय व विश्वविद्यालय से ही निकल कर आते हैं। अकादमिक विषयों की तरह खेल भी शिक्षा का अभिन्न हिस्सा हैं। शारीरिक फिटनेस का उच्चतम स्तर ही खेलों में उत्कृष्ट परिणामों का मुख्य कारण है। जिस देश की जवानी जितनी फिट होगी वहां पर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाना उतना ही आसान होता है। इसलिए शिक्षा संस्थानों में हर विद्यार्थी की फिटनेस के लिए कार्यक्रम होना चाहिए जिससे अच्छे खिलाड़ी ही नहीं, फिट नागरिक भी देश को मिल सकें। महाविद्यालय स्तर पर खेलों के लिए जहां स्तरीय खेल ढांचे का होना बहुत जरूरी है वहीं पर ज्ञानवान प्रशिक्षकों की भी बहुत ज्यादा जरूरत है। देश के अन्य राज्यों की तरह हिमाचल प्रदेश में भी महाविद्यालय स्तर पर खेलों का हाल ज्यादा ठीक नहीं है। राज्य के अधिकतर महाविद्यालय अच्छे खिलाडियों को मंच देने में नाकाम रहे हैं। कनिष्ठ खिलाडियों के लिए नजर दौड़ा कर देखें तो उनके प्रशिक्षण के लिए बहुत अच्छा तो नहीं मगर प्रशिक्षण शुरू करने काबिल व्यवस्था मौजूद है। हिमाचल प्रदेश में जूनियर खिलाडियों के लिए लगभग हर स्तर पर कई खेलों के लिए शिक्षा व खेल विभाग के खेल छात्रावास मौजूद हैं मगर आगे महाविद्यालय व विश्वविद्यालय स्तर पर खिलाडियों के लिए हिमाचल प्रदेश में कहीं भी कोई खेल विंग नहीं है। इसलिए हिमाचल प्रदेश के अधिकतर खिलाड़ी स्कूल के बाद अपनी महाविद्यालय की पढ़ाई के लिए राज्य के महाविद्यालयों में खेल वातावरण न होने के कारण पड़ोसी राज्यों को पलायन कर जाते हैं। महाविद्यालय स्तर से ही पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलते हैं। इसलिए महाविद्यालय स्तर पर खिलाड़ी विद्यार्थियों को अच्छी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश में भी कुछ प्राचार्यों व शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापकों ने प्रशिक्षकों व खिलाडियों को अच्छा प्रबंधन देकर पदक विजेता प्रदर्शन करवाया है। नब्बे के दशक में हमीरपुर के सरकारी महाविद्यालय में तत्कालीन प्राचार्य डॉक्टर ओपी शर्मा व शारीरिक प्राध्यापक डीसी शर्मा ने एथलेटिक्स व जूडो के प्रशिक्षकों को बुला कर उन्हें काम चलाऊ सुविधा उपलब्ध करवा कर उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया था। उसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के कारण पुष्पा ठाकुर हमीरपुर से किसी भी खेल की पहली अंतर विश्वविद्यालय पदक विजेता बनी तथा उसके बाद हमीरपुर महाविद्यालय ने एथलेटिक्स व जूडो में कई राष्ट्रीय पदक विजेता दिये। हमीरपुर के सरकारी महाविद्यालय की तत्कालीन खिलाड़ी विद्यार्थियों में पुष्पा ठाकुर व संजो देवी एथलेटिक्स तथा जूडो में नूतन हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार परशुराम अवार्ड से सम्मानित हैं। प्राचार्य डॉक्टर नरेन्द्र अवस्थी व शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापक सुशील भारद्वाज के प्रबंधन में एक समय राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर की चार धाविकाओं ने आज तक का सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुये अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता बंगलौर 2006-07 में मंजू कुमारी ने पंद्रह सौ व पांच हजार मीटर की दौड़ों में दो स्वर्ण पदक जीत कर सर्वश्रेष्ठ धाविका का ताज पहना। बहरहाल शिक्षकों व प्राचार्यों को चाहिए कि वे खेलों के आयोजन में सकारात्मक भूमिका निभाएं।

नागरिक बोध

आसाराम की सजा बहुत कम है

आसाराम पिछले दस साल से पहले ही जेल में बंद है। अब उसे उम्र कैद की सजा हो गई है। 81 वर्ष का आसाराम पता नहीं अभी कितने साल और जिंदा रहेगा? जितना व्यभिचार और बलात्कार उसने किया है, उस हिसाब से उसे काफी लंबी उम्र मिल गई है। साधु-संत और मौलवी-पादरियों का पाखंड रचाकर जो धूर्त लोग भक्तों को बेवकूफ बनाते हैं, वे इतने ऊँचे कलाकार होते हैं कि उन्हें जेल में भी सारी सुविधाएं उपलब्ध हो जाती हैं। शायद उनकी दैनंदिन दिनचर्या जेल में कहीं बेहतर होती है, क्योंकि वहां मजबूरन ब्रह्मचर्य का पालन करना पड़ता है, भोजन वगैरह काफी संतुलित होता है और डाक्टरी परीक्षा भी नियमित होती रहती है। पाखंड फैलाने से बाहर जो दिमागी तनाव पैदा होता है, जेल के अंदर उससे भी मुक्ति मिली रहती है। इस आसाराम जैसे जितने भी देश में निराशाराम या झांसाराम हैं, वे सब असाधारण अपराधी हैं लेकिन हमारी न्याय व्यवस्था इतनी अजीब है कि इन सामूहिक अपराध करनेवाले धूर्तों को भी वही सजा मिलती है, जो साधारण अपराधियों को मिलती हैं। यदि आसाराम दस साल और जिंदा रह गया तो आप जरा हिसाब लगाइए कि गरीब करदाताओं का कितना पैसा वह हजम कर जाएगा। आसाराम ही नहीं, उसकी तरह दर्जनों धूर्त साधु-संत इस समय जेल में बंद हैं। यदि ये साधु-संत अपने आप को महान आध्यात्मिक, पारलौकिक शक्ति संपन्न और जादू-टोना दिखानेवाले जादूगर मानते हैं तो ये अपनी रिहाई खुद ही क्यों नहीं कर लेते? यदि ये सचमुच असाधारण हैं तो इनकी सजा भी असाधारण क्यों नहीं होती? इन्हें किसी चांदनी चौक के चौराहे पर फांसी क्यों नहीं दी जाती? इनकी लाश को कुत्तों से घसिटवाकर सूअरों के झुंड के आगे क्यों नहीं फिकवा दिया जाता ताकि सारा देश उस दृश्य को देखे और सारे पाखंडी गुरू-घंटालों की हड्डियां कांप उठें। ऐसा नहीं है कि ये पाखंडी सिर्फ हिंदुओं के बीच ही होते हैं। यूरोप के ईसाई इतिहास का एक लंबा समय 'अंधकार युग' माना जाता है, क्योंकि पोप तक को इन काले धंधों में अपना मुंह काला करते पाया गया है। कोई मजहब इस तरह के धूर्तों से मुक्त नहीं है, क्योंकि सारे धर्म, संप्रदाय और मजहब अंधविश्वास पर आधारित हैं।

देश दुनीया से

इकॉनमी की ड्राइविंग सीट पर आई सरकार

जैसा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वादा किया था, उनका पांचवां और मोदी सरकार का आखिरी पूर्ण बजट पिछले दो बजटों की निरंतरता को जारी रखता है। देर से ही सही, वित्त मंत्री ने सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय की निर्णायक भूमिका को माना है। वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में पूंजीगत व्यय (केपेक्स) में पिछले साल की तरह एक बार फिर 33 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए उसे 10 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव किया है। इस तरह सरकार एक बार फिर अर्थव्यवस्था की ड्राइविंग सीट पर आ गई है। लेकिन यह फैसला उस नव-उदारवादी आर्थिक सैद्धांतिकी के उलट है, जो सरकार को अर्थव्यवस्था की ड्राइविंग सीट छोड़ने, उसकी भूमिका सीमित करने (न्यूनतम सरकार) और निजी क्षेत्र को कमान देने की वकालत करती रही है। यह किसी से छुपा नहीं है कि नव-उदारवादी आर्थिक सैद्धांतिकी पिछले कई दशकों हर रंग की सरकारों की आधिकारिक अर्थनीति रही है। हालांकि, वित्त मंत्री इसे स्वीकार नहीं करेंगीं, लेकिन उन्होंने मजबूरी में ही सही, एक हद तक इसके विपरीत जाने का साहस दिखाया है। पूंजीगत व्यय में भारी वृद्धि इस समय कई संकटों में फंसी वैश्विक अर्थव्यवस्था के असर से लड़खड़ाती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा सहारा है। इस सचाई को इस साल के आर्थिक सर्वेक्षण ने भी माना है। वैसे, वित्त मंत्री कुछ और महत्वाकांक्षी हो सकती थीं। वह चाहतीं तो पूंजीगत व्यय में जितना जोर फिजिकल (भौतिक) इन्फ्रास्ट्रक्चर खासकर सड़क और रेलवे आदि पर दिया गया है, उतना ही सामाजिक क्षेत्र के इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी दे सकती थीं। इसके साथ कृषि में भी पूंजीगत सार्वजनिक व्यय में भारी वृद्धि की जरूरत थी, जो एक बार फिर उपेक्षित रह गया। इसकी वजह यह है कि वह नव-उदारवादी आर्थिक सैद्धांतिकी के पैरोकारों खासकर वैश्विक रेटिंग एजेंसियों, विदेशी संस्थागत निवेशकों, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष को नाराज भी नहीं करना चाहतीं, जो सबसे ज्यादा जोर राजकोषीय घाटे को काबू में रखने पर देते रहे हैं। यही कारण है कि वित्त मंत्री ने राजकोषीय घाटे को काबू में रखने की प्राथमिकता को भी छोड़ा नहीं है। उन्होंने न सिर्फ चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को बजट अनुमान जीडीपी के 6.4 फीसदी के अंदर रखने का दावा किया है बल्कि अगले वित्तीय वर्ष में उसमें जीडीपी के 0.5 फीसदी की और कटौती करते हुए उसे 5.9 फीसदी तक लाने का एलान किया है। यह और बात है कि वह चालू वित्त वर्ष (2022-23) में बजट अनुमान की तुलना में संशोधित बजट अनुमान में 2.42 लाख करोड़ रूपये ज्यादा खर्चने के बावजूद राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 6.4 प्रतिशत तक रखने में इसलिए कामयाब हो पाईं क्योंकि नॉमिनल जीडीपी, मुद्रास्फीति में उछाल के कारण उम्मीद से ज्यादा बढ़कर 15.4 फीसदी पहुंच गया। इसी तरह अगले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे में और कटौती करने और उसे जीडीपी के 5.9 फीसदी तक सीमित रखने के दबाव में वित्त मंत्री ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों और स्कीमों के बजट आवंटन में या तो कटौती कर दी है या बहुत मामूली बढ़ोतरी की है। उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में वर्ष 2021-22 में 98,648 करोड़ रुपये खर्च हुए थे और चालू वित्त वर्ष के संशोधित बजट में इस पर 89,400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है, लेकिन अगले वित्त वर्ष के बजट में इसके लिए सिर्फ 60,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह चालू वित्त वर्ष के संशोधित बजट अनुमान की तुलना में 32.8 फीसदी कम है। इसके दो कारण हो सकते हैं। पहला, सरकार को मनरेगा के तहत काम के मांग में कमी आने के संकेत मिल रहे हों। हालांकि, ऐसा होने की उम्मीद कम है क्योंकि एक तो ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों की मजदूरी में वृद्धि नहीं हुई है और दूसरे, रोजगार के अवसर बढ़ने के भी संकेत नहीं हैं। इसके उलट जमीनी रिपोर्ट यह है कि मनरेगा के तहत काम की मांग के बावजूद सरकार न सिर्फ काम के अवसर नहीं मुहैया करा रही है बल्कि किए गए काम की मजदूरी देने में भी काफी देर कर रही है।

> वत्ति मंत्री ने वत्ति वर्ष 2023-24 के बजट में पूंजीगत व्यय (केपेक्स) में पिछले साल की तरह एक बार फिर 33 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए उसे 10 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव किया है। इस तरह सरकार एक बार फिर अर्थवव्यस्था की ड्राइवगि सीट पर आ गई है। लेकिन यह फैसला उस वन-उदारवादी आर्थकि सैद्धांतिकी के उलट है, जो सरकार को अर्थवव्यस्था की ड्राइवगि सीट छोड़ने, उसकी भूमिका सीमित करने (न्यूनतम सरकार) और निजी क्षेत्र को कमान देने की व कालत करती रही है। यह किसी से छुपा नहीं है कि वन-उदारवादी आर्थकि सैद्धांतिकी पिछले कई दशकों हर रंग की सरकारों की आधिकारिक अर्थनीति रही है।

हवाई हमले कर लोगों को मार रही म्यांमार की सेना : मानवाधिकार संगठनों की मांग- इन्हें जेट फ्यूल न दें, चीनी विमानों का हो रहा इस्तेमाल

म्यांमार ।

19 जनवरी को म्यांमार के सागैंग इलाके में लोग एक कार्यक्रम के लिए पंडाल में इकट्ठा हो रहे थे। नैंग को नाम का एक युवक पंडाल से कुछ दूरी पर खड़ा था। तभी आसमान में कुछ फाइटर जेट्स दिखाई दिए और देखते ही देखते उन्होंने बम गिराने शुरू कर दिए। नैंग ने अपनी पत्नी और बच्चे को पकड़ा और पंडाल की तरफ भागना शुरू कर दिया। जब तक वो पंडाल में पहुंचा वहां चारों तरफ आग लग चुकी थी। इस हमले में नैंग की मां समेत 8 लोगों की मौत हो गई। म्यामांर में सेना की तरफ ऐसे हवाई हमले अब लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इन्हें रोकने के लिए अब कई मानवाधिकार संगठनों और देशों ने म्यांमार को जेट फ्यूल देने पर ही बैन लगाने की मांग की है। दरअसल पिछले साल नवंबर के महीने में म्यांमार की सेना पर आरोप लगे थे कि वो सिविल एयरलाइन के लिए मिलने वाले जेट फ्यूल का इस्तेमाल भी अपने हमलों के लिए कर रही है।

2022 में केवल हवाई हमले में 460 लोगों की मौत हुई - रिपोर्ट के मुताबिक म्यामांर में हवाई हमले रोज की कहानी बनते जा रहे हैं। सेना अपने विरोधियों को ढूंढ़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसके चलते वो आम लोगों को निशाना बना रही है। म्यामांर विटनेस की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 6 महीनों में वहां 135 इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। 1 फरवरी को म्यांमार में तख्तापलट के दो साल पूरे हो चुके हैं। साल 2021 में सेना ने वहां चुनी हुई आंग सान सू की सरकार को गिरा दिया था और उन्हें पकड़कर जेल में डाल दिया था। तब से लोग अलग-अलग तरीकों से सेना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। जब सेना विरोधियों का सामना करने में जमीन पर कमजोर पड़ने लगी तो उसने आसमान से हवाई हमले कर लोगों पर आफत बरसाना शुरू कर दिया है। दो साल में वहां 31022 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें 460 लोग एक साल में की गई एयर रेड में मारे जा चुके हैं। हवाई हमलों में मरने वाले ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। ह के मुताबिक एयर रेड से परेशान होकर वहां 11 लाख लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

लगातार 30 मिनट तक अंधाधुंध गोलियां चलाईं - रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार की सेना स्कूलों को अपने निशाने पर ले रही है। पिछले साल सितंबर के महीने में येत कोने गांव में जब 9 साल की जिन अपने स्कूल जा रही थी उसी दौरान उसके अंकल ने दो हेलिकॉप्टर देखे। वो समझ गए थे कि ये हमला करने वाले हैं। हेलिकॉप्टर्स को देखकर स्कूल में मौजूद लोगों ने चीखना शुरू कर दिया और वो स्कूल में डेस्क के नीचे और अलग-अलग जगहों पर छुपने लगे।

न्यूज़ ब्रीफ

फिर शक के घेरे में चीनः अमेरिका में दिखा तीन बस के आकार का गुब्बारा, संवेदनशील इलाकों की निगरानी करने की आशंका

वॉशिंगटन । अमेरिका के आसमान में एक चाइनीज जासूसी गुब्बारा दिखाई दिया है। पेंटागन ने कहा है कि

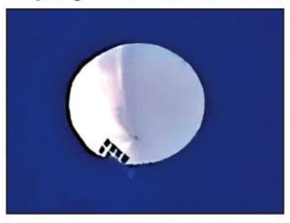

यह गुब्बारा तीन बसों के आकार के बराबर बड़ा है। पेंटागन के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर ने बताया कि अमेरिकी सरकार ने आसमान में ऊंचाई पर उड़ते एक गुब्बारे का पता लगाया है, जो कि अभी अमेरिकी उपमहाद्वीप के ऊपर उड़ रहा है। नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड लगातार इस गुब्बारे को ट्रैक कर रहा है और इस पर नजर बनाए हुए है। पेंटागन ने कहा है कि जैसे ही उन्हें जासूसी गुब्बारे के बारे में पता चला तो उन्होंने तुरंत संवेदनशील डाटा को सुरक्षित किया ताकि उसे कलेक्ट ना किया जा सके। हालांकि इस जासूसी गुब्बारे में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे लोगों को या सैन्य तौर पर कोई खतरा पैदा हो। बता दें कि यह चाइनीज जासूसी गुब्बारा ऐसे समय में अमेरिका में दिखाई दिया है, जब जल्द ही अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन, बीजिंग का दौरा करने वाले हैं। अमेरिका के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मार्क माइली और यूएस नॉर्दर्न कमांड जनरल ग्लेन वानहर्क ने गुब्बारे को नहीं गिराने का निर्देश दिया है। आशंका है कि इसे गिराने से लोगों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। फिलहाल इस गुब्बारे पर नजर रखी जा रही है।

चिली के जंगलों में लगी आग से बढ़ा तापमान, 750 हेक्टेयर वन संपदा जलकर हुई खाक

चिली । चिली में जंगल की आग ने करीब 750 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को तबाह कर दिया है। जंगल की आग इतनी विनाशकारी होती जा रही है कि आसपास बसे घरों को नष्ट कर दिया है और खेतों और अन्य छोटे जंगलों को खतरे में डाल दिया है। इस भयानक आग से चिली के दक्षिणी और मध्य क्षेत्रों में लोग गर्मी की लहर का सामना कर रहे हैं। राष्ट्रीय वानिकी निगम (कोनाफ) के अनुसार, राजधानी सैंटियागो से करीब 400 किलोमीटर (250 मील) दूर चिल्लन शहर के पास आग अब तक लगभग 550 हेक्टेयर, मोनाको के आकार के लगभग तीन गुना क्षेत्र को कवर कर चुकी है। इसमें कहा गया है कि नुबल क्षेत्र के एक अन्य हिस्से में भी लगभग 200 हेक्टेयर को तबाह कर दिया गया है। एक स्थानीय मैकेनिक जुआन प्रडेनस का घर आग से नष्ट हो गया था। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि आपका जीवन खत्म हो गया। मेरी उम्र में, मुझे अपने उपकरण वापस पाने के लिए फिर से लड़ई शुरू करनी पड़ी, आग के कारण मैंने अपने सभी काम करने वाले उपकरण खो दिए। चिल्लन के पास रहने वाली रोजा टोरेस ने कहा कि यह भयानक है। आग विनाषकारी थी, हम इसे दूर से देख सकते थे और फिर हवा बदल गई और पलक झपकते ही हमारे पास तक आग लग गई। चिली के आंतरिक मंत्रालय ने नुबल क्षेत्र और आगे दक्षिण में बायोबियो क्षेत्र के लिए एक रेड अलर्ट घोषित किया है।

क्या बाइडन ने पुतिन को यूक्रेन के 20प्रतिशत हिस्से की पेशकश की रिपोर्ट को व्हाइट हाउस ने नकारा

वाशिंगटन । रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जो खुलासा हुआ है वह

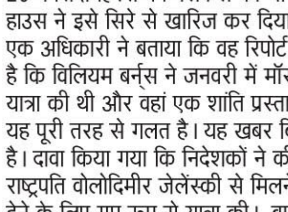

बेहद चौंकाने वाला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से परेशान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को यूक्रेन के 20 फीसदी हिस्से की पेशकश की थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। सीआईए के एक अधिकारी ने बताया कि वह रिपोर्ट जिसमें कहा गया है कि विलियम बर्न्स ने जनवरी में मॉस्को की एक गुप्त यात्रा की थी और वहां एक शांति प्रस्ताव रखा गया था, यह पूरी तरह से गलत है। यह खबर बिल्कुल निराधार है। दावा किया गया कि निदेशकों ने कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने और जानकारी देने के लिए गुप्त रूप से यात्रा की। बाद में अपनी रिपोर्ट में बताया कि निदेशक विलियम बर्न्स देशों के बीच शांति समझौते की दलाली करने का प्रयास कर रहे थे लेकिन कीव और मॉस्को दोनों ने कथित तौर पर प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव में यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत क्षेत्र की पेशकश की गई थी, लेकिन कीव ने प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया क्योंकि वे अपने क्षेत्र को विभाजित करने के लिए तैयार नहीं हैं। जबकि रूस ने कहा कि वे वैसे भी लंबे समय में चल रहे युद्ध को जीतेंगे ही।

पेशावर विस्फोट के बाद डरी पाकिस्तानी पुलिस! कहा- हमारे हाथ बांधकर जानवरों के सामने फेंक दिया

पेशावर ।

पाकिस्तान के पेशावर शहर में मस्जिद में हुए बम विस्फोट के बाद वहां की पुलिस भी घबराहट और असमंजस की शिकार है। पेशावर पुलिस के जवानों और अधिकारियों ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन भी किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सरकार ने उनके हाथ बांधकर उन्हें जानवरों के सामने फेंक दिया है। उनका कहना है कि हर दिन हमारे साथी मारे जा रहे हैं। हम सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं। पेशावर पुलिस के जवानों का कहना है कि जब रखवाले ही सुरक्षित नहीं हैं तो फिर इस देश में कौन सुरक्षित है

पेशावर पुलिस के एक जूनियर अधिकारी ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि इस लड़ाई में हम मोर्चे पर हैं। हम स्कूल, ऑफिस और सार्वजनिक जगहों पर रक्षा करते हैं लेकिन आज हमे ही बेसहारा की तरह महसूस हो रहा है। सरकार ने हमारे हाथ बांधकर हमें जानवरों के सामने फेंक दिया है। बता दें कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य की सीमा अफगानिस्तान से लगती है और पेशावर इसकी राजधानी है। सीमा से लगे होने के चलते पेशावर में आए दिन आतंकी हमले हो रहे हैं। यही वजह है कि तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों के साथ लड़ाई में आए दिन पेशावर पुलिस के जवान मारे जा रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सरकार के फैसलों से असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। एक अधिकारी ने बताया कि एक दिन हमें बताया जाता है कि सीजफायर हो गया है और शांति हो गई है। अगले दिन हमें पता चलता है कि सीजफायर नहीं हुआ है और हमें लड़ाई के लिए तैयार रहना है। यह हैरान करने वाला है।

आतंकी घटनाओं को लेकर पुलिसकर्मियों में कितना गुस्सा और डर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक पुलिसकर्मी ने बताया कि जब हम अपने घरों से निकलते हैं तो हमें नहीं पता कि हम कब निशाना बन जाएंगे। आज उनकी जान गई है और हो सकता है कि कल हम निशाना बन जाएं। एक अन्य पुलिसकर्मी ने बताया कि हम घर से निकलते हुए अपने घरवालों को गले लगकर निकलते हैं क्योंकि हमें नहीं पता कि हम जिंदा वापस आएंगे भी या नहीं!

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

पेशावर हमले को लेकर तालिबान ने बुधवार को पाकिस्तान को आईना दिखाया। अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री आमिर मुत्तकी ने पाकिस्तान को सलाह देते हुए कहा कि अपनी असफलताओं का ठीकरा दूसरों पर मत फोड़ों और पेशावर हमले की जांच पर ध्यान दो। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान आतंकवाद का केंद्र है तो फिर यह चीन, मध्य एशिया और ईरान में भी होना चाहिए था। मुत्तकी ने कहा कि हमारे इलाके में युद्ध और बम ब्लास्ट हुए हैं लेकिन बीते 20 सालों में हमने कोई आत्मघाती हमलावर नहीं देखा, जो खुद को उड़ाकर मस्जिद की छत को गिरा दें और सौ से ज्यादा लोगों की हत्या कर दे।

बता दें कि बीते दिनों पेशावर के पुलिस लाइंस इलाके में स्थित एक मस्जिद में आत्मघाती हमले में 101 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। मृतकों में अधिकतर पुलिसकर्मी थे। जांच में पता चला है कि आतंकी पुलिस की वर्दी में आया था और मस्जिद में नमाज के दौरान उसने खुद को बम से उड़ा लिया था। विस्फोट में 10-12 किलो टीएनटी का इस्तेमाल किया गया था, जिसकी वजह से धमाका इतना तेज था मस्जिद की दीवारें और छत भी गिर गई, जिसकी वजह से जान-माल का बहुत नुकसान हुआ।

ब्रिटेन में हड़तालों का नया दौर, बढ़ता जा रहा है अर्थव्यवस्था का संकट

लंदन ।

ब्रिटेन में श्रमिकों का असंतोष नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। बुधवार को वहां जिस बड़े पैमाने पर हड़ताल हुई, वैसा पिछले कई दशकों में नहीं हुआ था। इस हड़ताल के कारण देश भर में स्कूल और विश्वविद्यालय बंद रहे और रेलगाड़ियां नहीं चलीं। सरकारी दफ्तरों में भी कामकाज प्रभावित हुआ। ट्रेड यूनियनों ने दावा किया है कि ब्रिटेन में आम जीवन पूरी तरह ठप हो गया। लाखों कर्मचारियों ने सड़कों पर उतर कर अपना विरोध जताया। कर्मचारी बढ़ी महंगाई को देखते हुए अधिक वेतन की मांग कर रहे हैं। लंदन में प्रदर्शन का आयोजन ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस ने किया, जिसमें 48 यूनियनें शामिल हैं। ये लोग ऋषि सुनक सरकार की तरफ से पेश उस बिल का विरोध कर रहे हैं, जिसके तहत हड़ताल करने के अधिकार को संकुचित करने का प्रावधान किया जाने वाला है। इसमें प्रावधान है कि हड़ताल के दौरान भी फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और रेल सेवाएं जारी रखना श्रमिकों की जिम्मेदारी होगी। यूनियनों ने वेतन वृद्धि के सरकार के प्रस्ताव को पिछले दिनों ठुकरा दिया था। सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष से चार से पांच फीसदी वेतन वृद्धि करने का प्रस्ताव रखा था। यूनियनों का कहना है कि देश में महंगाई की दर लगातार 10 फीसदी के ऊपर बनी हुई है। इसलिए उनके वेतन में कम से कम दस फीसदी की बढ़ोतरी होनी चाहिए। खबरों के मुताबिक बुधवार को हड़ताल का इंग्लैंड और वेल्स में स्थित लगभग साढ़े 23 हजार स्कूलों पर पड़ा। कई स्कूल तो पूरी तरह बंद रहे। यूनिवर्सिटी एंड कॉलेज यूनियन की अपील पर 70 हजार कर्मी हड़ताल पर गए। ये कर्मचारी 18 दिन तक हड़ताल पर रहेंगे। इसका असर 25 लाख छात्रों की पढ़ाई पर पड़ेगा। उधर सार्वजनिक और व्यापारिक सेवा यूनियन के सदस्य एक लाख से ज्यादा कर्मचारियों ने भी बुधवार को हड़ताल की। उनकी मांगों में वेतन वृद्धि के अलावा पेंशन नौकरी की सुरक्षा भी शामिल है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक हड़ताल के कारण देश में लगभग 30 फीसदी ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। विश्लेषकों के मुताबिक हड़तालों के कारण पहले से ही संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था और अधिक मुश्किल में पड़ती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने विश्व की अर्थव्यवस्था के बारे में जो पूर्वानुमान जारी किया है, उसके मुताबिक ब्रिटेन उन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में हैं, जो इस वर्ष मंदी का शिकार होने जा रही हैं।

प्राइवेट आर्मी को फंड देकर दिवालिया हो रहा यूक्रेनः रूस से लड़ रही निजी सेना के लड़ाकों पर घोटाले का आरोप, देश विरोधी टिप्पणियां भी कीं

कीव।

यूक्रेनी सैनिकों को प्रशिक्षण देने और उनकी मदद के लिए भेजे गए अमेरिकी वैगनर ग्रुप मोजार्ट समूह पर घोटाले और यूक्रेन की लीडरशिप के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का आरोप लगा है। इस संबंध में अमेरिका के पूर्व मरीन और मोजार्ट के लीडर एंड्रयू मिलबर्न ने कंपनी के फंड को डायवर्ट कर दिया। वहीं, यूक्रेन के लीडर्स के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी भी की। मिलबर्न ने बताया कि यूक्रेन पर टिप्पणी करने के दौरान वे नशे में थे। हालांकि, वित्तीय अनियमितताओं के बारे में अधिकांश आरोपों को उन्होंने निराधार बताया। उन्होंने बताया कि मार्च से मोजार्ट के लड़ाके यूक्रेन में रूसी सेना का डटकर मुकाबला कर रहे है। वहां सेना को प्रशिक्षण दिया, नागरिकों को जंग के लिए तैयार किया और यूक्रेनी सेना के साथ फ्रंट लाइन में खड़े रहे, लेकिन यूक्रेन के लीडर्स ने भुगतान नहीं किया। मोजार्ट को फंड उपलब्ध कराने वाले एक छोटे से पूल पर निर्भर छोड़ दिया। जिसमें ईस्ट कोस्ट फाइनेंसरों का एक समूह और एक टेक्सास टाइकून शामिल था। मोजार्ट के अन्य लोगों ने भी बताया कि सभी लड़ाके रूस के निशाने पर हैं। मोजार्ट को एक व्यवसाय की तरह चलाना होता है, लेकिन हमने ऐसा नहीं किया।

हर ओर से झटके खाती पाकिस्तान सरकार अब हुई इमरान से भी बातचीत को तैयार

इस्लामाबाद ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से तगड़ा झटका लगने के बाद अब पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने देश में सियासी मेलमिलाप की पहल की है। यहां तक कि प्रधानमंत्री शरीफ ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को भी आमंत्रित करने का फैसला किया है। शरीफ सरकार ने देश में गहराते जा रहे आर्थिक और राजनीतिक संकट का रास्ता तलाशने के मकसद से अगले सात फरवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाने का फैसला किया है। इसके पहले यहां आई आईएमएफ की टीम ने यह साफ संकेत दिया कि उसे सर्कुलर ऋण प्रबंधन की पाकिस्तान सरकार की योजना मंजूर नहीं है। इससे आईएमएफ से तुरंत कर्ज की किस्त मिलने की पाकिस्तान की उम्मीद कमजोर हो गई है। जबकि देश का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से गिरता जा रहा है। गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के

मुताबिक अब पाकिस्तान के पास सिर्फ 3.1 बिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा बची है। आईएमएफ ने देश में बिजली शुल्क में भारी वृद्धि की मांग भी की है। आईएमएफ से निराशा हाथ लगने के बाद शहबाज शरीफ सरकार ने राजनीतिक आम सहमति तैयार करने की पहल की है। सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने इसका एलान करते हुए कहा कि इस मौके पर सभी राजनीतिक दलों के प्रमुखों को एक मेज पर लाने की कोशिश की जा रही है, ताकि देश एकजुट होकर 'महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय चुनौतियों' का सामना कर सके। बताया जाता है कि शरीफ सरकार में मंत्री अयाज सादिक को इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से संपर्क करने की जिम्मेदारी दी गई है। पाकिस्तान के राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे एक बड़ी घटना माना है। उन्होंने ध्यान दिलाया है कि मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन- पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के हमेशा ही पीटीआई के साथ दुश्मन जैसे संबंध रहे हैं। खास कर पिछले अप्रैल में इमरान खान की सरकार गिराए जाने के बाद से दोनों पक्षों में कड़वाहट आसमान पर रही है। समझा जाता है कि सर्वदलीय बैठक में गहराते आर्थिक संकट के अलावा देश पर लगातार घना हो रहे आतंकवाद के साये की समस्या पर भी चर्चा की जाएगी। बीते सोमवार को पेशावर की एक मस्जित में हुए बम विस्फोट के बाद से देश में दहशत का माहौल है। इस हमले में लगभग 90 लोग मारे गए। हाल के महीनों में पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों की संख्या लगातार बढ़ी है। बीते नवंबर में आतंकवादी गुट तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने सरकार से अपनी वार्ता तोड़ दी थी। तब से हमलों में काफी इजाफा हुआ है।

आईएमएफ ने मरहम लगाया,

पर अपनी मुश्किलों का हल खुद ढूंढना होगा बांग्लादेश को

ढाका ।

बांग्लादेश को इस हफ्ते एक बड़ी राहत मिली, जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बोर्ड ने उसे 4.7 बिलियन डॉलर का कर्ज भुगतान करने को मंजूरी दे दी। लेकिन विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस राहत से बांग्लादेश की आर्थिक मुश्किलें हल नहीं होंगी। ये समस्याएं अब काफी गंभीर रूप ले चुकी हैं।

बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि मंजूर हुए कर्ज की रकम दस फरवरी तक उन्हें मिल जाएगी। आईएमएफ के इस फैसले पर खुशी जताते हुए बांग्लादेश के वित्त मंत्री एएचएम मुस्तफा कमाल ने कहा- 'आईएमएफ के इस फैसले से यह साबित हो गया है कि बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था मजबूत आधार पर खड़ी है, यह कई अन्य देशों से अधिक मजबूत है।' उनका इशारा संभवतः पाकिस्तान और श्रीलंका की तरफ था, जिनके लिए मंजूर कर्ज की रकम दिए जाने पर फिलहाल आईएमएफ ने रोक रखी है।

लेकिन अर्थशास्त्री इस घटनाक्रम पर वित्त मंत्री जितने उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने ध्यान दिलाया है कि बांग्लादेश को कर्ज की पहली किस्त के रूप में 47 करोड़ 60 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि देश को हर महीने 1.5 बिलियन डॉलर आयात बिल के रूप में चुकाने पड़ रहे हैं। थिंक टैंक पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ बांग्लादेश के कार्यकारी निदेशक एच मंसूर ने कहा है- 'आईएमएफ से मिली मदद फ़ौरी तौर पर समस्या का

आंशिक समाधान है। लेकिन वास्तिवक समाधान तो नीतियों में बदलाव लाकर ही हो सकता है।'

बांग्लादेश के आर्थिक संकेतक (इंडिकेटर) एक मिली-जुली तस्वीर पेश करते हैं। कुछ संकेतक स्थिति में सुधार की झलक दे रहे हैं। मसलन, पिछले नवंबर और दिसंबर में बांग्लादेश को कुल निर्यात से होने वाली आमदनी में तेजी से सुधार हुआ। लेकिन वस्त्र के मुख्य निर्यात की स्थिति अच्छी नहीं है। बांग्लादेश गारमेंट मैनुफैक्चरर्स एंड एक्सोपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष फारूक हसन के मुताबिक पिछले वस्त्र निर्यात के ऑर्डर में 30 फीसदी गिरावट आने का संकेत मिला है। देश में विदेशी मुद्रा आने का एक और प्रमुख स्रोत विदेशों में रहने वाले बांग्लादेशियों की तरफ से भेजी जाने वाली रकम है। इसमें भी हाल के महीनों में सुधार हुआ है।

लेकिन कई मोर्चों पर सरकार के सामने ऐसे फैसले लेने की चुनौती बनी हुई है, जिससे सत्ताधारी पार्टी लोगों में अलोकप्रिय हो सकती है। इस चुनावी साल में ऐसे निर्णय लेना प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की सरकार के लिए आसान नहीं होगा। पहले ही सब्सिडी में लगातार कटौती से गैस, केरोसीन, बिजली और पानी के शुल्कों में काफी बढ़ोतरी हो चुकी है। सरकार ने बिजली की कीमत में जनवरी में पांच प्रतिशत का इजाफा किया था। इस बुधवार को इसमें फिर 5.07 प्रतिशत की वृद्धि की गई। सरकार को हर तरह के मूल्य नियंत्रण, ब्याज दर और विनिमय दर आदि के नियंत्रण से पूरी तरह बाज आना होगा। पहले आईएमएफ में काम कर चुके मंसूर ने कहा कि ये नीतियां हमारी अर्थव्यवस्था में एक बड़ी समस्या बन चुकी हैं।

थिंक टैंक सेंटर फॉर पॉलिसी डायलॉग में फेलॉ देबप्रिया भट्टाचार्य ने कहा है- 'समाधान के लिए हमें बड़े पैमाने पर सुधार करने होंगे। वरना आर्थिक वृद्धि समस्याग्रस्त बनी रहेगी।' उन्होंने कहा कि ऐसे सुधारों के लिए देश में संभावनाएं बहुत उवल नजर नहीं आ रही हैं।

पंजाब में पेट्रोल-डीजल महंगा भगवंत मान सरकार ने लगाया टैक्स

चंडीगढ़। पंजाब सरकार की शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में बड़े फैसले लिए गए। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने पेट्रोल और डीजल पर प्रति लीटर 90 पैसे का सेस लगाया है। इसके चलते पंजाब में पेट्रोल और डीजल महंगा हो जाएगा। सत्ता में आने के बाद से आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की ओर से जनता पर लगाया गया यह पहला टैक्स है। दरअसल शुक्रवार को कैबिनेट ने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के सेस लगाने के फैसले को हरी झंडी दे दी। भगवंत मान सरकार इस समय पैसे की कमी का सामना कर रही है। इससे पहले पंजाब में 2021 के दौरान पेट्रोल-डीजल के दाम में भारी फेरबदल हुआ था। पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पेट्रोल और डीजल पर वैट को हटा दिया था और इन्हें पेट्रोल-डीजल क्रमशः 10 रुपए और 5 रुपए प्रति लीटर सस्ता हो गया था। आज पंजाब कैबिनेट की मीटिंग में नई औद्योगिक और व्यापार विकास नीति को मंजूरी दी गई... यह नीति कारोबारियों के साथ विचार-विमर्श करके बनाई गई है और उनके सुझावों को भी इसमें शामिल किया गया है... कैबिनेट ने अन्य फैसलों के अलावा पंजाब इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी को भी मंजूरी दी गई... कैबिनेट ने बैठक में बहुप्रतीक्षित औद्योगिक नीति को भी मंजूरी दे दी। राज्य सरकार की ओर से 23-24 फरवरी को प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट के मद्देनजर नीति की मंजूरी अहम है। राज्य सरकार इस नीति के रोल आउट के माध्यम से 5 लाख करोड़ रुपए के औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने पर विचार कर रही है। निवेशकों को लुभाने के लिए नीति औद्योगिक उपभोक्ताओं को बिजली की कम दरों पर जोर दे रही है। 25 करोड़ रुपए तक के निवेश वाली परियोजनाओं की स्वीकृति जिला स्तर पर दी जाएगी। राज्य में बासमती की बिक्री को बढ़ावा देने के मकसद से बासमती सेलिंग यूनिट पर मंडी शुल्क माफ कर दिया गया है। पंजाब औद्योगिक और व्यवसाय विकास नीति 2022, पंजाब के अधिवासियों को रोजगार देने वाली इकाइयों को रोजगार सृजन सब्सिडी प्रदान करने की बात कही गई है।

अजीब सा गुब्बारा मिलने से फैली सनसनी

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के रतिया क्षेत्र के गांव भरपूर में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के एक किसान को खेत में अजीब सा गुब्बारा मिला। इस गुब्बारे के साथ लंबी प्लास्टिक की डोर व वॉकी-टॉकी नुमा कोई यंत्र जुड़ा हुआ था। पुलिस ने गुब्बारे को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। गांव के सरपंच की सूचना पर पुलिस ने छानबीन की और गुब्बारे और उससे जुड़े यंत्र को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस द्वारा जांच कर रही है कि आखिर यह क्या चीज है और किसने बनाई है। गांव के सरपंच ने बताया कि शुक्रवार दोपहर को गांव का ही एक किसान भूप सिंह बुड़ानिया खेत से गुजर रहा था तभी अचानक उसके पैर में कोई डोरनूमा चीज अटकी। उसने जब डोर उठाई तो यह पतंग आदि की डोर न होकर प्लास्टिक की कोई डोर थी और जब वह उसे खींचने लगा तो काफी लंबी इस डोर पर एक तरफ एक बड़ा प्लास्टिक का गुब्बारा लगा हुआ था।

सनातन और संत-मत ही भारत को भारत बनाते हैं : ओमप्रकाश धनखड़

गुरुग्राम (हिंस)। शुक्रवार को यहां राज्य स्तरीय संत गुरू रविदास जयंती समारोह में हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा है कि संतों के विचार ही भारत का विचार है। सनातन और संत-मत ही भारत को भारत बनाते हैं। ओमप्रकाश धनखड़ ने संतों के सम्मान में भाजपा सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों की तारीफ भी की। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि सनातनी भारत और सनातन संस्कृति ही विश्वकल्याण और मानवता की मूल विचारधारा है। भारत की इस महानतम विचारधारा का निर्माण सनातन और संत परंपरा से ही हुआ है। भगवान वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण के बगैर सनातन की कल्पना भी नहीं की जा सकती और भगवान रविदास, कबीर दास जैसे संत मतों के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। श्री धनखड़ ने कहा कि भारतीय परंपरा के लिए ये गर्व का विषय है कि महानतम संत परंपरा हमारी अनुसूचित जातियों से संबंध रखती है। जिनके अनुयायी सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व भर में हैं। इस अवसर पर अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाभ सिंह आर्य ने कहा कि मनोहर सरकार ने अपने आठ साल में संत, महापुरूषों को सम्मान देकर इतिहास रचा है। हरियाणा में संत रविदास जयंती पर बड़ा आयोजन वो ही कर सकता है जो संत रविदास को चाहता है। संत रविदास जयंती के संयोजक व मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि संत रविदास ने अपनी वाणी से समाज के अंदर समरसता का भाव पैदा किया। उन्होंने अपने ज्ञान के प्रकाश से लोगों के जीवन में बदलाव लाने का किया। संत रविदास की बताई गई वाणियों और विचारों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति का भला कर रहे हैं। केंद्रीय संसदीय समिति की सदस्य एवं पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव ने संत रविदास के बारे में बोलते हुए कहा कि संत किसी जाति, संप्रदाय के नहीं होते बल्कि वे पूरे राष्ट्र के संत होते हैं और उन संतो के द्वारा जो रास्ता दिखाया जाता है उस पर चलकर हमारा जीवन सार्थक हो जाता है। आज का दिन संकल्प करने का दिन है। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि भक्तिकाल के संत और कवि रविदास को आध्यात्मिक समाज सुधारक माना जाता है। संत रविदास ने जन्म के आधार पर भेदभाव का विरोध किया था। उन्होंने धार्मिक एकता की बात की थी। संत रविदास जयंती समारोह सह संयोजक व विधायक सत्य प्रकाश जरावता ने कहा कि 2014 से पहले दलित समाज के लोग चंदा मांगकर संतों की जयंतियां मनाते थे, चीफ गेस्ट के लिए नेताओं के चक्कर काटते थे।

अमृतधारी दंपति के साथ मारपीट

धार्मिक ककारों की बेअदबी का भी आरोप

अमृतसर। अमृतसर की तहसील अजनाला के गांव खरड़ कला में एक दंपती की मारपीट कर उनके धार्मिक ककारों की बेअदबी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जसविंदर कौर निवासी गांव खरड़ कला तहसील अजनाला जिला अमृतसर ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि वह गुरसिख परिवार से संबंध रखती है तथा अमृतधारी है। उसकी रिश्तेदारी में अमन कौर देवरानी लगती है। जिसका उसके देवर मनजीत सिंह के परिवार के साथ काफी मेल जोल है। अमन कौर उनके परिवारों की बातें एक दूसरे को बताकर उनके बीच झगढ़ा करवाती है। उन्होंने कई बार अमन कौर को ऐसा करने से रोका है। मगर वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही। 24 जनवरी को वह अपने पशुओं की हवेली में खड़ी थी लगभग 12 बजे उनका देवर मनजीत सिंह अपनी पत्नी गुरविंदर कौर, बेटा हरमीत सिंह तथा गुरदीप सिंह, गुरनाम सिंह, बलराज सिंह व अमन कौर के साथ हवेली में दाखिल हुए और उनके साथ इसी रंजिश के तहत साथ मारपीट की गई। उसके सिर पर दस्तार को उतारा गया, बालों से पकड़कर कर घसीटा गया। उसके धार्मिक करारों की बेअदबी की गई।

एनसीसी की बी व सी परीक्षा की तैयारी करवाएंगे बटालियन अधिकारी

चौधरीवास स्कूल में शुरू हुआ आठ दिवसीय एनसीसी कैंप

हिसार (हिंस)। थर्ड हरियाणा कन्या बटालियन एनसीसी हिसार का निकटवर्ती गांव चौधरीवास स्थित हिंदू पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को आठ दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। यह शिविर एनसीसी ग्रुप मुख्यालय रोहतक का इस वर्ष का अंतिम शिविर है, जिसमें एनसीसी वार्षिक परीक्षा बी और सी में भाग लेने के लिए एनसीसी कैडेट्स की तैयारी करवाई जाएगी। इस कैंप कमांडेंट कर्नल धर्मेंद्र सिंह मलिक की देखरेख में 9 फरवरी तक चलने वाले इस शिविर के प्रथम दिन कैडेट्स को शिविर के कागज व कोविड की नेगेटिव रिपोर्ट को देखकर कैडेटस को कैंप में लाभ लेने की अनुमति दी गई। इस अवसर पर मेजर दिया शर्मा, लेफ्टिनेंट गुंजन शर्मा, लेफ्टिनेंट शमशेर सिंह, टीओ संदिप, सूबेदार मेजर राकेश कुमार, सूबेदार महीपाल, नायब सूबेदार हाराल व जीसीआई संगीता ने हिस्सा लिया। शिविर में थर्ड हरियाणा कन्या बटालियन एनसीसी के 130 कैडेट और एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रोहतक के तहत आने वाली एनसीसी युनिट, वन हरियाणा बटालियन एनसीसी, रोहतक, सेकंड हरियाणा कन्या बटालियान एनसीसीए रोहतक, वन हरियाणा एयर बटालियन एनसीसी हिसार, थर्ड हरियाणा बटालियन एनसीसी हिसार, 5 हरियाणा बटालियन एनसीसी गुरुग्राम, 8 हरियाणा बटालियन एनसीसी रेवाडी, 11 हरियाणा बटालियन एनसीसी भिवानी, 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी नारनौल और वन हरियाणा आर एंड वी एनसीसी हिसार के कुल मिलाकर 134 कैडेटस हिस्सा ले रहे हैं। शिविर के शुभारंभ अवसर पर कैंप कमांडेट कर्नल धर्मेंद्र सिंह मलिक ने बताया कि शिविर के दौरान अनेक गतिविधियां करवाई जाएगी। इनमें मुख्य रूप से ड्रिल, फायरिंग, खेलकूद एवं व्याख्यान आदि शामिल हैं। इसके अलावा गायन, नृत्य, पैंटिंग, सामान्य ज्ञान आदि प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी और कैडेट्स को इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित कर कोविड के नियमों का पालन करने के लिए भी जागरूक किया।

अपनी मांगों को लेकर ग्रामीण सफाईकर्मियों का प्रदर्शन

जींद (हिंस)। ग्रामीण सफाईकर्मियों ने शुक्रवार को अपनी मांगें को लेकर लघु सचिवालय के बाहर कोर्ट मोड पर धरना दिया और मांगों से संबंधित ज्ञापन तहसीलदार अजय सैनी को सौंपा। इससे पूर्व सफाई कर्मियों ने बजट की प्रतियां भी फूंकी और सरकार को खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर यूनियन के जिला प्रधान ईश्वर सिंह ने कहा कि ग्रामीण सफाईकर्मी सुविधाओं से महफूज हैं। सरकार जानते हुए भी अनजान बनी हुई है। अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। बावजूद इसके उनकी मांगें नहीं मानी जा रही हैं। उन्होंने मांग की कि ग्रामीण सफाईकर्मियों के इएसआई कार्ड खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में फ्री बनाए जाएं, उझाना ब्लॉक के सफाईकर्मियों को वर्दी भत्ता दिया जाए, उन्हें औजार उपलब्ध करवाए जाएं और समस्याओं का समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि समस्याओं के निपटान के लिए जो कमेटी बनाई जाए उसमें यूनियन के जिला प्रधान व सचिव को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर 16 फरवरी तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती हैं तो अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान सफाईकर्मियों ने बजट की प्रतियां फूंकी और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। लघु सचिवालय पहुंचकर सफाईकर्मियों ने अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन तहसीलदार अजय सैनी को सौंपा।

छात्र संगठनों ने फूंका जाट कॉलेज की प्रिंसिपल का पुतला

हिसार (हिंस)। जाट कॉलेज लेक्चरर ज्योति सांगवान के साथ हुए दुर्व्यवहार से खफा छात्रों ने सर्व छात्र संगठन के बैनर तले शुक्रवार को कॉलेज के सामने प्रिंसीपल नीलम लांबा का पुतला फूंक ा। छात्रों ने प्रिंसीपल के खिलाफ नारेबाजी की और उन पर तानाशाही का आरोप लगाया। इस अवसर पर इनेलो छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष साहिलदीप कसवां ने कहा कि प्रिंसीपल नीलम लांबा ने गत दिवस इंग्लिश लेक्चरर ज्योति सांगवान को कॉलेज के छात्रों को स्वदेशी मेला दिखा कर लाने के लिए कहा था। इस पर ज्योति सांगवान ने लिखित में आदेश की प्रति मांगी थी। प्रिंसीपल नीलम लांबा ने लिखित में ऑर्डर नहीं दिए और और इस संबंध में एक कमेटी का गठन कर दिया। इस कमेटी में डॉ. हर्षलेखा, डॉ. सरोज मलिक और डॉ. राजपाल शामिल हुए। कसवां ने बताया कि उक्त कमेटी मैंबर्स ने एक बंद कमरे में ले जाकर लेक्चरर ज्योति सांगवान से बदसलूकी की और उनके साथ मारपीट की गई। इसी के रोष स्वरूप प्रिंसीपल का पुतला जलाया गया और लेक्चरर ज्योति सांगवान के साथ दुर्व्यवहार व मारपीट करने वाले कमेटी मैंबर्स पर कार्रवाई व उन्हें न्याय दिलाए जाने की मांग की। गई। उन्होंने कहा कि सर्वछात्र संगठन इसकी कड़ी निंदा करते हैं और जल्द से जल्द जाट संस्था के इलेक्शन करवाने और प्रशासन से इस मुद्दे की जांच कर दोषियों को तुरंत प्रभाव से निलंबन करके उन पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग करते हैं। इस अवसर पर इनेलो छात्र संगठन जिला अध्यक्ष साहिलदीप कसवां के अलावा इनसो वरिष्ठ उपप्रधान शुभम, भगत सिंह ग्रुप से रजनीश भैणी, जेएसओ और एएचजी ग्रुप से अनिल हिंदवान शामिल रहे।

एबीवीपी करेगी सभी जिलों में छात्र सम्मलेन

उदयपुर (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का ये 75वां वर्ष चल रहा है जिसे परिषद द्वारा अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इसके तहत देश के प्रत्येक जिले में जिला छात्र सम्मलेन की योजना बनाई गई है। इसी योजना के तहत बांसवाडा, डूंगरपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, अजमेर, भीलवाड़ा, कोटा, बूंदी, बारां व झालावाड़ में भी 3 फरवरी से 27 फरवरी तक जिला सम्मलेन होंगे। परिषद की चित्तौड़ प्रांत इकाई के प्रांत मंत्री हर्षित ननोमा ने बताया कि जिला सम्मलेनों में जिले की सभी शिक्षण संस्थाओं, कोचिंगों, छात्रावासों से विद्यार्थी सम्मलित होंगे। सम्मलेन में उद्घाटन सत्र, प्रस्ताव सत्र होंगे। शोभायात्रा निकाली जाएगी। शहर के मुख्य स्थान पर खुला सम्मलेन होगा। प्रस्ताव सत्र में राजस्थान की वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा होगी। इस चर्चा में कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था, बेरोजगारी आदि विषयों पर युवाओ से संवाद होगा।

जोशीमठ के बाद जम्मू-कश्मीर के डोडा में भी धंस रही जमीन

जम्मू (हिंस)। उत्तराखंड के जोशीमठ के बाद अब अब जम्मू-कश्मीर के जम्मू संभाग के डोडा जिले के ठाठरी के नई बस्ती गांव में धीरे-धीरे जमीन धंसने और कई इमारतों में दरारें आने से स्थानीय लोगों की चिंता ब ? गई है। इस संबंध में एसडीएम डोडा अतहर अमीन जरगर ने बताया कि अब तक 10 से 12 इमारतों में दरारें आ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह संकट बढ़ना शुरू हो गया है और जमीन धीरे-धीरे धंस रही है। एसडीएम ने बताया कि दिसंबर में डोडा जिले के एक घर में पहली बार दरारें आने की सूचना मिली थी लेकिन अब स्थिति बढ़ गई है तथा कई इमारतों में दरारें दिखाई दे रही हैं। एसडीएम ने कहा कि क्षेत्र में जमीन के नीचे धंस के संकट का समाधान निकालने के लिए सरकार कोशिश कर रही है।

राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो का आयोजन 20 मार्च से

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में औद्योगिक विकास को विश्वपटल पर नई ऊंचाइयां देने और प्रदेश के हैंडीक्राफ्ट, वुडन एवं आयरन फर्नीचर, स्टील के बर्तन, कृषि खाद्य उत्पाद, स्टोन आर्टिकल्स, इंजीनियरिंग गुडस् क्षेत्र में निर्यात को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो का प्रथम संस्करण जोधपुर में 20 से 22 मार्च को आयोजित किया जाएगा। जोधपुर के बोरोनाड़ा स्थित ट्रेड फेसिलिटेशन सेंटर में आयोजित होने वाले इस एक्सपो में भाग लेने के लिए 28 देशों के 20 हजार से अधिक विदेशी बॉयर्स को निमंत्रण भेजा गया है। राज्य सरकार द्वारा विश्व के सभी देशों के भारतीय दूतावासों में संपर्क किया गया है। अब तक कुल 28 देशों से बायर्स की सूची प्राप्त हो चुकी है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुंतला रावत ने राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो के लोगो और ब्रॉशर लांचिंग सेरेमनी में यह बात कही। इस अवसर पर राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउसिंल (आरईपीसी) एवं राजसीको के चेयरमैन राजीव अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग एवं वाणिज्य वीनू गुप्ता और उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त महेंद्र कुमार पारख के अलावा आरईपीसी के वाईस चेयरमैन महावीर प्रसाद शर्मा भी उपस्थित थे। शकुंतला रावत ने कहा कि इंटरनेशनल एक्सपो प्रदेश में निर्यात के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। इस अंतरराष्ट्रीय एक्सपो में हस्तशिल्प से लेकर वुडन एवं आयरन फर्नीचर, सेरेमिक व अन्य उत्पादों को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर को भारत की हैंडीक्राफ्ट केपिटल कहा जाता है। देश भर से वुडन, आयरन से संबंधित हैंडीक्राफ्ट आइटम जोधपुर से निर्यात किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त हाल ही में भारत सरकार ने जोधपुर में पूर्व में संचालित इनलैण्ड कंटेनर डिपो की क्षमता विस्तार के लिए 95 करोड़ रुपए की विशेष सहायता स्वीकृत की है। इसीलिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर को इस अन्तराष्ट्रीय प्रदर्शनी के लिए चुना है। इस अवसर पर राजीव अरोड़ा ने बताया कि जोधपुर के बोरोनाड़ा स्थित ट्रेड फेसिलिटेशन सेंटर आयोजित होने वाले इस एक्सपो में भाग लेने के लिए इनमें जर्मनी, फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात, यूके, सिंगापुर, नीदरलैंड, मेक्सिको, बेलारूस, चिली, हंगरी, पुर्तगाल, वियतनाम, ताइवान, ब्राजिल, कोलंबिया के अतिरिक्त श्रीलंका, भूटान, म्यांमार, कुवैत, सूडान, कजाखस्तान, आदि देशों के बॉयर्स को एक्सपो में भाग लेने के लिए निमंत्रण भेजा गया है। राजस्थान उत्तरोत्तर बहुमुखी प्रगति के पथ पर अग्रसर है और उद्योग जगत भी इस विकास यात्रा से अछूता नहीं है। अरोड़ा ने राजस्थान निर्यात संवर्धन परिषद की सदस्यता लेने का भी आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि व्यापारियों और औद्योगिक संस्थानों को परिषद की सदस्यता लेने से मार्च में होने वाले एक्सपो सहित अन्य इवेंट्स में कई सुविधाएं दी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सदस्यता लेने के बाद ही उद्योगों को लाभ दिया जा सकेगा। आरईपीसी एवं राजसीको के चेयरमैन ने बताया कि इस एक्सपो में भाग लेने के लिए दिल्ली स्थित लगभग 25 विदेशी दूतावास के राजदूतों ने अपने व्यापारिक प्रतिनिधि भेजने के लिए सकारात्मकता दिखाई है। यूरोप, अमेरिका ,मध्य एशिया, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों के भारतीय दूतावास एवं उच्चायुक्तों के माध्यम से विदेशी क्रेताओं से संपर्क कर इस आयोजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

जैश के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

कुलगाम (हिंस)। कुलगाम जिले के मिरहमा गांव से सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर छह आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया गया है। कुलगाम पुलिस को इलाके में आतंकियों के मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिलने के तुरंत बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने एक आतंकी ठिकाने को ढूंढ निकाला, जहां से छह आतंकियों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया गया। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक मौके से चार यूबीजीएल ग्रेनेड, 446 गोलियां, तीस एके 47, दो मोर्टार शेल और अन्य आपत्तिजनक बरामद की गई है। आतंकियों से पूछताछ की जा रही है और भविष्य में और गिरफ्तारियों व बरामदगी से इनकार नहीं किया जा सकता।

No. DTV. 1/2019/18

NOTICE INVITING QUOTATIONS

Sealed quotations are hereby invited form vehicle repairing firms of Dibrugarh town for repairing the Maruti Van No. AS- 06/P- 0005 of the office of the undersigned against the repairing works mentioned below. The repairing works must be done satisfactory and the firms have to ensure use of original/genuine parts during repairing works.

Repairing works to be done

1. Steering System to be checked.
2. Clutch plate to be checked and replaced if necessary.
3. Brake system to be checked and brake pade to be replaced.
4. L/H side Rear view mirror to be fixed.
5. All doors to be checked.
6. All Seat Cover to be replaced.
7. Mobil and filter to be replaced.
8. 4 Nos. tyre to be replaced.
9. All side suspension system to be checked and bushing to be replaced.
10. Battery to be replaced.
11. Wipers blade to be replaced.

The Sealed Quotations will be received by the undersigned or by any authorized agent upto 07-02-2023 till 2.P.M. and will be opend on the same day at 3 P.M. in presence of the Quotationers or their authorized agents/ representatives.

-- Janasanyog / C/13424/22

District information And Public Relations Officer, Dibrugarh.

70 फीसद इलेक्ट्रिक वाहनों का होगा पंजीकरण : पुरोहित

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित ने कहा है कि सिटी ब्यूटीफुल तभी सही मायने में ब्यूटीफुल बनेगा, जब शहरवासी ग्रीन एंड क्लीन टेक्नॉलजी को अपनाएंगे। पुरोहित शुक्रवार को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा क्रेस्ट के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय ईवी एक्सपो 2023 के उद्घाटन के अवसर पर इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहन पॉलिसी को लागू किया जा चुका है। वर्ष 2027 तक 70 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण किया जाएगा। चंडीगढ़ में वर्ष 2030 तक पब्लिक ट्रांसपोर्ट को ईवी के रूप तब्दील किया जाएगा। पुरोहित ने कहा कि इस आयोजन से इलेक्ट्रिक व्हीकल उत्पादकों व कारोबारियों को वक मजबूत मंच मिलेगा। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरे देश के सामने बड़ी समस्या है। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहन प्रदूषण नियंत्रण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर प्रशासक के सलाहकार धर्मपाल ने कहा कि चंडीगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग प्वाइंट स्थापित किए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए मोबाइल एप लांच किया जा रहा है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री हरियाणा चैप्टर के चेयरमैन प्रणव गुप्ता ने कहा कि चैंबर की तरफ से पहली बार ईवी निर्माताओं तथा खरीददारों को एक साझा प्लेटफार्म प्रदान करने का प्रयास किया गया है। पीएचडीसीसीआई चंडीगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष मधुसूदन विज ने कहा कि भारत ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में हब बनता जा रहा है। ऑटो उद्योग भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर ई.वी का निर्माण बढ़ाना होगा। पीएचडीसीसीआई पंजाब चैप्टर के को-चेयर करण गिल्होत्रा ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चैंबर द्वारा भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को बढ़ावा दिया जाएगा। इस अवसर चंडीगढ़ के मेयर अनूप गुप्ता ने चैम्बर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन चण्डीगढ़वासियों के लिए बेहद लाभदायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर चैंबर के असिस्टेंट सैकेट्री जनरल नवीन सेठ, क्षेत्रीय निदेशक भारती सूद समेत कई गणमान्य मौजूद थे।

NIT No.3 of 2022-23

SHORT TENDER NOTICE

Sealed tender affixing non refundable Court fee Stamp worth of Rs.8.25 (Rupees Eight and paise twenty five) only are hereby invited from the Govt. Registered Valuer for valuation of unserviceable stock, T&P. numerical materials & three nos unserviceable barge under disposal of the undersigned which are going to be auctioned. under the jurisdiction of Guwahati (PHE) Division No.I . Tenders duly issued will be received up to 2 PM on 13/2/2023 and will be opened on the same date & hour in presence of tenderers or their authorized agent who like to be present. If the tender could not be opened due to unavoidable circumstances as the same will be opened on immediate next working day for which no separate communication will be made to anybody. The under signed reserves the right to accept or reject any or all tender without assigning any reason thereof.

Terms & condition-

1. Detail notice inviting tender & specification may have from the office of the under signed on all working days except Sunday & holidays on payment of Rs 200.00 (Rupees two hundred) only (non refundable) up to 2 PM of 13/2/2023
2. Rates are to be quoted in figure & letters.
3. GST &IT clearance certificate must be produced along with the tender paper.
4. Photo copy of PAN card & Up to date registration must be produced along with the tender paper

Sd/-
Executive Engineer (PHE)
Guwahati Division No.II
Guwahati - 21.

-- Janasanyog / C/19352/22

तालिबान ने भारतीय बजट 2023 का किया स्वागत, कहा- राष्ट्रों के बीच संबंध सुधारने में मिलेगी मदद

काबुल।

बजट-2023 को लेकर भारत में माहौल अभी भी गर्म है। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को केंद्रीय बजट 2023-2024 पेश किया, जिसको लेकर कुछ लोगों ने अच्छा तो कुछ ने निराश कर देने वाला बजट बताया। वहीं तालिबान को भारतीय बजट 2023-2024 काफी भाया है। मीडिया खबरों के मुताबिक तालिबान ने गुरुवार को भारत के केंद्रीय बजट 2023-2024 का स्वागत किया और कहा कि अफगानिस्तान के लिए भारत द्वारा की गई सहायता की घोषणा से दोनों देशों के बीच संबंधों और विश्वास को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

अफगानिस्तान को 2.5 करोड़ डॉलर के विकास सहायता पैकेज का प्रस्ताव - तालिबान की यह टिप्पणी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा केंद्रीय बजट में अफगानिस्तान के लिए 2.5 करोड़ डॉलर के विकास सहायता पैकेज के प्रस्ताव के बाद आई है। सीतारमण ने बुधवार सुबह 11 बजे अपना बजट भाषण शुरू किया, जो मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट है। पिछले दो केंद्रीय बजटों की तरह 2023-24 का बजट भी पेपरलेस रूप में पेश किया गया है।

तालिबान राज से पहले अफगानिस्तान में चल रहीं थी विकास परियोजनाएं - भारत के बजट का स्वागत करते हुए तालिबान के सदस्य सुहैल शाहीन ने कहा कि हम अफगानिस्तान के विकास के लिए भारत के समर्थन की सराहना करते हैं। यह दोनों देशों के बीच संबंधों और विश्वास को बेहतर बनाने में मदद करेगा। बता दें कि अगस्त 2021 में तालिबान ने काबुल में सत्ता पर कब्जा कर लिया था इसके बाद अफगानिस्तान और भारत के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए और भारत द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को रोक दिया था।

भारत ने 200 करोड़ रुपये देने का वादा किया - तालिबान के सदस्य सुहैल शाहीन ने खामा प्रेस को बताया कि पहले अफगानिस्तान में ऐसी कई परियोजनाएं थीं, जिनको भारत फंडिंग कर रहा था। अगर भारत इन परियोजनाओं पर काम फिर से शुरू करता है, तो इससे दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ावा मिलेगा और अविश्वास खत्म होगा। भारत ने अफगानिस्तान को विकास सहायता में 200 करोड़ रुपये देने का वादा किया है।

न्यूज ब्रीफ

अमूल दूध 3 रुपए महंगा हुआः गोल्ड 66 रुपए लीटर और फ्रेश 54 रुपए लीटर मिलेगा; बढ़ी हुई कीमत लागू

नई दिल्ली। अमूल ने दूध के दाम तीन रुपए लीटर बढ़ा दिए हैं। गुजरात डेयरी को-ऑपरेटिव ने कहा है कि नई कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। अब अमूल गोल्ड की कीमत 66 रुपए प्रति लीटर, अमूल फ्रेश की कीमत 54 रुपए प्रति लीटर, अमूल गाय के दूध की कीमत 56 रुपए प्रति लीटर और अमूल 2 भैंस के दूध की कीमत 70 रुपए प्रति लीटर हो गई है। अमूल ने अक्टूबर में भी दूध के दाम में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। दूध की कीमतें बढ़ाने को लेकर अमूल ने कहा, ऑपरेशन और प्रोडक्शन की कुल लागत में बढ़ोतरी के कारण दूध के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले साल की तुलना में पशु चारे की कीमत ही करीब 20प्रतिशत बढ़ चुकी है। इनपुट लागत में बढ़ने के कारण हमारी मेंबर यूनियन ने किसानों से खरीदे जाने वाले दूध की कीमतों में पिछले साल की तुलना में 8-9प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। पिछले 10 महीनों में दूध के दाम 12 रुपए तक बढ़े हैं। इससे पहले करीब सात साल तक दूध के दाम नहीं बढ़े थे। दूध की कीमतों में अप्रैल 2013 और मई 2014 के बीच 8 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। चूंकि गर्मियों में दूध का उत्पादन घट जाता है, इस वजह से दुग्ध कंपनियों को पशुपालकों को अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। इसलिए एक्सपर्ट्स ने आने वाले दिनों में दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका जताई है। अमूल दूध के दाम बढ़ने के बाद कांग्रेस ने भाजपा के 'अच्छे दिन' वाले नारे का जिक्र कर चुटकी ली है। कांग्रेस ने ट्वीट कर कहा, 'अमूल दूध 3 रुपए तक महंगा हो गया. पिछले एक साल में 8 रुपए दाम बढ़े हैं. फरवरी 2022 में अमूल गोल्ड की कीमत 58 रुपए प्रति लीटर थी, फरवरी 2023 में अमूल गोल्ड 66 रुपए प्रति लीटर हो गया।

सोने के दाम एक महीने में 3460 रुपये बढ़े, चांदी भी 71666 रुपये किलो पर पहुंची

नई दिल्ली। सोने की कीमतें पिछले एक महीने में 3,460 रुपये बढ़कर 58,680 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई हैं। यह अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। 31 दिसंबर, 2022 को इसका भाव 55,220 रुपये था। सोने की कीमतों में बृहस्पतिवार को 770 रुपये की बढ़त आई। बुधवार को यह एक हजार रुपये से ज्यादा बढ़ गया था। इस तरह, दो दिन में ही इसमें 1,800 रुपये के करीब तेजी आई है। उधर, बृहस्पतिवार को चांदी भी 1,491 रुपये बढ़कर 71,666 रुपये किलो पर पहुंच गई है। हालांकि, दिसंबर की तुलना में यह करीब उसी भाव पर है। विदेशी बाजारों में सोना 1,956 डॉलर प्रति औंस था जबकि चांदी 24.15 डॉलर प्रति औंस थी। उधर, बृहस्पतिवार को यूरोपियन केंद्रीय बैंक और बैंक ऑफ इंग्लैंड ने ब्याज दरों में इजाफा कर दिया। विश्लेषकों के मुताबिक, लगातार बढ़ रही ब्याज दरों और चिंताओं के बीच सोना महंगा होता जा रहा है।

खत्म नहीं होगा अप्रत्याशित लाभ कर, इस साल 25000 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद

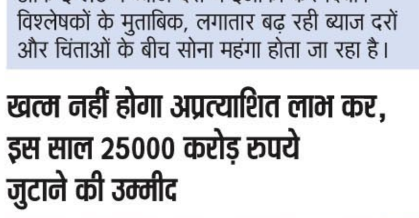

नई दिल्ली। अप्रत्याशित लाभ कर व्यवस्था को खत्म नहीं किया जाएगा इससे सरकार को चालू वित्त वर्ष में करीब 25,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल व ईंधन के निर्यात पर सात माह पहले अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन विवेक जौहरी ने कहा कि यह कर अभी जारी रहेगा, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें फिर से बढ़ रही हैं। इसके अलावा, भू-राजनीतिक हालात अस्थिर बने हुए हैं। ऐसे में यह अनुमान लगाना मुश्किल होगा कि अप्रत्याशित लाभ कर कब तक जारी रहेगा। वहीं, राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा, बजट में चालू वित्त वर्ष में अप्रत्याशित लाभ कर से 25,000 करोड़ जुटाने का अनुमान है। जौहरी ने कहा, खुदरा कीमतों में कमी लाने के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में दो बार कटौती करने से 2022-23 में उत्पाद शुल्क संग्रह में गिरावट आई है।

इन्फ्रा में निवेश बढ़ाने से वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में बढ़ेगा भारत, कृषि को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली।

आम बजट की घोषणाएं छोटे अप्लायंसेज, पैकेज्ड उत्पाद, छोटी कारों और दोपहिया वाहनों की घरेलू मांग को बढ़ा सकती हैं। डाबर इंडिया लिमिटेड के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा कि बजट उपभोक्ता वर्ग और विशेष रूप से मध्यम वर्ग की जेब में अधिक आय डालने का वादा करता है। बुनियादी ढांचे के विकास पर पूंजीगत खर्च में 33 फीसदी वृद्धि सबसे सकारात्मक बात है, जो भारत को वैश्विक शक्ति बनाने की ओर ले जाएगा।

10 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे बुनियादी ढांचे के विकास पर, जो 33 फीसदी ज्यादा

उन्होंने कहा कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए हर साल 10,000 करोड़ रुपये का अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड बनाने का सरकार का फैसला समग्र उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाने और रोजगार पैदा करने में मदद करेगा।

कृषि अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन एवं सीईओ पवन मुंजाल ने कहा कि पूंजीगत निवेश, एग्री-क्रेडिट, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कर्ज और कम टैक्स स्लैब के बजट प्रस्तावों से खर्च करने योग्य आय बढ़ेगी। इससे वाहन क्षेत्र के विकास में मदद मिलेगी।

गोदरेज अप्लायंसेज के कार्यकारी उपाध्यक्ष कमल नंदी ने कहा, यह प्रगतिशील बजट है। इसमें विकास दर, बुनियादी ढांचे में निवेश और कृषि अर्थव्यवस्था पर ध्यान दिया गया है। बड़े उपकरणों की बिक्री पिछले साल सुस्त रही है। लेकिन, कमोडिटी की कीमतों में नरमी से इस साल बिक्री में तेजी दिख सकती है।

वेश में वृद्धि से विकास दर को मिलेगी रफ्तार

मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा, बजट निवेश और विकास को बढ़ावा देगा। पुराने सरकारी वाहनों की स्क्रैपिंग से वाहनों की मांग थोड़ी बढ़ सकती है। सरकार अगर इसके लिए कुछ धन आवंटित करती तो वाहनों की मांग और बढ़ जाएगी।

जैफरीज के विश्लेषकों का दावा

आयकर में कटौती से 15 लाख रुपये से कम कमाई वाले व्यक्तियों के लिए 2-4 फीसदी की अतिरिक्त बचत होगी

कुछ चिंताएं भी, जिनको दूर करने के लिए घोषणाएं काफी नहीं

विश्लेषकों का कहना है कि आम चुनाव से पहले मोदी सरकार के अंतिम पूर्ण बजट में व्यक्तिगत आयकर दरों में किया गया संशोधन ग्रामीण भारत में मांग बढ़ाने के लिए काफी नहीं है। उनका कहना है कि उच्च महंगाई लंबे समय से घरेलू खपत को प्रभावित कर रही है। विशेष रूप से ग्रामीण बाजारों में, जहां उपभोक्ता विवेकाधीन खर्च से बचते हुए दैनिक खर्चों पर ध्यान देने की कोशिश कर रहे हैं। कमोडिटी की कीमतों में नरमी देरी से आई है।

अनाज, दूध और दाल समेत अन्य कच्चे माल की लागत अब भी पिछले साल के मुकाबले 25-40 फीसदी अधिक है। ऐसे में कंपनियों को कीमतों में बढ़ोतरी का बोझ उपभोक्ताओं पर डालने पर मजबूर होना पड़ा। इससे मांग प्रभावित हुई है।

विश्लेषकों ने कहा, लोग अपनी जरूरी खर्चों में कटौती कर रहे हैं। व्यक्तिगत आयकर दरों में संशोधन से जो अतिरिक्त राशि उनके हाथ में आएगी, वह उतनी बड़ी नहीं होगी कि लोगों को खर्च करने की अतिरिक्त आजादी दे। 15 लाख की सालाना कमाई वाले लोगों के लिए संशोधन उतना महत्वपूर्ण नहीं है।

संकट के बीच अदाणी ग्रुप ने किया शेड्यूल यूएस बांड भुगतान, जारी हो सकती है क्रेडिट रिपोर्ट

नई दिल्ली।

अदाणी समूह की संस्थाओं ने गुरुवार को बकाया अमेरिकी डॉलर मूल्यवर्ग के बॉन्ड पर शेड्यूल कूपन भुगतान किया। एक बॉन्डधारक और भारतीय समूह की रणनीति के जानकार एक स्रोत ने ये जानकारी दी। भारतीय अरबपति गौतम अदाणी पिछले सप्ताह हिंडनबर्ग रिसर्च की महत्वपूर्ण रिपोर्ट के बाद भारत और इसके अमेरिकी बॉन्ड में अपने शेयरों को लेकर मुश्किलों में उलझे हैं। अदाणी समूह ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

24 मिलियन डॉलर का ब्याज भुगतान देय था

रिपोर्ट से पता चलता है कि 2031, 2032 और 2041 में अदाणी पोर्ट्स और विशेष आर्थिक क्षेत्र द्वारा जारी किए गए तीन बांड्स पर 2 फरवरी को लगभग 24 मिलियन डॉलर का ब्याज भुगतान देय था। ब्रोकरेज सीएलएसए ने 26 जनवरी की रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि अदाणी समूह की शीर्ष पांच कंपनियों - अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स, अदाणी पावर, अदाणी ग्रीन और अदाणी ट्रांसमिशन का समेकित ऋण 2.1 ट्रिलियन भारतीय रुपये (25.60 बिलियन डॉलर) था। सीएलएसए नोट में कहा गया है कि बैंक ऋण कुल ऋण का सिर्फ 38प्रतिशत है, जबकि बांड/सीपी (वाणिज्यिक पत्र) 37प्रतिशत हैं। अदाणी की संपत्ति हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ी है, लेकिन अमेरिका स्थित हिंडनबर्ग द्वारा 24 जनवरी को अपनी महत्वपूर्ण शोध रिपोर्ट प्रकाशित करने के एक हफ्ते बाद ही इसमें भारी गिरावट आई है। समूह के डॉलर बॉन्ड गुरुवार को घाटे में चले गए, इसके एक दिन बाद इसके प्रमुख अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने एक झटके में 2.5 बिलियन डॉलर की शेयर बिक्री बंद कर दी। सितंबर 2024 में परिपक्व होने वाले अदाणी ग्रीन के बॉन्ड के नुकसान में 11.69 सेंट गिरकर 60.56 सेंट हो गया, जो जारी होने के बाद से सबसे कम है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन, अदाणी ट्रांसमिशन और अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई के अमेरिकी डॉलर-वाले बॉन्ड भी नीचे कारोबार कर रहे थे। इस स्रोत ने कहा कि अदाणी शुक्रवार शाम तक एक विस्तृत क्रेडिट रिपोर्ट जारी करेंगे, जो उन मुद्दों पर आधारित होगी जो (ए) क्रेडिट के दृष्टिकोण से कोई लिक्विडिटी (इश्यू), कोई नकदी (इश्यू), कोई अन्य इश्यू नहीं है। सूत्र ने कहा कि बॉन्ड के लिए कूपन भुगतान सामान्य रूप से जारी रहेगा, इसका शेयर की कीमत में गिरावट या समूह की मौजूदा चुनौतियों से कोई लेना-देना नहीं है।

आयकर कानूनों में प्रस्तावित बदलावों का स्टार्टअप पर कोई असर नहीं, गोयल ने कहा- मिलेगी मदद

नई दिल्ली।

सरकार के मान्यता प्राप्त स्टार्टअप विदेशी संस्थाओं को शेयर जारी करने के संबंध में आयकर कानूनों में प्रस्तावित बदलावों से प्रभावित नहीं होंगे। डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) के सचिव अनुराग जैन ने कहा कि कंपनियां या स्टार्टअप जो डीपीआईआईटी की मान्यता नहीं हैं, उन्हें आयकर अधिनियम की धारा 56 (2) में प्रस्तावित संशोधनों के तहत कवर किया जाएगा। धारा 56(2) में एक स्टार्टअप के अपने उचित बाजार मूल्य से अधिक की राशि को अन्य स्रोतों से आय के रूप में माना जाएगा। उस पर 30 फीसदी कर लगाया जाएगा। स्टार्टअप उद्यमों में एंजेल निवेशकों के निवेश पर इसके प्रभाव के कारण इसे एंजल टैक्स करार दिया गया है। जैन ने कहा कि जो स्टार्टअप विभाग के साथ पंजीकृत नहीं हैं, वे धारा के संशोधित प्रावधानों में आएंगे।

स्टार्टअप इकोसिस्टम को मिलेगी मदद- गोयल

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार स्टार्टअप परिवेश को निरंतर समर्थन दे रही है। स्टार्टअप इंडिया पहल की शुरुआत के बाद से देश ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि की है। मेरा मानना है कि यह बजट स्टार्टअप परिवेश को निश्चित ही अच्छा-खासा समर्थन और मदद देगा जिससे कि यह आने वाले वर्षों में फल-फूल सके। गोयल ने कहा कि बजट में कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा देने और कृषि-उद्यमी बनाने पर भी ध्यान दिया गया है। इससे कोल्ड स्टोरेज, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन के लिए बेहतर विचारों को भी बढ़ावा मिलेगा। बजट में ग्रामीण क्षेत्रों में युवा उद्यमियों द्वारा कृषि-स्टार्टअप इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार एक कृषि त्वरित कोष (एएएफ) स्थापित करेगी।

बजट में राजकोषीय मजबूती के साथ खर्च पर नाटकीय दांव, नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने रखी अपनी बात

नई दिल्ली।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि बजट में सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें कोई हैरत न होते हुए भी राजकोषीय मजबूती की राह पर चलते हुए पूंजीगत खर्च पर नाटकीय दांव लगाया गया है। उन्होंने 2023-24 के बजट को जिम्मेदार बताते हुए कहा, इसमें सामाजिक क्षेत्र खासकर महिलाओं एवं आदिवासी कल्याण की योजनाओं पर तवज्जो बरकरार रखी गई है। राजकोषीय सजगता को लेकर प्रधानमंत्री का जोर देना वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को राह दिखा रहा है। वित्त मंत्री का मानना है कि भारत के हित राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर बने रहने से ही सधेंगे। इस वजह से हैरत में डालने वाली कोई चीज नहीं दिखी। बजट में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 5.9 फीसदी रखने के साथ ही बुनियादी ढांचे पर सार्वजनिक निवेश को 33 फीसदी बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा गया है। राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक कम कर 4.5 फीसदी पर लाने की मंशा भी जताई गई है। इस संदर्भ में नीति आयोग उपाध्यक्ष ने कहा, पूंजीगत खर्च पर केंद्र सरकार का नाटकीय दांव और राज्यों को पूंजीगत खर्च समर्थन रेवड़ियां बांटने और लोकलुभावन कदमों के ठीक उलट है।

मंदी से निपटने व घरेलू मांग बढ़ाने की कोशिश

बेरी ने कहा कि इस बजट में नारी शक्ति और टिकाऊपन दो अन्य ऐसे विषय हैं, जो एक-दूसरे के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंदी की गहराती आशंकाओं के बीच अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिकूल स्थितियां मौजूद हैं, लेकिन यह बजट उससे निपटने की कोशिश है। हालांकि, वैश्विक आर्थिक वृद्धि के नरम रहने और निर्यात के तेजी न पकड़ पाने की स्थिति में घरेलू मांग को तेज करने के प्रयासों की जरूरत पड़ेगी।

बिना पैन कार्ड के ईपीएफ से पैसा निकालने पर अब 20 फीसदी टीडीएस, जिनका पैन रिकॉर्ड में नहीं उन्हें होगा लाभ

नई दिल्ली।

अगर आप कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) से पैसा निकालते हैं तो राहत की बात है। अगर आप बिना पैन कार्ड के ईपीएफ से रकम निकालते हैं तो अब इस पर 20 फीसदी टैक्स लगेगा, जो पहले 30 फीसदी हुआ करता था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को बजट में इसका एलान किया। कर्मचारियों की भविष्य निधि से निकासी पर काटे गए कर में यह कमी उन वेतनभोगियों की मदद करने वाली है, जिनका पैन ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) के रिकॉर्ड में अपडेट नहीं किया गया है।

EPFO
Employees Provident Fund Organisation

खाता खोलने के पांच साल के भीतर ईपीएफ निकासी पर काटा जाता है टीडीएस - मौजूदा आयकर कानूनों के अनुसार, खाता खोलने के पांच साल के भीतर ईपीएफ निकासी पर टीडीएस काटा जाता है। यदि ईपीएफओ के पास पैन उपलब्ध है, तो निकासी राशि 50,000 रुपये से अधिक होने पर 10 फीसदी की दर से टीडीएस काटा जाता है। हालांकि, इसके रिफंड का दावा आप कर सकते हैं।

बजट 2023 के अनुसार, कम वेतन पाने वाले कई कर्मचारियों के पास पैन नहीं है और इस तरह धारा 192ए के तहत उनके मामलों में अधिकतम दर पर टीडीएस काटा जा रहा है। पैन देने में विफल होने की स्थिति में 10 फीसदी कम कर काटा जाएगा। एक ईपीएफ खाताधारक ईपीएफओ को फॉर्म 15एच या फॉर्म 15जी जमा कर सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ईपीएफ खाते से निकासी पर कोई टीडीएस नहीं काटा जाता है। फॉर्म 15जी 60 साल से कम उम्र के लोगों के लिए है और फॉर्म 15एच 60 साल से ज्यादा उम्र वालों के लिए है।

पांच साल से पहले निकालेंगे तो टीडीएस लगेगा - 5 साल की अवधि पूरी होने से पहले अगर ईपीएफ से 50 हजार रुपये से कम निकासी होती है तो टीडीएस नहीं कटता है। लेकिन अगर 5 साल की अवधि पूरी होने से पहले 50 हजार रुपये से ज्यादा रकम निकाली जाती है तो टीडीएस कटेगा। अगर कोई नौकरी बदलता है और पुराने ईपीएफ को जारी रखता है, तब भी निकासी पर टीडीएस नहीं कटता है, बशर्ते 5 साल और 50,000 रुपये वाली शर्त पूरी हो रही हो।

बिना दावे वाले शेयरों और लाभांश को पाने के लिए बनेगा आईटी पोर्टल - बिना दावा वाले शेयरों और बिना भुगतान वाले लाभांश को आप फिर से ले सकते हैं। इसके लिए एक विशेष पोर्टल बनाया जाएगा। सीए केपी सिंह कहते हैं कि सरकार के जरिए उठाया गया यह कदम लोगों को फायदा पहुंचाएगा और दावा की प्रक्रिया आसान होगी। अंतिम लाभांश की घोषणा वित्त वर्ष के अंत में की जाती है।

जल्द ही आएगा कॉमन आईटीआर फॉर्म - आयकर रिटर्न भरने वालों के लिए भी बजट में घोषणा हुई है। कॉमन आईटीआर फॉर्म जल्द ही उपलब्ध होगा। इसके अलावा, आईटी शिकायत निवारण तंत्र को बढ़ाने के लिए भी सरकार योजना बना रही है। ज्यादातर आईटीआर की 24 घंटे में प्रक्रिया पूरी हो जाती है। लेकिन नए फॉर्म से और जल्दी यह काम होगा।

फोन पर को-स्ट्रीम के लिए यूट्यूब ने क्रिएटर्स के लिए गो लाइव टुगेदर रिलीज किया

सैन फ्रांसिस्को। यूट्यूब ने क्रिएटर्स के लिए गो लाइव टुगेदर रिलीज किया, ताकि वे फोन पर को-लाइवस्ट्रीम करने और फोन पर अतिथि को आमंत्रित कर सकें। कंपनी ने इस बात की जानकारी अपने टीम यूट्यूब अकाउंट से ट्विटर पर शेयर करते हुए कहा, प्रस्तुत है गो लाइव टुगेदर, आसानी से को-स्ट्रीम शुरू करने और अतिथि को आमंत्रित करने का एक नया तरीका, सब कुछ अपने फोन से! को-स्ट्रीम होस्ट करने के लिए क्रिएटर्स को 50 से अधिक सब्सक्रिप्शन चाहिए, लेकिन मेहमान कोई भी हो सकता है! वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने यह भी संकेत दिया कि वह डेस्कटॉप वर्जन पर यूट्यूब को फीचर पेश कर सकता है। टीमयूट्यूब ने ट्वीट किया, हमारे शुरूआती परीक्षणों से, हम जानते हैं कि आप में से बहुत से लोग इस फीचर को डेस्कटॉप पर देखने के लिए उत्साहित हैं ताकि आप यूट्यूब से सीधे अपने कंप्यूटर पर सह-स्ट्रीम कर सकें, यह कुछ ऐसा है जिसे हम अभी भी एक्सप्लोर कर रहे हैं। इसके अलावा, क्रिएटर अपने कंप्यूटर का उपयोग गेस्ट के साथ लाइव स्ट्रीम शेड्यूल करने के लिए कर सकते हैं और फिर अपने फोन से लाइव हो सकते हैं। वे तुरंत अपने मोबाइल डिवाइस से भी लाइव हो सकते हैं। साथ ही, क्रिएटर्स अपनी लाइव स्ट्रीम में मौजूद मेहमानों को बदल सकते हैं, लेकिन वे वहां एक बार में केवल एक ही व्यक्ति रख सकते हैं। गेस्ट को आमंत्रित करने के बाद, उनकी स्ट्रीम फीड उनके गेस्ट के ऊपर दिखाई देगी।

ठान एक के बाद एक तोड़ती जा रही है रिकॉर्ड

-किंग खान जबरदस्त एक्शन करते आ रहे हैं नजर

मुंबई (ईएमएस)। पठान के माध्यम से एक्टर शाहरूख खान ने चार साल बाद बॉलीवुड में वापसी की है। फिल्म पठान एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़ती जा रही है। इस फिल्म की खास बात यह है कि इसमें किंग खान जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं। ऐसे में जॉन अब्राहम ने कहा- सबको लगता है कि मैं एक्शन हीरो हूं लेकिन आज मैं दावे से कह सकता हूं कि शाहरुख इस देश के सबसे बड़े एक्शन हीरो हैं। अभिनेता ने पठान स्टार कास्ट प्रेस मीट में कहा-जब पहली बार में शाहरुख खान के साथ एक्शन सीन कर रहा था तो उन्होंने कहा मुझे मारो मैंने मना कर दिया। क्योंकि आप नेशनल क्रश हैं लेकिन उन्होंने काफी साथ दिया। जहां एक तरफ जॉन अब्राहम सुपर हीरो की तारीफें करते नहीं थक रहे थे तो वहीं दूसरी तरफ शाहरुख ने स्टेज में कुछ ऐसा कर दिया जिसे देख सभी हैरान रह गए। दरअसल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जॉन अपनी बात कर रहे थे तब शाहरुख आकर उन्हें किस कर देते हैं। इसके बाद वह कहते हैं- मैंने कई बार दीपिका को किस किया है और यह जॉन के साथ पहली बार हुआ है और यह अलग था.।

ऐसे में जॉन हैरानी जताते हुए कहते हैं कि- इतना प्यार पहली बार मुझे लगता है कि मैं शरमा रहा हूं। इतना ही नहीं इस दौरान दीपिका पादुकोण भी कुछ अलग ही मूड में दिखाई दी। उन्होंने सभी के सामने अपने फेवरेट शाहरुख के गालों पर किस कर दिया। ये देख जहां हर कोई हैरान रह गया तो वहीं शाहरुख तो शर्म से ऐसे लाल हुए कि गालों पर डिंपल पड़ गया। इसके अलावा दीपिका चारों तरफ अपना नाम सुनकर इमोशनल हो गई।

उन्होंने कहा- फैंस से मिल रहे प्यार और सपोर्ट को देखकर बहुत अच्छा लगता है। बता दें कि यशराज बैनर तले बनी सिद्धार्थ आनंद निर्देशित पठान में शाहरुख खान दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की मुख्य भूमिका है। फिल्म पठान 25 जनवरी को रिलीज हुयी है।

शादी में जमकर नाचे आमिर खान और कार्तिक आर्यन

-वायरल हुआ प्राइवेट वेडिंग का वीडियो

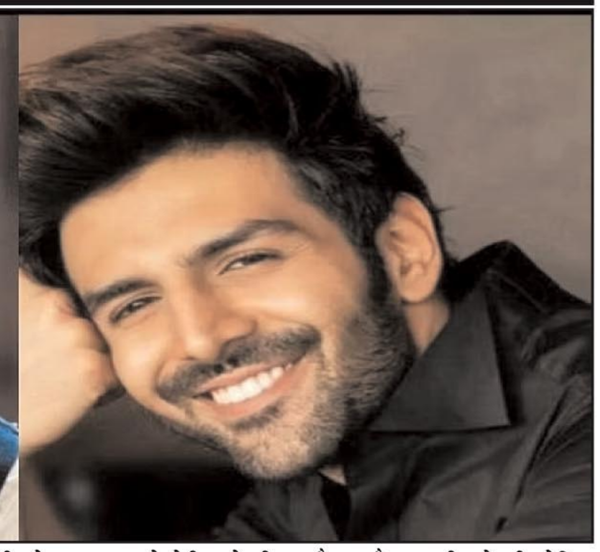

मुंबई(ईएमएस)। बीते दिनों भोपाल में हुई एक शादी में आमिर खान और कार्तिक आर्यन ने शिरकत की थी। शादी में दोनों ने जमकर ठूमके लगाए। प्रियंका चोपड़ा रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर पर फिल्माए गाने तूने मारी एंट्री पर दोनों का डांस वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। आमिर और कार्तिक को मस्ती में यूं डांस करते देखना लोगों को काफी अच्छा लग रहा है। यह पहला मौका है जब दोनों सितारे एक साथ किसी इवेंट में यूं मस्ती करते दिखे हैं। आमिर और कार्तिक दोनों ने ही ब्लैक आउटफिट कैरी किया हुआ था। वीडियो में कार्तिक जहां गाने के डांस स्टेप करने की कोशिश करते दिख रहे हैं। वहीं आमिर अपने अंदाज में नाचते दिख रहे हैं। आमिर ने पिछले साल एक्टिंग से कुछ समय का ब्रेक लेने की बात कही थी। आमिर का कहना था मैं बीते 35 सालों से काम कर रहा हूं। इस दौरान मेरा सिर्फ काम पर फोकस रहा। मेरे इर्द गिर्द जो लोग थे मैंने उनके साथ सही से वक्त ही नहीं गुजारा। ऐसे में अब ब्रेक लेकर अपने करीबी लोगों के साथ समय बिताना चाहता हूं। शादी में 57 साल के आमिर को नाचते देख लग रहा है कि वे अपने हर पल को एंजॉय करने की कोशिश कर रहे हैं। फंक्शन के दौरान आमिर खान ने अपनी आवाज का जादू भी बिखेरा। उन्होंने अपनी हिट फिल्म राजा हिंदुस्तानी को गाना आए हो मेरी जिंदगी स्टेज पर सुनाया। आमिर के साथ कार्तिक भी गाने पर होंठ हिलाते दिखे। आमिर के साथ शादी में मौजूद सभी लोग झूमते दिखे। कार्तिक ने भी इस दौरान कौन नच दी गाने की कोशिश की। इस दौरान ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आए दोनों कलाकारों ने बॉलीवुड गानों पर जमकर कदम थिरकाए।

शेखर का लव नामक अपने पहले गाने का ट्रैक रिलीज

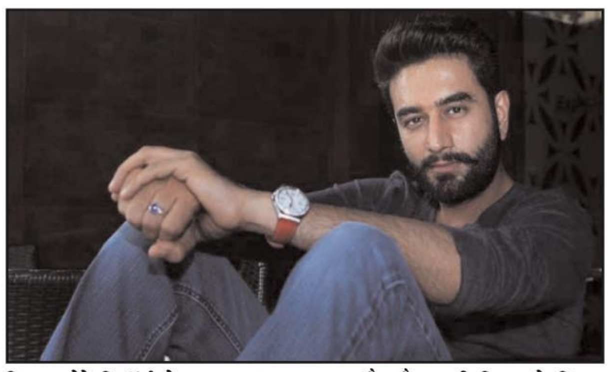

बालीवुड फिल्मों के संगीतकार और गायक शेखर रवजियानी ने अपना लव नामक पहला ट्रैक रिलीज कर दिया है। शेखर और गरुड़ मुसिक द्वारा दिया गया पहला गाना लव एक पॉप बैलाड है। इस गीत के साथ शेखर ने एक पूरी नई ध्वनि की खोज की है जो संगीत के ताजा अनूठे ब्रांड को उच्च स्तर पर ले जाएगा। गाने के बारे में बात करते हुए शेखर ने कहा लव दिल से उस प्यार की घोषणा है जो एक लड़का एक लड़की के लिए महसूस करता है। इस तरह का प्यार दो लोगों के बीच होना तय है। यह गीत मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह से आता है और मुझे खुशी है कि यह मेरे रिकॉर्ड लेबल गरुदा मुसिक के माध्यम से मेरी पहली रिलीज है। अभी और आने बाकी हैं। गाने को शेखर रवजियानी ने कंपोज और गाया है और रश्मी विराग ने लिखा है। वैलेंटाइन्स डे से पहले रिलीज किया गया गाना लव बेहद आत्मीय और प्रासंगिक है।

दिव्यांका ने लिया रॉयल इनफिल्ड मेटियोर 350 पर राइडिंग का मजा

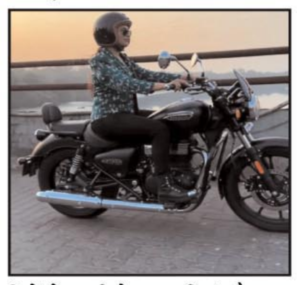

हाल ही में टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने रॉयल इनफिल्ड मेटियोर 350 बाइक खरीदी है। दिव्यांका ने अपनी नई बाइक की सवारी का आनंद लेते हुए एक वीडियो भी शेयर किया है। इस बाइक की कीमत 2.01 लाख रुपये एक्स-शोरूम से शुरू होती है और 2.19 लाख रुपये एक्स-शोरूम तक जाती है। शेयर किए गए वीडियो में दिव्यांका त्रिपाठी प्रिंटेड ग्रीन शर्ट और ब्लैक पैंट में नजर आ रही है। इसके साथ एक्ट्रेस ने राइडिंग बूट हेलमेट और ब्लैक शेड्स लगाए हुए हैं। इस लुक में एक्ट्रेस बेहद जच रही है। दिव्यांका शहर की सड़कों पर बाइक की सवारी करती हुई दिखाई दे रही है। वीडियो शेयर करते हुए दिव्यांका ने लिखा- मैं पिछले कुछ दिनों से खुशी से झूम रही हूं और इस्का कारण यह है कि मैंने खुद को यह नया बच्चा गिफ्ट किया है! बड़े सपने देखने और इसे हासिल करने जैसा रोमांचकारी कुछ भी नहीं है। #माईन्यूबाइक #बाइकरगर्ल्स फैंस इस वीडियो को खूब लाइक कर रहे हैं। यह एनालॉग और डिजिटल मीटर दोनों का संयोजन है।

कृष्णा अभिषेक के बाद अब सिद्धार्थ सागर ने भी छोड़ा द कपिल शर्मा शो

मुंबई (ईएमएस)। पिछले सात सालों से दर्शकों को कॉमेडी की डोज से एंटरटेन करने वाला द कपिल शर्मा शो फिर एक बार खबरों में है। पिछले साल सिंतबर में शो नए सीजन के साथ आया था तब कृष्णा अभिषेक ने कम पैसे मिलने को लेकर छोड़ दिया था उसके बाद चंदन प्रभाकर भी शो से अलग हो गए क्योंकि उन्होंने एक फिल्म साइन कर ली है। अब एक और कॉमेडियन इस शो को अलविदा कहने वाला है। सिद्धार्थ सागर ने कपिल शर्मा का शो छोड़ने की पूरी तैयारी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो सिद्धार्थ सागर को जो फीस मिलती है उसको लेकर उन्हें शो के निमार्ताओं के साथ इशू है। सिद्धार्थ चाहते हैं कि उनकी फीस बढ़ाई जाए लेकिन निमार्ता इसके लिए तैयार नहीं हैं। इस वजह से सिद्धार्थ ने शो छोड़ने का फैसला किया है। सिद्धार्थ द कपिल शर्मा शो की वजह से मुंबई शिफ्ट हुए थे लेकिन अब वह अपने घर दिल्ली लौट गए हैं। शो में अब सिद्धार्थ के लौटने की संभावना काफी कम है। सिद्धार्थ शो में अलग-अलग कैरेक्टर्स के साथ आते हैं। कभी वह सेल्फी मौसी तो कभी उस्ताद घरछोड़दास और कभी फनवीर सिंह बनकर शो में जान डाल देते हैं। जब सिद्धार्थ से इस बारे में बात की तो उन्होंने शुरू में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है अभी मैं इसके बारे में कुछ नहीं बोल सकता क्योंकि हमारी बातचीत अभी जारी है। इससे पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कृष्णा अभिषेक ने कहा था कि कपिल और मैं जल्द ही एक साथ आने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा था कि शो को लेकर हमारे बीच कोई मतभेद नहीं रहा है और हम लंबे समय से एक साथ आने का इंतजार कर रहे हैं। माना जा रहा है कि मौजूदा सीजन में या अगले सीजन में कृष्णा द कपिल शर्मा शो में फिर से एंट्री कर सकते हैं। द कपिल शर्मा शो 2016 में लॉन्च हुआ था और तब से भारतीय टेलीविजन का सबसे चर्चित कॉमेडी शो बना हुआ है। इसमें अब कपिल शर्मा के अलावा सुमोना चक्रवर्ती कीकू शारदा राजीव ठाकुर जैसे चेहरे बचे हुए हैं। द कपिल शर्मा शो में कॉमेडियनों के छोड़ने का सिलसिला नया नहीं है। कृष्णा अभिषेक और चंदन प्रभाकर के साथ-साथ भारती सिंह सुनील ग्रोवर अली असगर और उपासना सिंह भी शो से अलग हो चुके हैं।

यश निभाएंगे रावण की भूमिका

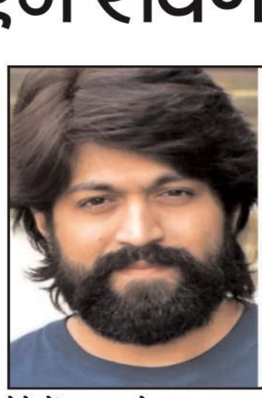

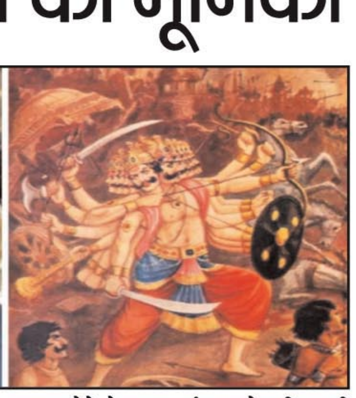

पिछले 4 साल से रामायण पर फिल्म प्री प्रोडक्शन चल रहा है। 500 करोड़ के मेगा बजट में बनने वाली इस फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है जिसमें रावण के रोल के लिए ऋतिक रोशन को अप्रोच किया गया था पर ऋतिक नहीं बल्कि केजीएफ स्टार यश इसमें रावण की भूमिका निभाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार ऋतिक ने रामायण पर बन रही फिल्म का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ऋतिक अब नकारात्मक भूमिका नहीं करना चाहते हैं। इससे पहले रिलीज हुई फिल्म विक्रम वेधा में भी ऋतिक ने नकारात्मक भूमिका निभाई थी। ऋतिक के इंकार के बाद नितेश तिवारी और प्रोड्यूसर मधु मंटेना ने अब केजीएफ स्टार यश को ये रोल ऑफर करने का फैसला किया। मेकर्स ने फिल्म की स्क्रिप्ट भी यश को सौंप दी है। रिपोटर्स के अनुसार यश ने स्क्रिप्ट रीडिंग शुरू कर दी है। उनके पास पहले ही 4-5 फिल्मों की स्क्रिप्ट है। ऐसे में रामायण के रावण अब यश बन सकते हैं। ऋतिक रोशन के साथ ही रणबीर कपूर को भी फिल्म का प्रस्ताव दिया गया है। रणबीर को भगवान श्रीराम के रोल के लिए अप्रोच किया गया है। हालांकि अभी तक निमार्ताओं को रणबीर कपूर की तरफ से किसी प्रकार का जवाब नहीं मिला है। नितेश तिवारी और मधु ने साल 2019 में रामायण पर बनने जा रही फिल्म की आधिकारिका घोषणा की थी। फिल्म की कास्टिंग फाइनल होने के बाद मई-जून के बीच इसी साल फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी। फिलहाल डायरेक्टर नितेश तिवारी फिल्म बवाल की शूटिंग में व्यस्त हैं जिसमें वरुण धवन- जान्हवी कपूर लीड रोल में हैं। बता दें कि वर्ष 2019 में दंगल का निर्देशन करने वाले निर्देशक नीतिश तिवारी ने अपनी अगली फिल्म रामायण पर बनाने की घोषणा की थी। इस फिल्म को नीतिश तिवारी के साथ मधु मंटेना निर्मित करने वाले थे।

लोग मुझे रूपाली के बजाय अनुपमा कहते हैं

लोकप्रिय टीवी शो अनुपमा के बारे में बात करते हुए रुपाली गांगुली ने कहा राजन शाही आप एक जादूगर हैं इस्के लिए आपकी सदा आभारी हूं और हम जो हैं उसे बनाने के लिए स्टार प्लस को धन्यवाद। हम जहां भी जाते हैं मुझे खुशी होती है कि लोग मुझे रूपाली के बजाय अनुपमा कहते हैं मुझे गर्व महसूस होता है। मैं अगले दिन काम पर वापस आने के लिए बहुत उत्साहित रहती हूं और मुझे आशा है कि यह उत्साह जारी रहेगा। हम चलते रहेंगे। उन्होंने कहाः मैंने 2016 में अपने पिता को खो दिया था लेकिन जब मैं सेट पर चलती हूं तो मुझे उनकी उपस्थिति महसूस होती है। यह मेरा घर है और मैं सेट पर कम से कम 12 घंटे बिताती हूं और मुझे हर दिन यहां रहना पसंद है। आप में से हर एक का धन्यवाद। अनुपमा स्टार प्लस पर एक भारतीय हिंदी भाषा की टीवी ड्रामा सीरीज है। निर्देशक कुट प्रोडक्शंस के बैनर तले राजन शाही और दीपा शाही द्वारा निर्मित है। स्टार प्लस पर टेलीकास्ट होता है।

एनिमल में गैंगस्टर की भूमिका में नजर आएंगे रणबीर

बॉलीवुड के युवा अभिनेता रणबीर कपूर मार्च माह में एक बार फिर दर्शकों के दरबार में आने की तैयारी में है ।फिल्म एनिमल को लेकर हो रही है जिसमें वे पहली बार पूरी तरह से ग्रे शेड भूमिका में दिखाई देंगे। कुछ वक्त पहले उनका एनिमल से लुक जारी किया गया था जिसे दर्शकों ने हाथों-हाथ लिया था। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के सेट से अब रणबीर कपूर का एक वीडियो लीक हुआ है जो चर्चा का केन्द्र बन गया है। रणबीर कपूर के फैन पेज से एक वीडियो शेयर किया गया है। ये वीडियो रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के सेट का है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि रणबीर कपूर नीले कलर के सूट में जेब में हाथ डाले कार के सहारे खड़े हैं। वहीं दूसरे दृश्य में वे उल्टे हाथ से सिगरेट के कश ले रहे हैं साथ ही कार की डिक्की खुली है जिसमें बंदूकें नजर आ रही हैं और रणबीर का हाथ डिक्की के ढक्कन पर है। इन दोनों दृश्यों से स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि एनिमल में रणबीर कपूर गैंगस्टर की भूमिका में हैं। उनके बड़े-बड़े बाल और बड़ी दाढ़ी ने लोगों का ध्यान खींचा है। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। फिल्म एनिमल बॉक्स ऑफिस पर सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2 से टकराएगी। कबीर सिंह के बाद यह संदीप रेड्डी की दूसरी हिन्दी फिल्म है। कबीर सिंह मूल रूप तेलुगू फिल्म अर्जुन रेड्डी का रीमेक थी जिसका निर्देशन भी संदीप ने ही किया था। बता दें कि इस फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को खासा पसन्द आया है और दर्शकों का कहना है कि यह फिल्म रोमांस का नया अंदाज दर्शकों के सामने रखेगी।

अमृता के बर्थडे पर करीना ने रखी पार्टी

बालीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने अपनी बेस्ट फ्रेंड अमृता अरोडा के जन्मदिन पर अपने घर पर एक पार्टी रखी। पार्टी में उनको पंजाबी गायक-रैपर एपी ढिल्लों के साथ पार्टी करते देखा गया। करीना ने इंस्टाग्राम पर पार्टी की एक झलक साझा की इसमें उन्होंने कैप्शन दिया एपी ढिल्लों घर में। इस पार्टी में अभिनेत्री करीना ने अपने गले में एक बड़े क्रॉस के साथ एक काला टैंक टॉप पहना था। अमृता भी ब्लैक कलर की ड्रेस पहनी नजर आई। उनकी बड़ी बहन मलाइका ब्लैक टॉप और बेज पैंट में दिखीं। उनके साथ ब्वॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर भी थे। एपी ढिल्लों सफेद शर्ट में नजर आए। एक तस्वीर में मलाइका अमृता और करीना को ए.पी ढिल्लों के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना सुजॉय घोष की द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स में दिखाई देंगी फिर उनकी पहली प्रोडक्शन हंसल मेहता की एक थ्रिलर और द क्रू है। करीना को आखिरी बार आमिर खान के साथ लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था।

जी ले जरा में नजर आयेंगी आलिया और कटरीना

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट और कटरीना कैफ जी ले जरा में एक्ट करती नजर आएंगी। यह जोया अख्तर द्वारा लिखित और उनके भाई फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित फिल्म है। दोनों कलाकार को बीते शनिवार को मुंबई में जोया अख्तर के घर पर स्पॉट किया गया। दोनो को एक साथ देखकर फैंस ने अंदाजा लगाया कि आलिया और कैटरीना अपनी फिल्म जी ले जरा पर चर्चा करने के लिए जोया से मिलने गईं जिसमें प्रियंका चोपड़ा भी होंगी। आलिया ने ऑल-ब्लैक आउटफिट पहना था। पैपराजी और फैन पेज पर पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो में कैटरीना को जोया के घर से निकलते हुए भी देखा गया था। वह व्हाइट टॉप ब्लू जींस और जैकेट में नजर आ रही थीं। जी ले जरा एक ऐसी फिल्म जिसमें आलिया भट्ट प्रियंका चोपड़ा और कैटरीना कैफ पहली बार एक रोड ट्रिप फिल्म में एक साथ दिखाई देंगी। इसे फरहान द्वारा निर्देशित किया जाएगा जो एक दशक के बाद निर्देशक की कुर्सी पर लौटेंगे उनकी आखिरी फिल्म 2011 की डॉन 2 थी। इसे भी उनके प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत बनाया जाएगा। आलिया इससे पहले गली बॉय में जोया के साथ काम कर चुकी हैं। प्रियंका ने उनके साथ दिल धड़कने दो और कटरीना ने जिंदगी ना मिलेगी दोबारा में काम किया है। फिल्म को रीमा कागती और जोया अख्तर ने लिखा है जिन्होंने इससे पहले जिंदगी ना मिलेगी दोबारा और दिल धड़कने दो जैसी फिल्में लिखी हैं।

सूडोकु नवताल- 6332

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6331 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्दजाल - 7079

ब	क	दो	यु	ला	प	ब	रे	ली	झ	क
ज	ल	ल	प	आ	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	सं	ग	ल	श	र	न	ल
क	कु	दा	म	धा	ब	रा	प	ख	श	र
क	ति	ब	न	पु	क	र	ल	ग	वी	इ
ब	स्ती	ल	लि	व	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ला
ती	अ	ल	श	या	प	म	ग	कौ	ला	ह
क	ली	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	बा
क	ग	थो	तें	व	ज	ज	द	शा	जू	द
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	त	सा	बि	ज	नौ	र	जा	एं	प	क

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

आगरा,अलीगढ़,इलाहबाद,आजमगढ़, बस्ती, बलिया, बलरामपुर, बरेली, बिजनौर, लखनऊ

शब्दजाल - 7078 का हल

ग	हु	मे	रि	सो	म	ना	थ	च	ट	जीं
णे	खु	कु	प	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
श	पी	जो	म	र	ग	बा	द	ह	प	ल
मा	ग	ए	पा	सिं	दू	स	ल	ह	लि	म
व	र	अ	सं	न	ह	ला	कि	यो	प	सं
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	जी
न	जी	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	व
क	रि	भा	र	य	र	स	रा	ल	वि	रे
र	या	बा	तें	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड़ी
र	ग	ल	नो	शि	व	रा	ज	पा	टि	ल
बां	स	म	प	ब	लि	रा	म	भ	ग	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्ट्योग - 6032

7	5		3	6		
	33		32		28	
2		7			6	1
	30	2	37	4	34	
5	1			7		4
	26		38		36	
	1	5	6			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्ट्योग 6031 का हल

5	7	3	1	4	6	2
6	31	1	25	5	33	1
3	1	5	4	2	6	7
4	27	2	28	1	37	6
2	3	7	1	6	5	4
7	36	6	37	3	35	3
1	6	4	3	7	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

एक्स–गर्लफ्रेंड पर हमले के मामले में टेनिस स्टार किर्गियोस ने जुर्म कबूला, कोर्ट ने नहीं दी सजा

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के स्टार टेनिस प्लेयर निक किर्गियोस ने पूर्व गर्लफ्रेंड पर हमला करने की बात कबूल ली है। उन्होंने अपना अपराध तो स्वीकार कर लिया, लेकिन आपराधिक दोष सिद्ध होने से बच गए हैं। दरअसल, 27 साल के किर्गियोस के वकीलों ने मानसिक स्वास्थ्य के आधार पर आरोप खारिज करने का प्रयास किया था। हालांकि, वह इसमें विफल रहे। इसके बाद किर्गियोस को कैनबरा के कोर्ट में अपना दोष स्वीकार करना पड़ा।

किर्गियोस ने कबूल किया कि उन्होंने अपनी पूर्व प्रेमिका चियारा पसारी को फुटपाथ पर धकेल दिया था। इसके बाद मजिस्ट्रेट ने इस घटना को मूर्खतापूर्ण और हताशा का एक कार्य बताया। इस तरह निक आपराधिक रिकॉर्ड से बच गए। दरअसल, पिछले साल चियारा पसारी ने किर्गियोस पर हमला करने का आरोप लगाया था। चियारा ने आरोप लगाया था कि उन पर हमला पिछले साले दिसंबर में हुआ था।

चियारा ने बताया था कि 2021 में दोनों के बीच बहस हुई थी। इसके बाद पसारी किर्गियोस को कार आगे ले जाने से रोक रही थीं। इस पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने उन्हें धक्का दे दिया था। पसारी ने अगले महीने इसकी सूचना पुलिस को दी थी, लेकिन औपचारिक शिकायत नहीं की थी। दोनों ने आपस में सुलह कर ली, लेकिन रिश्ता टूटने के बाद पसारी ने औपचारिक शिकायत कर दी।

किर्गियोस के वकील माइकल कुकुलिस ने कहा कि किर्गियोस टैक्सी बुलाकर लड़ाई को कम करने की कोशिश कर रहे थे और घटना से पहले बार–बार पसारी को कार से दूर ले जाने की कोशिश की थी। ये उस हताशा का परिणाम ही था जो मेरे मुवक्किल ने ऐसी प्रतिक्रिया दी और उनसे अपराध हुआ। इसके बाद मजिस्ट्रेट बेथ कैंपबेल ने कहा– आप एक युवा व्यक्ति हैं जो खुद को एक भावनात्मक स्थिति से निकालने की कोशिश कर रहा था।

मजिस्ट्रेट ने कहा– मैं आपके साथ उसी तरह व्यवहार कर रहा हूं जैसा कि मैं इस अदालत में किसी अन्य युवा व्यक्ति के साथ करता हूं। आप युवा हैं और टेनिस खेलते हैं। आपको और आपके परिवार को देखकर पता चलता है कि आपके आसपास बहुत प्यार और समर्थन है। बता दें कि किर्गियोस काफी बार विवादों में आ चुके हैं। वह कई बार टेनिस कोर्ट में रैकेट तोड़ते हुए दिखे हैं। उन पर कई बार जुर्माना भी लग चुका है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय हॉकी टीम के कोच बनने की दौड़ में ये दो दिग्गज, एक को तो पाकिस्तान ने 10 महीने से नहीं दी सैलरी

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए हॉकी इंडिया को नए कोच की तलाश है। हॉकी विश्व कप में टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। अपनी मेजबानी में वह क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। उसे नौवें स्थान से संतोष करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद मुख्य कोच ग्राहम रीड ने इस्तीफा दे दिया था। उनके जाने के बाद से अभी तक नए कोच की नियुक्ति नहीं हुई है। इस पद के लिए दो नामों पर हॉकी इंडिया विचार कर रही है। अर्जेंटीना के मैक्स काल्डास और नीदरलैंड के सिगफ्राइड ऐकमैन का नाम सबसे आगे चल रहा है। हॉकी इंडिया के सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि महासंघ विदेशी कोचों से बातचीत कर रहा है। ऐकमैन की बात करें तो वह पाकिस्तानी हॉकी टीम के कोच हैं और उन्हें पिछले 10 महीने से सैलरी नहीं मिली है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने उन्हें कोई भुगतान नहीं किया है। उनके नेतृत्व में स्पेन की टीम ने भारत में आयोजित हॉकी विश्व कप में भाग लिया था। उसने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। वहां उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार मिली थी। ग्राहम रीड की बात करें तो उनकी कोचिंग में टीम इंडिया टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीती थी। भारत 1980 के बाद ओलंपिक में कोई पदक जीतने में सफल रहा था।

जोगिंदर शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया रिटायरमेंटः टी-20 वर्ल्ड कप 2007 में फेंका था फाइनल ओवर, 39 साल की उम्र में गेम को कहा अलविदा

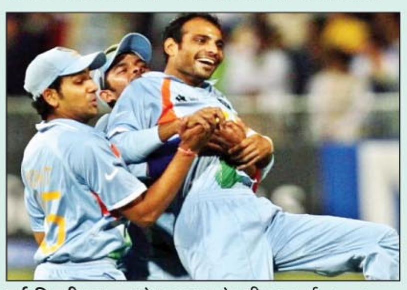

नई दिल्ली । भारत के 2007 के टी20 वर्ल्ड कप विजेता जोगिंदर शर्मा ने शुक्रवार को इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव को लिखे पत्र में, क्रिकेटर बने पुलिस अधिकारी जोगिंदर ने बोर्ड, हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन, चेन्नई सुपर किंग्स और हरियाणा सरकार को शुक्रिया किया। जोगिंदर ने इंस्टाग्राम पर चिट्ठी का फोटो शेयर किया। जोगिंदर ने लिखा - इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। टी–20 वर्ल्ड कप के खिताबी मुकाबले का आखिरी ओवर डालने वाले जोगिंदर शर्मा महज 4 गेंदों में देश के हीरो बन गए थे। यह अफसोस की बात रही कि जोगिंदर को उस फाइनल मुकाबले के बाद कभी कोई इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका नहीं मिला। हालांकि उन्होंने डोमेस्टिक क्रिकेट खेलना जारी रखा। जोगिंदर ने 2017 में आखिरी बार डोमेस्टिक मैच खेला था। उन्होंने, पंजाब के खिलाफ हरियाणा से विजय हजारे ट्रॉफी में मैच खेला था। इसमें उन्होंने 7 ओवर फेंके थे। इसके बाद जोगिंदर ने एक भी मैच नहीं खेला।

भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के नागपुर टेस्ट की तैयारी शुरू की

नई दिल्ली । सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टेस्ट टीम ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में शुरू हो रहे पहले टेस्ट की तैयारी शुरू कर दी। बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, केएल राहुल और सूर्यकुमार यादव भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करने वाले पहले खिलाड़ियों में शामिल थे। रवींद्र जडेजा, जिन्हें तमिलनाडु के खिलाफ सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के बाद श्रृंखला में शामिल होने के लिए फिट माना गया था, को भी अभ्यास करते हुए देखा गया। बीसीसीआई के सोशल मीडिया अकाउंट्स के कैप्शन में कहा गया है, टीम इंडिया ने नागपुर में पहले टेस्ट से पहले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया वर्तमान में बेंगलुरू के बाहरी इलाके अलूर में केएससीए क्रिकेट ग्राउंड में प्रशिक्षण ले रहा है, जहां वे अभ्यास कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया और भारत, वर्तमान में एमआरएफ आईसीसी मेन्स टेस्ट टीम रैंकिंग और चल रहे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 चक्र दोनों में क्रमशः नंबर एक और दो स्थान पर हैं। साथ ही दोनों टीमें अभी चार टेस्ट मैच की सीरीज खेलेंगी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी फिलहाल भारत के पास है, जिसने 2017, 2018–19 और 2020–21 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली तीन श्रृंखलाएं जीती हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने 14 टेस्ट श्रृंखलाओं में मेजबानी की है और 8–4 की बढ़त हासिल की है, जिसमें से दो श्रृंखलाएं ड्रा रही हैं।

छोटी उम्र में गिल के बड़े कारनामे

23 साल के शुभमन जीत चुके हैं आईपीएल और अंडर–19 वर्ल्ड कप; तीनों फॉर्मेट में शतक

नई दिल्ली । शुभमन गिल इस समय भारतीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा चर्चित नाम हैं। फॉर्मेट कोई भी हो गिल का बल्ला जमकर बोल रहा है। वे अभी सिर्फ 23 साल के हैं और उनको फ्यूचर का विराट कोहली भी कहा जा रहा है। गिल पहली बार 2018 में चर्चा में आए थे। तब उनकी मौजूदगी वाली टीम ने अंडर–19 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। इसके बाद 2020–21 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम में भी वे शामिल थे।

पाकिस्तान के खिलाफ शतक जमाकर छा गए – शुभमन गिल पंजाब से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। 18 साल की उम्र में उन्हें भारत की अंडर–19 वर्ल्ड कप टीम में चुना गया। 2018 में पृथ्वी शॉ उस टीम के कप्तान थे। गिल ने पूरे टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने सेमीफाइनल में पाकिस्तान अंडर–19 टीम के खिलाफ 102 रन की नॉटआउट पारी खेली। पाकिस्तानी गेंदबाजी लाइनअप में शाहीन शाह अफरीदी भी शामिल थे। भारत ने इस मैच में 272 रन बनाए थे और पाकिस्तान को फिर 69 रन पर ही पैक कर दिया था।

फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया – उस अंडर–19 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराकर खिताब जीता। गिल ने इस मैच में 31 रनों की पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए शुभमन गिल ने पूरे टूर्नामेंट के 6 मैचों में 372 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 124 का रहा। इनमें 3 फिफ्टी और एक शतक आया। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी मिला।

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत – शुभमन गिल ने दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट से डेब्यू किया। इस मैच में उन्होंने 45 और 35 रन की पारियां खेलीं। टीम इंडिया ने मुकाबला जीत लिया। इसी सीरीज के आखिरी टेस्ट में ब्रिसबेन के द गाबा मैदान पर गिल ने 91 रन की पारी खेली। इस पारी ने भारत को टेस्ट जीतने में मदद की थी। यह वही सीरीज है जिसके पहले

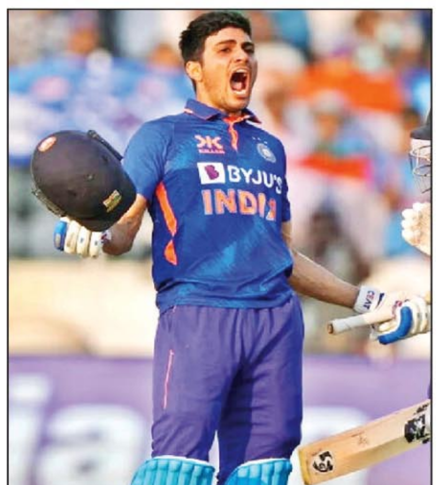

मैच में टीम इंडिया 36 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इसके बाद कप्तान विराट कोहली भी वापस भारत लौट आए थे। फिर गिल, सिराज, पंत जैसे युवा खिलाड़ियों के दम पर भारत ने सीरीज जीती थी। उस सीरीज के 3 मैचों में गिल 51.80 की औसत से 259 रन बनाए थे। करियर के शुरुआती दौर में शुभमन गिल पारियां तो अच्छी खेल रहे थे लेकिन, वे टेस्ट में शतक नहीं जड़ पा रहे थे। पिछले दिसंबर में उनके टेस्ट शतक का इंतजार भी खत्म हो गया। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 110 रन की पारी खेली। शुभमन गिल ने 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल डेब्यू किया था। 3 साल तक आईपीएल खेलने के बाद भी वे अपनी टीम को खिताब नहीं दिला सके। लेकिन, 2022 में उन्होंने हार्दिक पंड्या की कप्तानी में गुजरात टाइटंस से खेलते हुए पहला खिताब जीता। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली भी अभी तक आईपीएल खिताब नहीं जीत पाए हैं। पूरे सीजन के 16 मैचों में गिल ने 132.33 की स्ट्राइक रेट से 483 रन बनाए। फाइनल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने 43 रन की नॉटआउट पारी खेल कर टीम को जीत दिलाई थी। शुभमन गिल ने एक फरवरी को टी–20 इंटरनेशनल शतक भी लगा दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 126 रन की नॉटआउट पारी खेली। इस शतक के साथ वह तीनों फॉर्मेट में शतक जड़ने वाले पांचवें ही भारतीय बने। भारत के लिए टी–20 क्रिकेट में यह सबसे बड़ा स्कोर भी है। उनसे पहले विराट कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ 122 रन की नॉटआउट पारी खेली थी। 23 साल की उम्र में ही शुभमन गिल के नाम वनडे में दोहरा शतक भी है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ हैदराबाद वनडे में यह कारनामा किया था। वह दोहरा शतक लगाने वाले ओवरऑल 8वें ही खिलाड़ी बने। न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 149 गेंदों पर 208 रन की पारी खेली। वह दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने थे, उन्होंने भारत के ही ईशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा था।

6 महीनों में 6 शतक – 2019 में भारत के लिए वनडे डेब्यू करने के बाद वे 8 मैचों तक शतक नहीं बना सके। इस दौरान उन्होंने 64, 82 और 98 रन की पारियां खेलीं। लेकिन, अगस्त 2022 में उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहला वनडे शतक लगा दिया। इसके बाद उन्होंने वनडे, टेस्ट और टी–20 मिलाकर तीनों ही फॉर्मेट में शतक जड़ दिए। उन्होंने 6 महीनों के अंदर ही 6 शतक लगाए। इनमें 5 शतक तो उन्होंने पिछले 2 महीनों में ही जड़े हैं। दिसंबर 2022 में पहला टेस्ट शतक जड़ने के बाद जनवरी में उन्होंने 3 वनडे शतक लगा दिए। वहीं, अब फरवरी की शुरुआत में ही टी–20 शतक भी अपने नाम कर लिया। शुभमन अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता लखविंदर सिंह गिल को देते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक मारने के बाद गिल ने कहा भी था कि उनकी सफलता का 90प्रतिशत श्रेय उनके पिता को जाता है। उन्हीं के फ्यूचर विजन से वे इस मुकाम तक पहुंच सके। अक्सर सेंचुरी पूरी नहीं कर पाने और गैरजिम्मेदारी भरा शॉट खेल कर आउट होने पर शुभमन को पिता से डांट सुनने को भी मिलती है।

एमआई केप टाउन के खिलाफ डरबन सुपर जायंट्स ने पांच विकेट से दर्ज की जीत

डरबन। क्विंटन डी कॉक के शानदार अर्धशतक की बदौलत डरबन सुपर जायंट्स ने एमआई केप टाउन के खिलाफ पांच विकेट से जीत दर्ज की। उंगली के दर्द से जूझने के बावजूद कप्तान क्विंटन डी कॉक ने 41 गेंदों में 63 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को रन चेज करने में मदद की। वहीं, मध्य क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीत्जके ने 39 गेंदों में नाबाद 48 रनों की पारी खेली। इससे पहले, एमआई केप टाउन ने सुपर जायंट्स को जीत के लिए 166 रनों का लक्ष्य दिया। टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाए, जिसमें बल्लेबाज वेन डर डुसेन ने 32 गेंदों पर 43 रनों की पारी खेली। वहीं, टिम डेविड ने 26 गेंदों पर तीन छक्के की मदद से 33 रन की पारी खेली। एमआई केप टाउन की शुरुआत खराब रही, जहां सलामी जोड़ी 32 रन पर ढेर हो गई। ब्रेविस ने 13 रन बनाए और रोयलोफसेन ने 10 रन की पारी खेली। गेंदबाज प्रिटोरियस ने ब्रेविस को मलडर के हाथों चलता किया। वहीं, गेंदबाज मलडर ने रोयलोफसेन को किमो पॉल के हाथों कैच थमा चलता किया। जॉर्ज लिंडे को गेंदबाज महाराज ने क्लासेन के हाथों कैच थमा पांच रन पर चलता किया। वहीं, ओडियन स्मिथ और डेलानो पोटगिएटर क्रमशः 17 व 32 पर नाबाद रहे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर ज्वायंट्स की शुरुआत शानदार रही। डी कॉक ने 63 रन की पारी खेली, जिससे टीम को रन चेज करने में मदद मिली। डी कॉक ने 41 गेंदों पर तीन छक्के और सात चौके की मदद से 63 रन की पारी खेली। हालांकि, बेन 5 रन पर वापस पवेलियन लौट गए। बल्लेबाज को गेंदबाज जानसेन ने अपना शिकार बनाया। बेन के आउट होने के बाद मैथ्यू ब्रीत्जके क्रीज पर आए। दोनों बल्लेबाजों के बीच 50 रन से ज्यादा की साझेदारी हुई। डी कॉक को टिम डेविड ने अपनी गेंद पर शिकार बनाया और 63 रन पर आउट किया। इस दौरान टीम का स्कोर 2 विकेट के नुकसान पर 98 रन पर था। डी कॉक के बाद किमो पॉल क्रीज पर आए और ब्रीत्जके के साथ पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि, पॉल 18 गेंदों पर 31 रन ही बना पाए और गेंदबाज रबाडा के ओवर में टिम डेविड को कैच थमा बैठे।

अजेय भारत को मिली पहली हारः सा. अफ्रीका ने ट्राई सीरीज फाइनल में 5 विकेट से हराया; दीप्ति बनीं प्लेयर ऑफ द सीरीज

ईस्ट लंदन।

साउथ अफ्रीका ने भारत को टी-20 ट्राई सीरीज के फाइनल में 5 विकेट से हरा दिया है। दक्षिण अफ्रीका की दाएं हाथ की बल्लेबाज क्लो ट्राईऑन ने नाबाद 57 रन की पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

109 रन ही बना सका भारत

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। भारतीय टीम पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 109 रन ही बना सकी। भारत की ओर से हरलीन देओल ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। उनके बाद दूसरी टॉप स्कोरर हरमनप्रीत कौर रहीं, जिन्होंने 21 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा भारत की कोई अन्य बल्लेबाज 20 का आंकड़ा पार नहीं कर सकीं। भारत की पारी में केवल दीप्ति शर्मा ने 100+ की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। द. अफ्रीका की गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की। उनकी ओर से नॉनकुलुलेको म्लाबा ने 4 ओवर में 16 रन देकर सबसे ज्यादा 2 विकेट अपने नाम किए। म्लाबा के आलावा आयाबोंगा और सुने लूस को 1–1 विकेट मिला।

अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही

द. अफ्रीका की बल्लेबाजी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने अपने 3 विकेट 21 रन के स्कोर पर ही गंवा दिए। 66 पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद द. अफ्रीका ने 5 विकेट से मैच जीत लिया। अफ्रीका की ओर सबसे ज्यादा 57 रन क्लो ट्राईऑन ने बनाए। भारत की गेंदबाजी भी कलात्मक रही। भारतीय स्पिन गेंदबाज स्नेह राणा ने 4 ओवर में 2 विकेट लिए। दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़ और रेणुका सिंह को 1–1 विकेट मिला। भारत इस सीरीज में अभी तक अजेय था। लेकिन, फाइनल में ही टीम को हार का सामना करना पड़ा। दीप्ति शर्मा को सीरीज में 9 विकेट लेने और 49 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड दिया गया।

अंडर–19 के बाद द. अफ्रीका में महिला टी20 वर्ल्ड कप, : ऑस्ट्रेलिया– भारत दावेदार

नई दिल्ली । महिला टी20 वर्ल्ड कप 10 फरवरी से होगा। पिछली बार ये टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलिया में हुआ था, जहां 8 मार्च 2020 को फाइनल देखने रिकॉर्ड 86,174 दर्शक पहुंचे थे। इन दो टी20 वर्ल्ड कप के बीच आए बदलावों का असर इस बार देखने को मिल सकता है। इससे पहले आगामी वर्ल्ड कप के बारे में सारी चीजें जानते हैं। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका कर रहा है। द. अफ्रीका ने हाल ही में अंडर-19 वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी, जिसे भारत ने जीता है। टूर्नामेंट के 23 मैच बोलैंड पार्क, सैंट जॉर्ज और न्यूलैंड्स ग्राउंड पर खेले जाएंगे। ग्रुप राउंड 10 फरवरी से 21 फरवरी तक चलेगा। 23 और 24 फरवरी को सेमीफाइनल खेले जाएंगे। 26 फरवरी को फाइनल होगा। टूर्नामेंट के वॉर्मअप मैच 6 फरवरी से होंगे।

कितनी टीमें हिस्सा ले रही है

वर्ल्ड कप में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, द. अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश हैं। इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, आयरलैंड ग्रुप बी में हैं। टीमें अपने ग्रुप की हर टीम से एक मैच खेलेंगी। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। द. अफ्रीका ने मेजबान होने के कारण डायरेक्ट क्वालिफाई किया। अन्य 7 टीमों का निर्धारण 30 नवंबर 2022 तक की रैंकिंग के आधार पर हुआ था।

किस टीम का दावा मजबूत है

डिफेंडिंग चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की दावेदारी मजबूत है। अगर टीम ये वर्ल्ड कप जीत लेती है तो वह एक साथ वनडे वर्ल्ड कप और टी20 वर्ल्ड कप की चैम्पियन बन जाएगी। टीम ने पिछले 17 टी20 में से 16 जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया कॉमनवेल्थ गेम्स की विजेता भी है।

भारत की कितनी दावेदारी है

2021 वनडे वर्ल्ड कप के अलावा भारत का पिछले कुछ आईसीसी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन रहा है। भारत 2020 टी20 वर्ल्ड कप में रनरअप रहा था। साथ ही, भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर जीता था। वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के साथ अंडर–19 वर्ल्ड कप विजेता रिचा घोष और शेफाली वर्मा जुड़ेंगी। वहीं, इंग्लैंड के लिए अच्छी खबर है कि कप्तान हीथर नाइट हिप इंजरी के बाद वापसी कर रही हैं। इससे उनकी वर्ल्ड कप दावेदारी को सकारात्मक मौका मिलेगा। भारत की स्मृति मंधाना अहम साबित होंगी। वे कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए सबसे ज्यादा 159 रन बनाने वाली बैटर थीं। टूर्नामेंट में टॉप–10 रन बनाने वालों की सूची में स्मृति से बेहतर स्ट्राइक रेट (151) किसी का नहीं था। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 2020 टी20 वर्ल्ड कप और कॉमनवेल्थ गेम्स में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी थी।

अपने भविष्य से जुड़े सवाल पर बोले मेसी- मैं बार्सिलोना लौटूंगा, यह मेरा घर है

नई दिल्ली । अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में विश्व चैंपियन बनाने वाले फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। मेसी ने कहा है कि संन्यास के बाद वह बार्सिलोना में ही रहना चाहेंगे। बार्सिलोना के साथ अपने क्लब फुटबॉल करियर की शुरुआत करने वाले मेसी फिलहाल पेरिस सेंट जर्मन के लिए खेल रहे हैं। मौजूदा समय में दुनिया के सबसे बेहतरीन फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक मेसी ने साफ किया है कि वह अपने फुटबॉल करियर का अंत होने के बाद बार्सिलोना में ही रहेंगे।

डारियो ओले के साथ मेसी ने कहा, जब मैं अपना करियर खत्म कर लूंगा, तो मैं बार्सिलोना में रहने के लिए वापस आ जाऊंगा, यह मेरा घर है।

मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने फ्रांस को हराकर फीफा विश्व कप 2022 अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के लिए मेसी को गोल्डन बॉल अवॉर्ड भी दिया गया। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने फाइनल मैच से जुड़ी कौन सी चीजें अपने पास रखी हैं तो उन्होंने कहा कि सब कुछ उन्होंने अपने पास रख लिया है।

मेसी ने कहा मैंने फाइनल से सब कुछ रख लिया है। जूते, टी–शर्ट ...सब कुछ अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के पास है और अब मार्च में, मैं सब कुछ बार्सिलोना ले जा रहा हूं, जहां मेरे पास मेरी चीजें और मेरी यादें हैं।

क्या 2026 वर्ल्ड कप खेलेंगे मेसी

मेसी ने अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ अपनी महत्वाकांक्षाओं के बारे में भी बात की। 2026 विश्व कप अभी बहुत दूर है, हालांकि मेसी ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह इस टूर्नामेंट में खेलेंगे या नहीं, क्योंकि वह देखना चाहते हैं कि यहां से उनका करियर कैसे आगे बढ़ता है।

उन्होंने कहा उम्र के कारण, 2026 तक खेलना मुश्किल होगा। मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है और जब मुझे लगता है कि मैं अच्छी स्थिति में हूं और इसका आनंद ले रहा हूं, तो मैं इसे बनाए रखने जा रहा हूं। ऐसा लगता है कि लंबे समय तक मैं खेल सकता हूं, लेकिन अगला विश्व कप इस बात पर निर्भर करता है कि मेरा करियर कैसा चल रहा है।

2022 विश्व कप से जुड़ी याद पर उन्होंने कहा मैंने वहां कप को इतने करीब से देखा, कि मैं उसके करीब होने, उसे छूने, उसे चूमने के लिए तैयार हो गया। यह हो गया कहना इतना रोमांचक एहसास था। आज तक यह इतना रोमांचक क्षण बना हुआ है। तब भी जब मैं इसे अब देखता हूं, मैं उस पल की तुलना में इसका अधिक आनंद लेता हूं। चीजें शांत हो गई हैं, इसलिए, यह मेरे लिए अधिक रोमांचक है। मैं अब सोशल मीडिया पर बहुत सारे वीडियो देखता हूं।

मेसी फिलहाल क्लब फुटबॉल में पीएसजी के लिए खेल रहे हैं। इस क्लब के साथ उनका अनुबंध इस सीजन के अंत तक का है। खबरों के अनुसार पीएसजी ने मेसी के साथ अपना करार बढ़ा लिया है। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है।

17 साल के पहलवान अमन ने जगरेब ओपन में जीता कांस्य पदक, अमेरिकी खिलाड़ी को दी शिकस्त

नई दिल्ली । भारत के 17 साल के अमन सहरावत ने यहां आयोजित कुश्ती रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 भारवर्ग में कांस्य पदक पर कब्जा किया। अमन ने अमेरिका के रेय रोड्स रिचर्ड्स को 10–4 से हराया। अजरबैजान के अली अब्बास राजादे ने जापान के निशियूची को 2–0 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। 57 भारवर्ग में अन्य कांस्य जार्जिया के बेका बूजाशिवली ने जीता, जिन्होंने अजरबैजान के बाजारगानोव को पराजित किया। अमन ने क्वार्टर फाइनल में जार्जिया के रोबर्टी को हराया था लेकिन सेमीफाइनल में जापान के निशियूची से हार गए थे। जापानी पहलवान के फाइनल में पहुंचने से अमन को रेपचेज दौर में मौका मिला था।

विकलांगता भी बाधा नहीं...

द्वार दया का जब तू खोले, पंचम सुर में गूंगा बोले, अंधा देखे, लंगड़ा चल कर पहुंचे काशी रे।

अर्थात् हे प्रभु जब तेरी दया का द्वार खुलता है तो गूंगा भी पंचम स्वर में बोलने या गाने लगता है, अंधा देखने लगता है और एक लंगड़ा व्यक्ति भी चलकर काशी जा पहुंचता है। कहने का तात्पर्य ये है कि जब प्रभु की दया का द्वार खुलता है तो असंभव भी संभव हो जाता है। कैसे खुलता है उस प्रभु की दया का द्वार? कहां है हम पर ऐसी कृपा करने वाला वह ईश्वर? हम पर ऐसी कृपा करने वाला वह ईश्वर वास्तव में हमारे अंदर ही विराजमान है। वह हमारी इच्छाशक्ति से ही जाग्रत होता है। उसकी कृपा का द्वार हमारी इच्छाशक्ति की खटखटाहट से ही खुलता है। सगुण-साकार अथवा निर्गुण-निराकार प्रभु की प्रार्थना करके हम अपनी असीमित सुप्त मानसिक शक्तियों को ही जगाते हैं। यह अपने विश्वास को पुष्ट करने का ही एक मार्ग है। वास्तव में सकारात्मक दृष्टिकोण से उत्पन्न सात्त्विक इच्छाओं का चयन करके हम अपने जीवन में हर खुशी प्राप्त कर सकते हैं। उत्कृष्ट इच्छाशक्ति द्वारा हम असंभव से लगने वाले कार्यों को करने में सक्षम हो जाते हैं। कुछ ऐसी ही उत्कृष्ट इच्छाशक्ति थी विल्मा रुडोल्फ नामक एक पोलियोग्रस्त बालिका में जो विश्व पटल पर तेज धाविका के रूप में अपना नाम अंकित करवाना चाहती थी। वर्ष 1960 में इटली की राजधानी रोम में होने वाले ओलंपिक खेलों पर सारे विश्व की निगाहें टिकी हुई थीं क्योंकि इन ओलम्पिक खेलों में विल्मा रुडोल्फ भी भाग ले रही थी। वह इतनी तेज दौड़ी, इतनी तेज दौड़ी कि 1960 के ओलम्पिक मुकाबलों में तीन स्वर्ण पदक जीत कर दुनिया की सबसे तेज धाविका बन गई। रोम ओलम्पिक में दर्शक 83 देशों के 5346 खिलाड़ियों में इस बीस वर्षीया बालिका का असाधारण पराक्रम देखने के लिये इसलिए उत्सुक थे क्योंकि विल्मा रूडोल्फ नामक यह बालिका चार वर्ष की आयु में डबल निमोनिया और काला बुखार होने से पोलियोग्रस्त हो गई थी और फलस्वरूप उसे पैरों में ब्रेस पहननी पड़ी। विल्मा रुडोल्फ ग्यारह वर्ष की उम्र तक चल फिर भी नहीं सकती थी लेकिन उसने एक सपना पाल रखा था कि उसे दुनिया की सबसे तेज धाविका बनना है। अपने सपने को मन में प्रगाढ़ किए हुए वह निरंतर अभ्यास करती रही। उसने अपने आत्मविश्वास को इतना ऊंचा कर लिया कि असंभव सी बात पूरी कर दिखलाई। एक साथ तीन स्वर्ण पदक हासिल कर दिखाए। सच यदि व्यक्ति में पूर्ण आत्मविश्वास है तो शारीरिक विकलांगता भी उसकी राह में बाधा नहीं बन सकती।

महिलाएं नारियल क्यों नहीं फोड़ती?

नारियल से जुड़ी प्राचीन बातें हम सभी जानते हैं। पूजन कर्म में नारियल का महत्त्वपूर्ण स्थान है। किसी भी देवी-देवता की पूजा नारियल के बिना अधूरी मानी जाती है। क्या आप जानते हैं कि नारियल खाने से शारीरिक दुर्बलता दूर होती है एवं भगवान को नारियल चढ़ाने से धन और घर-परिवार से संबंधित समस्याएं दूर हो जाती हैं। आमतौर पर स्त्रियों द्वारा नारियल फोड़ने को अपशकुन माना जाता है। क्या आप जानते हैं इस परंपरा के पीछे का रहस्य? वास्तव में नारियल बीज रूप है, इसलिए इसे प्रजनन क्षमता से जोड़कर देखा गया है। स्त्रियां प्रजनन क्रिया की कारक हैं और इसी वजह से स्त्रियों के लिए बीज रूपी नारियल को फोड़ना वर्जित किया गया है। ऐसी प्राचीन परंपरा है कि विदाई के समय तिलक कर नारियल और धनराशि भेंट की जाती है। रक्षाबंधन पर बहनें भाइयों को राखी बांध कर नारियल भेंट करती हैं और रक्षा का वचन लेती हैं। एकाक्षी नारियल बहुत ही दुर्लभ है। आमतौर पर नारियल की जटा के नीचे दो बिंदु होते हैं, लेकिन एकाक्षी नारियल में यहां सिर्फ एक ही बिंदु होता है। यह एक बिंदु वाला नारियल बहुत चमत्कारी होता है। जिस घर में यह नारियल होता है वहां महालक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है और पैसों की समस्याएं समाप्त हो जाती हैं। इस नारियल के प्रभाव से घर से वास्तु दोष भी नष्ट होते हैं और परिवार के सदस्यों को कार्यों में सफलता मिलती है।

अनूठा कारनामा, महिला ने बालों से बनाया कोट

रोमानिया की एक महिला ने अपने लिए एक कोट तैयार किया है, लेकिन यह किस चीज से बना है, इसके बारे में जानकर आप दंग रह जाएंगे। ओर्तासा पासकारियू (65) ने यह कोट अपने बालों से तैयार किया है, जिसे उन्होंने 20 वर्षो से अधिक समय के दौरान इकट्ठा किया था। महिला ने खुलासा किया कि रोमानिया के पूर्वोत्तर भाग में स्थित अपने गृह नगर स्टाइसेनी में परंपरा के मुताबिक उन्होंने अपना बाल जमा करना शुरू किया था। परंपरा कहता है कि अगर महिला को अपना सौंदर्य व किस्मत बनाए रखना है, तो उसे अपने बालों को कभी फेंकना नहीं चाहिए। उन्होंने रोमानिया के समाचार पत्र एदेवुरल से कहा, मैंने अपने बालों को जमा करना तब शुरू किया, जब मैं 40 साल की थी, और 60 की उम्र तक मैंने एक किलोग्राम बाल इकट्ठा कर लिए, उन्होंने कहा, यह भले ही अजीब है, लेकिन अपने बालों का परिधान पहनना अच्छा लगता है। पांच वर्ष तक इस कोट को पहनने के बाद उन्होंने उसे एक स्थानीय संग्रहालय को दे दिया, जहां वह आज भी मौजूद है।

सूफीवाद है हल...?

वैश्विक आतंकवाद और मानवाधिकारों के उल्लंघन के बढ़ते मामलों का मुकाबला करने में सूफीवाद की भूमिका पर विचार करने के लिए 17 मार्च से दिल्ली में चार दिन के 'विश्व सूफी मंच' का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। वास्तव में आज के माहौल में सूफीवाद एक सही हल पेश कर सकता है। आखिर सूफीवाद क्या है और यह कैसे काम आ सकता है यह जानने की कोशिश है यह आलेख।

पश्चिमी देशों की कोशिशों के बावजूद आतंकवाद पर अब तक काबू पाया नहीं जा सका है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते रहे हैं कि आतंकवाद को पनपने से रोका जा सकता था अगर सूफीवाद को बढ़ावा दिया जाता। सवाल खड़ा होता है कि जिस आतंकवाद से दुनिया के कई देश पीड़ित हैं, क्या उस आतंकवाद को सूफीवाद से खत्म किया जा सकता है? वास्तव में सूफीवाद इस्लाम धर्म का एक संप्रदाय है। दिल्ली में हजरत निजामुद्दीन की दरगाह और अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह देश में सूफीवाद के दो प्रमुख केंद्र हैं। सूफीवाद की परंपरा इस्लाम धर्म के प्रचार के लिए शुरू की गई थी। इसमें खुदा की इबादत को ही सर्वोच्च स्थान दिया गया है। सूफीवाद में इस बात पर भी जोर दिया जाता है कि हम अपने अंतरमन को कैसे पवित्र बनाएं और ईश्वर की प्रार्थना के जरिए आत्मा की शुद्धि कैसे करें। बिना किसी धार्मिक या सामुदायिक भेदभाव के ईश्वर की सच्चे दिल से प्रार्थना सूफीयत कहलाती है। सूफीवाद का प्रचार और प्रसार मुगलों के समय दक्षिण एशिया के मुल्कों में सबसे ज्यादा हुआ। यह भी हकीकत है कि इस्लाम धर्म में सूफीवाद को मानने वाले बेहद कम हैं। अब सूफीवाद के जरिए आतंकवाद को खत्म करने के प्रधानमंत्री मोदी के संदेश पर दुनिया अमल करती है या नहीं यह देखने वाली बात होगी। सूफीवाद इस्लाम का एक रहस्यवादी पंथ है। आमतौर पर सूफियों का यह विचार है कि सूफीवाद को इल्म से नहीं समझा जा सकता। उनका यह मानना है कि यह इल्मी दुनिया का मजमून नहीं हैं। यह इसलिए क्यूंकि सूफीवाद की जो बुनियाद है वो इश्क है और इश्क इल्म के द्वारा नहीं किया जा सकता। यह तो एक आंतरिक भावना है। जो लोग सूफीवाद के अनुयाई हैं उन्हें सूफी संत या औलिया कहा जाता है। औलिया शब्द का अर्थ है अल्लाह वाला यानी अल्लाह के दोस्त। कुरान शरीफ में भी आया है कि सुन लो अल्लाह के दोस्तों को न तो कोई डर है और न वे शोकाकुल ही होंगे। सूफी संतों औलिया को फकीर भी कहा जाता है। यह फरसी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है गरीब। तो फकीर शब्द से इस बात का पता चलता है कि ऐसे लोग जो संसार के ऐश ओ आराम से विरक्त रहते हैं वे फकीर कहलाते हैं कोई भी दुनियावी चीज इनको विचलित नही कर सकती।

रूह से पाक-साफ

अंदर से और बाहर से जो इंसान सूफी होता है वह रूह से पाक-साफ होता है। वह किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता। सूफी लोगों को जिंदगी की वह राह दिखाता है जिस पर चलकर इंसान को अपनी जिंदगी बसर करने और उसे अर्थपूर्ण बनाने में मदद मिलती है। सूफी अल्लाह का वह नेक बंदा है जिससे हर चीज, परिंदा, जानवर, दरख्त.. हर चीज महफूज रहती है। सूफी के कलाम प्यार-अमन और मोहब्बत का पैगाम होते हैं। हमारे जो सूफी संत हैं उन्होंने इंसानों को जीने की राह दिखाई है और आने वाले समय में जिंदगी को कैसे जीना है इसकी राह भी दिखाई है। सूफी संगीत इसी संदेश को लोगों तक पहुंचाने का जरिया है। इंसान एक ऐसे जमघट में रह रहा है जहां लालच और पैसे की दौड़ ही सब कुछ है। इंसान उसी दौड़ में लगा हुआ है। फिर एक चीज होती है सुकून। यह सुकून जो है वह सिर्फ एक दरवेश की दरगाह में ही मिल सकता है। वहां जाकर इंसान महसूस करता है कि यहां ठहराव है, शांति है। सारे सूफीवाद का यही सार है। ऐसे बेशुमार सूफी पैदा हुए हैं जिनके सूफियाना कलाम ने इंसानियत की बेहतरी के फलसफे दिए हैं। सूफीवाद की बुनियाद इस्लाम है। सूफीवाद उसका एक पहलू है जो कि पूरी दुनिया में जाता है। जो सूफी इकराम हैं जैसे कि बाबा बुल्ले शाह, बाबा फरीद सरकार, बाबा लतीफ बटाई, अजमेर शरीफ के कलाम या निजामुद्दीन औलिया आदि ने जो दरस लिए हैं वह इस्लाम से लिए हैं, बल्कि अगर आप देखें तो इस्लाम के अलावा भी बाकी जो मजहब हैं दुनिया में, वे सभी शांति और अमन का ही संदेश देते हैं।

आंतरिक और बाह्य जीवन

सूफीवाद इस बात की शिक्षा देता है कि हम अपने अंतःकरण को कैसे पवित्र बनाएं। अपना नैतिक धरातल कैसे दृढ़ करें तथा अपने आंतरिक और बाह्य जीवन का कैसे निर्माण करें कि शाश्वत आनंद की उपलब्धि हो सके। आत्मा की शुद्धि ही इसकी विषयवस्तु है और इसकी परिणति एवं लक्ष्य है शाश्वत परमानंद और परम कृपा की प्राप्ति। सूफी यह स्वीकार करते हैं कि ईश्वर द्वारा अपने बंदों पर आरोपित उनके पवित्र ग्रंथ के सभी अधिनियम तथा पैगंबर द्वारा सुझाए गए सभी कर्तव्य ऐसे आवश्यक अनुबंध हैं जिनके बंधन में सभी वयस्कों एवं प्रौढ़ मस्तिष्क वालों का बंधना जरूरी है। इस अर्थ में सूफीवाद एक विशुद्ध इस्लामी अनुशासन है जो मुस्लिमों के आंतरिक जीवन तथा चरित्र का निर्माण ऐसे कर्तव्यों एवं अधिनियमों, अनुबंधों एवं अनिवार्यताओं के जरिए करता है जिन्हें कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह से नहीं छोड़ सकता। किंतु इस्लाम में सुफीवाद का यही समूचा अर्थ नहीं है। इसका एक रहस्यमय अभिप्राय है। दुनिया के रहस्यवादी अर्थ में सूफी वही है जिसे अपने तथा ईश्वर के बीच स्थित सच्चे संबंध की जानकारी है। इस प्रकार सूफी यह जानता है कि वह आंतरिक रूप से ईश्वर के मन में स्थित एक विचार है। विचार होने के कारण ईश्वर के साथ साथ वह भी सार्वकालिक है। बाह्य रूप से वह एक सृजित प्राणी है जिसके रूप में ईश्वर स्वयं सूफी की कार्यक्षमता के अनुसार अपने को प्रकट करता है। वह न तो अपना कोई स्वतंत्र निजी अस्तित्व रखता है और न कोई सत्तात्मक गुण ही।

वही प्रथम है और अंतिम

सूफी यह मानता है कि ईश्वर की सत्ता से उसकी सत्ता है, वह ईश्वर के ही द्वारा देखता है, ईश्वर के ही द्वारा सुनता है। इस अभिप्राय की पुष्टि कुरान के इस पाठ से होती है -वही प्रथम है और अंतिम है, वही बाह्य है और अभ्यंतर है और वह सब कुछ जानता है।इस आयत का विश्लेषण करते हुए पैगंबर ने कहा कि तुम बाह्य हो और तुमसे ऊपर कुछ भी नहीं; तुम अभ्यंतर हो और तुमसे नीचे कुछ भी नहीं; तुम प्रथम हो और तुमसे पूर्व कुछ भी नहीं; तुम अंतिम हो और तुम्हारे बाद कुछ भी नहीं है। सूफीवाद के एक बहुत बड़े अधिकारी फारसी विद्वान जामी का कहना है कि रहस्यमय सूफी मत का प्रथम व्याख्याकार मिस्त्र निवासी धुन नून (मृत्यु 245-246 हिजरी) था। धुन नून के अभिज्ञान को बगदाद के जुनैद (मृत्यु 297) ने संकलित और व्यवस्थित किया। जुनैद के मत का दृढ प्रचार उसके शिष्य, खुरासान के अबू बफ्रर शिबली (मृत्यु 335) ने किया। ये अभिज्ञान अबू नरत्र सर्राज (मृत्यु 378) द्वारा पुस्तक लुमा में लिपिबद्ध हुए, तदुपरांत अब्दुल कासिम अल कुशैरी ने (मृत्यु 437) इन्हें अपनी पुस्तक रसैल में रखा। किंतु इस विचारप्रणाली को इस्लामी रहस्यविद्या में रखनेवाले तथा उन्हें नियमबद्ध करनेवाले व्यक्ति महान रहस्यवादी शेख मुहिउद्दीन इब्न्श उल अरबी (560 हिजरी) थे। यह आप ही थे जिन्होंने छह अलायतों अथवा विशेषीकरणों की योजना समझाई और ऐसे हर अभिव्यक्ति के संबद्ध विषयों का निश्चय किया। इमाम गजाली (मृत्यु 450 हिजरी) ने सूफीवाद को वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान किया।

सर्वोच्च सुंदरः पद सूफी, वली, दरवेश और फकीर शब्दों का उपयोग मुस्लिम संतों के लिए किया जाता है, जिन्होंने अपनी पूर्वाभासी शक्तियों के विकास हेतु वैराग्य अपनाकर, सम्पूर्णता की ओर जाकर, त्याग और आत्म अस्वीकार के माध्यम से प्रयास किया। बारहवीं शताब्दी ए.डी. तक, सूफीवाद इस्लामी सामाजिक जीवन के एक सार्वभौमिक पक्ष का प्रतीक बन गया, क्योंकि यह पूरे इस्लामिक समुदाय में अपना प्रभाव विस्तारित कर चुका था। सूफीवाद इस्लाम धर्म के अंदरुनी या गूढ़ पक्ष को या रहस्यमयी आयाम का प्रतिनिधित्व करता है। जबकि, सूफी संतों ने सभी धार्मिक और सामुदायिक भेदभावों से आगे बढ़कर विशाल पर मानवता के हित को प्रोत्साहन देने के लिए कार्य किया। सूफी सन्त दार्शनिकों का एक ऐसा वर्ग था जो अपनी धार्मिक विचारधारा के लिए उल्लेखनीय रहा। सूफियों ने ईश्वर को सर्वोच्च सुंदर माना है और ऐसा माना जाता है कि सभी को इसकी प्रशंसा करनी चाहिए, उसकी याद में खुशी महसूस करनी चाहिए और केवल उसी पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। उन्होंने विश्वास किया कि ईश्वर माशूक और सूफी आशिक हैं।

शांति का प्रयासः सूफीवाद ने स्वयं को विभिन्न सिलसिलों या क्रमों में बांटा। सर्वाधिक चार लोकप्रिय वर्ग हैं चिश्ती, सुहारावार्डिस, कादिरियाह और नक्शबंदी। सूफीवाद ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जड़े जमा लीं और जन समूह पर गहरा सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक प्रभाव डाला। इसने हर प्रकार के धार्मिक औपचारिक वाद, रुढ़िवादिता, आडंबर और पाखंड के विरुद्ध आवाज उठाई तथा एक ऐसे वैश्विक वर्ग के सृजन का प्रयास किया जहां आध्यात्मिक पवित्रता ही एकमात्र और अंतिम लक्ष्य है। एक ऐसे समय जब राजनैतिक शक्ति का संघर्ष पागलपन के रूप में प्रचलित था, सूफी संतों ने लोगों को नैतिक बाध्यता का पाठ पढ़ाया। संघर्ष और तनाव से टूटी दुनिया के लिए उन्होंने शांति और सौहार्द लाने का प्रयास किया। सूफीवाद का सबसे महत्वपूर्ण योगदान यह है कि उन्होंने अपनी प्रेम की भावना को विकसित कर हिन्दू-मुस्लिम पूर्वाग्रहों के भेद मिटाने में सहायता दी और इन दोनों धार्मिक समुदायों के बीच भाईचारे की भावना उत्पन्न की।

सुफ से बना सूफीः कई लोगों का मानना है कि सूफी शब्द सुफ से बना है जिसका अरबी में मतलब ऊन से है क्योंकि ये सूफी हज़रात ढीला ढाला ऊन का कपड़े पहनते थे क्योंकि वो सादगी से जीने में विश्वास रखते थे। हालांकि कई विद्वानों इस शब्द के मूल को अस्वीकार करते हैं लेकिन बावजूद इसके ये एक लोकप्रिय विश्वास है। ये ध्यान देने योग्य है कि सूफी हज़रात आमतौर पर खलीफा या राजा की अदालत में हाजिरी नहीं देते थे। कुछ तो तब भी नहीं जाया करते थे जब शासक की तरफ से बुलावा आता था। हजरत निज़ामुद्दीन औलिया के बारे में प्रसिद्ध कहानी है जिन्होंने न सिर्फ राजा की अदालत में जाने से इन्कार कर दिया बल्कि अपने शिष्य हज़रत अमीर ख़ुसरो को बताया कि राजा स्वयं उनसे मिलने आएंगे तो अगर राजा एक दरवाजे से मेरी ख़ानकाह में आते हैं तो मैं दूसरे दरवाजे से निकल जाउंगा। इन सूफी हज़रात का विश्वास था कि हुक्मरान शोषण करने वाले हैं और राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने के लिए खून बहाने से भी नहीं हिचकिचाते हैं। वो लोगों की सेवा नहीं करते बल्कि लोग उनकी सेवा करते हैं।

पूरी मानवता से प्रेमः मौलाना रूम ने भी पूरी मानवता से प्रेम करने पर जोर दिया है और यहां तक कहा है कि मेरी असली पहचान प्यार है। मौलाना रूम की मुसलमानों के अलावा सभी धर्मों यहूदी, ईसाई और आग की पूजा करने वाले सम्मान करते हैं और उनके अंतिम संस्कार में सभी धर्मों के लोग शामिल हुए थे।

प्रेम और दया सबसे बेहतर रास्ता...

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हम जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करें। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है।

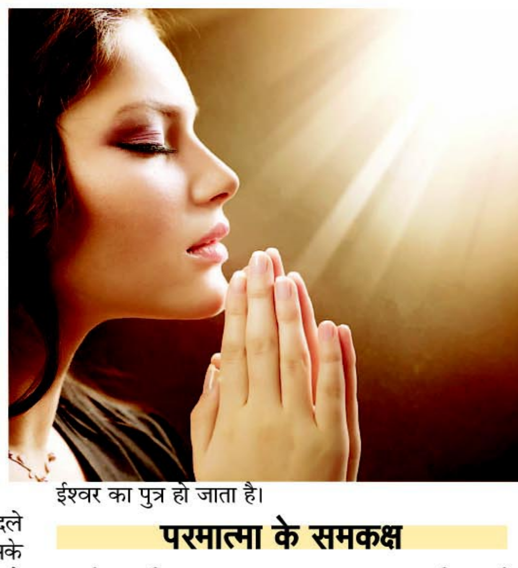

प्रेम के बदले प्रेम

हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दर्शाते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होती है वह प्रसन्न होती है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराती है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है।

परमात्मा के समकक्ष

ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साई सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

यस्य चित्तं द्रवीभूतं कृपया सर्वजंतुष।
तस्य ज्ञानेन मोक्षेण किं जटाभस्मलेपनैः।।

अर्थात जिसका हृदय सभी प्राणियों पर दया करने हेतु द्रवित हो उठता है, उसे ज्ञान, मोक्ष, जटा और भस्म लगाने की क्या जरूरत? भाव यह है कि हमें सभी प्राणियों पर दया करनी चाहिए, उनसे स्नेह करना चाहिए। जो ऐसा करता है, उसका स्थान परमात्मा के समकक्ष हो जाता है।

दया धर्म का मूल

किसी अन्य प्राणी को कष्ट में देखने पर उसके कष्ट दूर करने के उद्देश्य से उसकी सहायता करने की जिस इच्छा का मनुष्य के हृदय में जन्म होता है, वह दया या करुणा कहलाती है। गोस्वामी तुलसी दास जी ने राम चरित मानस में एक दोहे में कहा है-दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान। तुलसी दया न छोड़िये जब लगि घट में प्राण।।

विचारणीय यह है कि यदि दया धर्म का मूल है तब धर्म को स्थायित्व प्रदान करने और सशक्त बनाये जाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति, जो धर्म में विश्वास रखता है अथवा जो धर्म की उन्नति चाहता है अथवा जो अपने को धर्म का रक्षक कहता है, को अपने अन्दर के दया भाव को जागृत कर उसका प्रयोग धर्म की जड़ों के सशक्तिकरण के लिए करना होगा। सभी प्राणियों पर दया करते हुए असहाय दलितों, वंचितों और गरीबों पर विशेष दया दृष्टि से उनका दर्द कम करना होगा। कोरे भाषण देकर धर्म की पैरबी करने, दयनीय जीवन जी रहे लोगों को अल्पकालिक लालच देकर अपने समुदाय में शामिल करने अथवा उनके इर्द-गिर्द पहरेदार खड़े करने से धर्म की जड़े मजबूत नहीं होंगी।

जीवन के प्रति सजग भाव

जिस मनुष्य में जीवन के प्रति सहज भाव है उसे कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। संत रविदास ने कहा है कि 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। इसके विपरीत बाजार के आर्थिक स्वामी तथा प्रचार प्रबंधक अपने शोर से लोगों के मन को ही भटकाते हैं। जिस धर्म का पालन सही ढंग से एकांत में हो सकता है उसे उन्होंने चौराहे पर चर्चा का विषय बना दिया है। भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में यही स्थिति है। हर धर्म के ठेकेदार अपने निर्धारित विशिष्ट रंगों के वस्त्र पहनकर यह प्रमाणित करते हैं कि वह अपने समाज के माननीय है। यह अलग बात है कि किसी भी धर्म के मूल प्रवर्तक ने अपने समाज के लिए किसी खास रंग की पहचान नहीं बनाई। इस तरह धर्म को लेकर एक तरह से भ्रम की स्थिति बन गई है। अगर हम प्राचीन ग्रंथों के आधार पर धर्म के सिद्धांत की पहचान करें तो वह आचरण के आधार पर बना हुआ होता है। उसको कोई निश्चित कर्मकांड नहीं है। यही कारण है कि धार्मिक रूप से हमारे यहां एकता है पर कर्मकांडों में स्थान और क्षेत्र के आधार पर भिन्नता पाई जाती है। जहां तक स्वयं धर्म के आधार पर चलने का प्रश्न है तो उस पर अवश्य विचार करना चाहिए। प्रात:काल उठकर योगसाधना तथा पूजा आदि कर मन को स्वस्थ तथा प्रसन्न चित्त बनाना चाहिए। उससे पूरा दिन अच्छा निकलता है। धर्म को लेकर लोगों से अधिक चर्चा नहीं करना चाहिए क्योंकि अधिकतर लोग इस बारे में अपना ज्ञान बघारते हैं। हमारे आसपास धर्म के मार्ग पर चलने वाले लोग उंगलियों पर गिनती करने लायक ही होते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**